नई दिल्ली
मंगलवार 24 फरवरी 2026
फाल्गुन मास शुक्ल पक्ष,
सप्तमी/अष्टमी वर्ष : 29, अंक : 312
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम
अधि. 28
न्यून. 14

हरिभूमि

दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

इस महीने की शुरुआत में हुए तेजस विमान हादसे को लेकर बोले रक्षा सूत्र

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155
airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

पूर्व रेल मंत्री मुकुल रॉय का 71 वर्ष की उम्र में निधन

कोलकाता। पूर्व केंद्रीय रेल मंत्री और कभी तृणमूल कांग्रेस में ममता बेनर्जी के बाद नंबर दो नेता माने जाने वाले मुकुल रॉय का सोमवार को दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। 71 वर्षीय रॉय को कोलकाता के सॉल्ट लेक स्थित अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां तड़के करीब 1.30 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके बेटे सुभ्रांशु रॉय ने उनके निधन की पुष्टि की है।

रश्मिका-विजय पहुंचे उदयपुर, लेंगे सात फेरे

नई दिल्ली। रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा की शादी होने जा रही है। रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा 26 फरवरी को शादी के बंधन में बंधने वाले हैं। उदयपुर से करीब 25 किलोमीटर दूर अरावली की पहाड़ियों के बीच बनी आईटीसी मोमेंटोस को रश्मिका और विजय ने शादी के लिए चुना है।

पीएम मोदी ने पश्चिम बंगाल के मतदाताओं को लिखा पत्र, कहा

सोनार बंगाल का सपना देखने वाले लोग दुखी, 'एबार भाजपा सरकार' का दिया नारा

पश्चिम बंगाल में माताएं-बहनें आज सुरक्षित महसूस नहीं कर रही हैं। पीएम मोदी ने पत्र में लिखा कि जय मां काली, अब बस कुछ ही महीने में पश्चिम बंगाल का भाग्य सुनिश्चित हो जाएगा

युवा रोजगार के लिए पलायन को मजबूतर, माताएं और बहनें असुरक्षित

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के मतदाताओं को पत्र लिखा है। उन्होंने 'एबार भाजपा सरकार' का नारा देते हुए ममता बनर्जी को घेरा है। पीएम मोदी ने लिखा कि सोनार बंगाल का सपना देखने वाला हर व्यक्ति दुखी है। पश्चिम बंगाल में माताएं-बहनें आज सुरक्षित महसूस नहीं कर रही हैं। पीएम मोदी ने पत्र में लिखा कि जय मां काली, अब बस कुछ ही महीने में पश्चिम बंगाल का भाग्य सुनिश्चित हो जाएगा। आने वाली पीढ़ी का भविष्य किस दिशा में आगे बढ़ेगा, यह आपके सोचे-समझे फैसले पर निर्भर करता है। मेरे सोनार बंगाल के सपने देखने वाला हर एक जवान, बूढ़ा और महिला आज बहुत पीड़ा में हैं। उनकी पीड़ा से आज मेरा हृदय भी व्यथित है। इसलिए, मैंने मन की गहराइयों से एक संकल्प लिया है, पश्चिम बंगाल को 'विकसित' और समृद्ध बनाने का संकल्प। पिछले 11 वर्षों में देशवासियों के आशीर्वाद को ताकत बनाकर मेरी सरकार ने जनकल्याण और समग्र विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। किसानों के कल्याण से लेकर युवाओं के सपनों को साकार करने तक, और मातृशक्ति के सशक्तीकरण से लेकर समाज के हर वर्ग तक, हमारी नीतियों और निरंतर प्रयासों के सकारात्मक परिणाम आज साफ दिखाई दे रहे हैं।

बंगाल वोट बैंक की संकीर्ण राजनीति, हिंसा और अराजकता में जकड़ा

पीएम नरेंद्र मोदी फाइल फोटो

'जय मां काली' से पत्र की शुरूआत की

केंद्र की योजनाओं का दिया हवाला

पीएम ने दावा किया कि राज्य सरकार के असहयोग के बावजूद पश्चिम बंगाल के करीब 5 करोड़ लोग जन-धन योजना से जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत अभियान के तहत 85 लाख शौचालय बने। उज्ज्वला योजना के जरिए 1 करोड़ से ज्यादा परिवारों को गैस कनेक्शन ▸▸शेष पेज 5 पर

राज्य की जर्जर हालत देख मन व्यथित

पीएम मोदी ने लिखा कि इस गौरवशाली राज्य की जर्जर हालत देखकर मेरा मन व्यथित हो उठता है। पिछले छह दशकों के कुशासन और तुष्टिकरण की राजनीति के कारण पश्चिम बंगाल को जो अपूरणीय क्षति हुई है, उसे बयान नहीं किया जा सकता। एक तरफ, रोजगार के अभाव में युवा दूसरे राज्यों में पलायन करने को मजबूर हो रहे हैं, तो दूसरी तरफ, पश्चिम बंगाल में मेरी माताएं और बहनें आज सुरक्षित महसूस नहीं करती हैं।

अराजकता के अंधेरे में डूबा बंगाल

पीएम ने लिखा कि स्वामी विवेकानंद और ऋषि अरविंद ने जिस बंगाल का सपना देखा था, वह आज वोट-बैंक की संकीर्ण राजनीति, हिंसा और अराजकता में जकड़ा हुआ है और यह हम सबके लिए अत्यंत ▸▸शेष पेज 5 पर

अब परिवर्तन अनिवार्य

पीएम ने लिखा कि लेकिन कब तक हम चुपचाप यह सब सहते रहेंगे? अब परिवर्तन अनिवार्य है। देश के कई राज्यों में आज जीवन स्तर बेहतर हुआ है, गरीबों के चेहरे पर मुस्कान आई है। 'आयुष्मान भारत' से स्वास्थ्य सुरक्षा ▸▸शेष पेज 5 पर

ममता का आखिरी चुनावः शाह

पश्चिम बंगाल के भाजपा प्रवक्ता प्रतुल शाह देव ने दावा किया है कि बंगाल में इस बार परिवर्तन तय है और भाजपा की सरकार बनने जा रही है। सीएम ममता बेनर्जी इस विधानसभा चुनाव में साफ होने वाली हैं। उनके राजनीतिक जीवन का आखिरी चुनाव साबित होगा और पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार बनेगी।

ममता का सियासी दांव

भाजपा सांसद को बंगाल के सर्वोच्च सम्मान से नवाजा

ममता बेनर्जी ने पश्चिम बंगाल चुनाव से पहले भाजपा के हिस्से से राजवंशी समुदाय का वोट झटकने के लिए पासा फेंक दिया है। विधानसभा चुनाव से ठीक पहले भाजपा के राज्यसभा सांसद अनंत महाराज को बंगाल का सर्वोच्च सम्मान दिया जाना ममता बेनर्जी रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। अनंत महाराज को भारतीय जनता पार्टी ने 2023 में राज्यसभा ▸▸शेष पेज 5 पर

तेजस दुर्घटनाग्रस्त नहीं हुआ रनवे पर ग्राउंड में आई तकनीकी खराबी, जांच जारी...

- एक आधिकारिक बयान के जरिए एचएएल ने भी किया विमान हादसे की खबरों का पुरजोर अंदाज में खंडन
- बीते तीन साल में स्वदेशी लड़ाकू विमान से जुड़ा तीसरा मामला

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

एक ऐसे दौर में जब पाकिस्तान और चीन की सीमाओं से भारत के लिए लगातार युद्ध की चुनौती बनी हुई है। भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमानों का जंगी बेड़ा संख्याबल के हिसाब से आकार में तेजी से सिकुड़ रहा है। तब अचानक बीते रविवार रात मीडिया के एक घड़े में ये खबर आती है कि देश का पहला हल्का स्वदेशी लड़ाकू विमान (एलसीए) तेजस वायुसेना के किसी अग्रिम ठिकाने पर अपनी उड़ान के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। मामले बेहद गंभीर था, सोमवार सुबह होने के बाद शेयर बाजार से खबर फैली कि विमान की वास्तविक निर्माता कंपनी, हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के शेयरों में गिरावट आने लगी है। फिर क्या था, कंपनी तुरंत हरकत में आई और उसने एक आधिकारिक बयान जारी कर मीडिया में सख्त अंदाज में ये साफ कर दिया कि तेजस लड़ाकू विमान की दुर्घटना को लेकर मीडिया में सामने आ रही सभी खबरें गलत हैं। वहीं, एचएएल की तर्ज पर रक्षा सूत्र भी सामने आए और उन्होंने भी टूक अंदाज में मीडिया में चल रही खबरों पर संज्ञान लेते हुए तेजस विमान की किसी दुर्घटना के तथ्य को सिरे ▸▸शेष पेज 5 पर

सभी तेजस विमानों की होगी जांचः सूत्र

रक्षा सूत्रों ने बताया कि तेजस लड़ाकू विमान देश में कहीं पर भी दुर्घटना का शिकार नहीं हुआ है। ये पूरा मामला वायुसेना के किसी एक एयरबेस पर तैनात तेजस विमान में ग्राउंड पर आई तकनीकी खामी से जुड़ा हुआ है। जिसकी जांच यानी कोर्ट ऑफ इंक्वायरी (सीओआई) का गठन वायुसेना की तरफ से कर दिया गया है। वहीं, दूसरी ओर वायुसेना और एचएएल संयुक्त रूप से बल के बेड़े में वर्तमान में तैनात तेजस विमानों की 2 स्क्वाड्रन यानी कुल करीब 34 विमानों की तकनीकी और मरम्मत (टेक्निकल एंड मेंटेनेंस चेक) संबंधी गहन जांच कर रहे हैं। इसके खत्म होने के बाद ही विमानों को वायुसेना में फिर से अपनी सामान्य या रणनीतिक उड़ान भरने की मंजूरी प्रदान की जाएगी। इसके बाद ही यह खुलासा हो पाएगा कि इस पूरी घटना के पीछे की असल वजह क्या थी?

तेजस विमान से जुड़ी तीसरी घटना

बताते चलें कि यह तेजस विमान से जुड़ी हुई तीसरी घटना है। पहला हादसा मार्च 2024 में जैसलमेर के पास भारत शक्ति युद्धाभ्यास के दौरान एक तेजस विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने का है। जिसकी वजह इंजन के फेल होने के रूप में सामने आई थी, पायलट सुरक्षित था। जबकि दूसरी दुर्घटना पिछले साल नवंबर महीने में दुबई में हुए अंतरराष्ट्रीय एयर-शो के दौरान हुई थी। जिसमें भारतीय वायुसेना का एक और तेजस विमान दुर्घटना का शिकार हो गया था और उसमें विमान में सवार पायलट विंग कमांडर नमांश स्याल की मौके पर ही दुखद मृत्यु हो गई थी। इसके बाद अब मौजूदा साल 2026 में विमान से जुड़ी ये तीसरी घटना सामने है।

प्रधानमंत्री की इजरायल यात्रा से ठीक पहले भारत की एडवाइजरी, जल्द ईरान छोड़ें भारतीय

- जारी किए गए चार आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर
- एडवाइजरी के पीछे की वजह तेहरान में बढ़ते प्रदर्शन और अमेरिका का ईरान पर बढ़ता हवाई हमले का खतरा है।
- ईरान में भारतीयों का कुल अनुमानित आंकड़ा 10 हजार है। जिसमें ज्यादा तादाद छात्रों की है।

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

एक ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस सप्ताह इजरायल की महत्वपूर्ण यात्रा होने वाली है। वहीं, दूसरी ओर अमेरिका की ईरान पर तेजी से बढ़ती हवाई हमले (एयरस्ट्राइक) की आशंका के बीच भारत ने खाड़ी देश में रह रहे अपने देश के सभी नागरिकों के लिए सोमवार को एक नया और जरूरी परामर्श (एडवाइजरी) जारी किया है। जिसमें ईरान में उन्हें सार्वजनिक यातायात के किसी भी सुलभ और उपलब्ध माध्यम का इस्तेमाल कर तुरंत ईरान छोड़ने की सलाह दी गई है। इसके अलावा जरूरी मदद के लिए चार आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए गए हैं। जिनमें +989128109115, +989128109109, +989128109102 और +989932179359 मुख्य हैं।

होगी पीएम मोदी की इजरायल यात्रा ? : वहीं, जानकारों का कहना है कि उक्त दोनों घटनाएं आपस में काफी करीब से जुड़ी हुई हैं। क्योंकि अगर अमेरिका ईरान पर एयरस्ट्राइक करता है। तो वह उस पर सीधे हमला करने की बजाय बहुत संभावना है कि इसके लिए इजरायल की हवाई सीमा या उसकी जमीन का इस्तेमाल करे। इजरायल और ईरान की तनातनी भी जगजाहिर है। ऐसे में किसी भी आपात परिस्थिति में अमेरिका और इजरायल दोनों प्रत्यक्ष रूप से ईरान के खिलाफ युद्ध का हिस्सा होंगे। उस वक्त प्रधानमंत्री मोदी की यह आगामी इजरायल यात्रा होगी या नहीं, इस पर फिलहाल ठोक बजाकर कोई दावा नहीं किया जा सकता ▸▸शेष पेज 5 पर

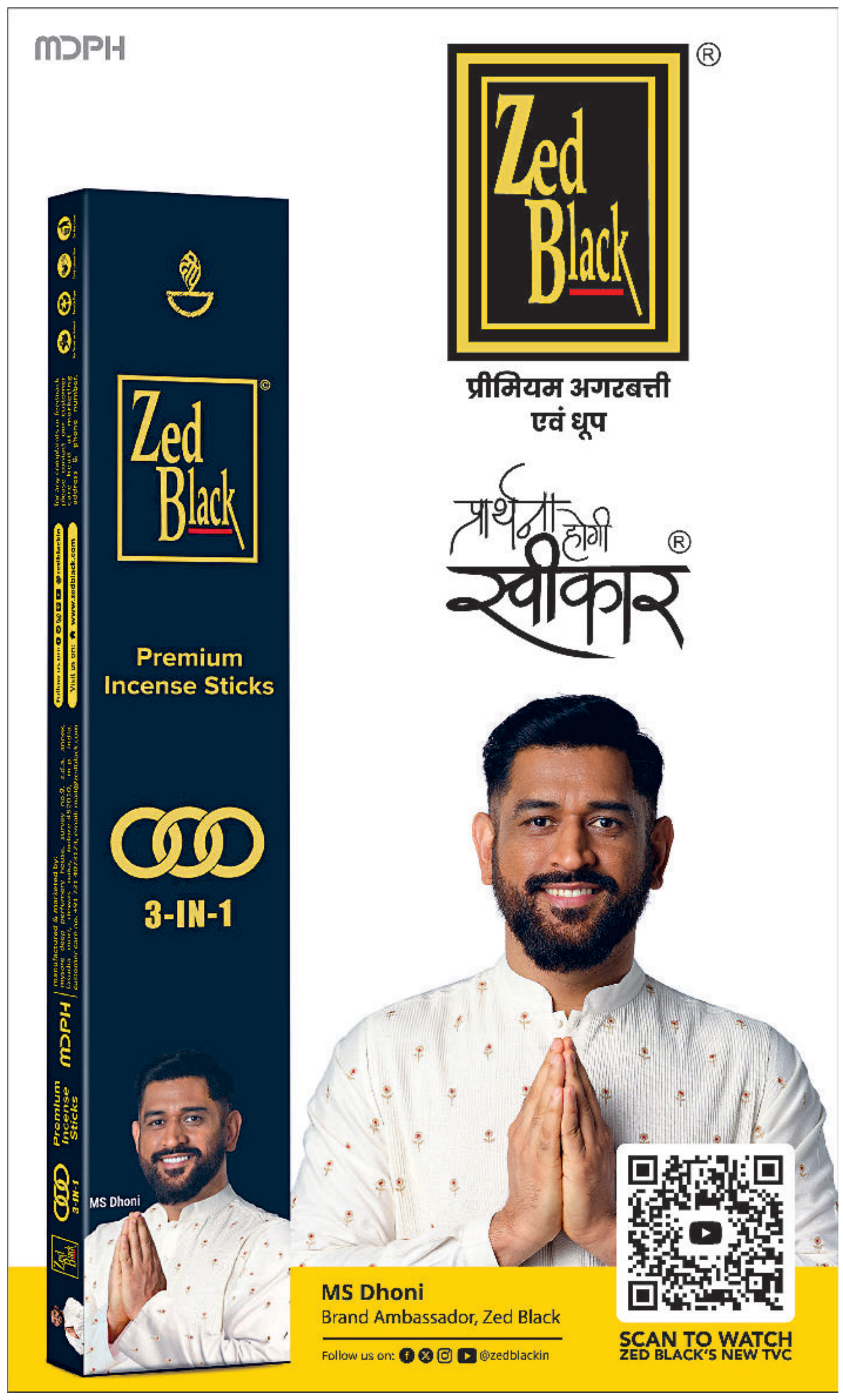

यमुना के तट से लाल किले की प्राचीर तक, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली बनी 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' का जीवंत प्रतिबिंब

विकास भी, विरासत भी: पीएम मोदी के नेतृत्व में दिल्ली की सांस्कृतिक-सनातन पहचान पुनर्जीवित

'विकास भी, विरासत भी'- दिल्ली में सांस्कृतिक पुनर्जागरण, आस्था और विविधता के उत्सव का एक वर्ष

नई दिल्ली

देश की राजधानी दिल्ली को लंबे समय तक केवल सत्ता और प्रशासन के केंद्र के रूप में देखा जाता रहा, लेकिन बीते एक वर्ष में इस शहर ने एक नई पहचान अर्जित की है—भारत की सांस्कृतिक धड़कन के रूप में। मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली ने यह सिद्ध किया है कि संवेदनशील और दूरदर्शी शासन विकास को केवल भौतिक सीमाओं तक नहीं रखता, बल्कि उसे सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और भावनात्मक ऊँचाइयों तक पहुँचाता है।

रेखा सरकार के विज़न ने दिल्ली को फाइलों और सचिवालयों के दायरे से बाहर निकालकर लोक-परंपराओं, आध्यात्मिक चेतना और आधुनिकता के अद्वितीय संगम में परिवर्तित किया है। यह परिवर्तन किसी एक आयोजन का परिणाम नहीं, बल्कि एक समग्र दृष्टिकोण का प्रतिफल है—ऐसी सोच का परिणाम जिसमें दिल्ली को भारत की विविध परंपराओं का जीवंत मंच बनाया गया है। 'सर्वधर्म समभाव' और 'अनेकता में एकता' के मूल मंत्र को धरातल पर उतारते हुए सरकार ने हर आस्था, हर परंपरा और हर उत्सव को समान सम्मान दिया है।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के दूरदर्शी मार्गदर्शन में 'विरासत भी, विकास भी' के मंत्र को आत्मसात करते हुए रेखा सरकार पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ दिल्ली को सांस्कृतिक वैभव और सुशासन के नए युग की ओर अग्रसर कर रही है—एक ऐसे आदर्श की दिशा में, जहाँ विकास और परंपरा साथ-साथ आगे बढ़ें।

कर्तव्य पथ से उठी सांस्कृतिक चेतना की लौ

आजादी के बाद पहली बार कर्तव्य पथ पर आयोजित दीपोत्सव केवल एक उत्सव नहीं था, बल्कि यह घोषणा थी कि दिल्ली अपनी सांस्कृतिक विरासत को नए युग की तकनीक के साथ आगे बढ़ाने के लिए तैयार है। हजारों ड्रोन से आकाश में जीवंत होती रामायण, लाखों दीपों की रोशनी और जनसहभागिता का महासागर—यह सब मिलकर दिल्ली को आस्था और आधुनिकता के संगम का प्रतीक बना गया। यह केवल एक उत्सव नहीं था बल्कि यह दिल्ली की नई ऊर्जा, नई दिशा और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का प्रतीक बना। मुख्यमंत्री ने इसे "नई सांस्कृतिक क्रांति की आहट" बताते हुए स्पष्ट किया कि दिल्ली अब शासन की ही नहीं, संस्कृति की भी राजधानी बनेगी।

यमुना तट पर छठ: आस्था का सम्मान, संवेदनशील शासन का उज्ज्वल उदाहरण

वर्षों की प्रतीक्षा के बाद जब यमुना के पावन तट पर छठ महापर्व की आराधना का शुभारंभ हुआ, तो वह केवल एक आयोजन नहीं था—वह आस्था की वापसी थी, भावनाओं का पुनर्जागरण था, और संस्कृति के सम्मान का संकल्प था। पूरी दिल्ली में 1000 से अधिक सुसज्जित छठ घाटों की व्यवस्था, पल्ला से कालिंदी कुंज तक 17 भव्य मॉडल घाटों का निर्माण, प्रत्येक जिले और उपजिले में विशेष मॉडल घाट—यह तैयारी केवल प्रशासनिक नहीं, बल्कि भावनात्मक प्रतिबद्धता का प्रतीक थी। टेंट, निर्बाध बिजली, स्वच्छ पेयजल, मोबाइल शौचालय, चिकित्सा वैन, व्यापक स्वच्छता अभियान और सुरक्षा प्रबंध—हर सुविधा यह सुनिश्चित करने के लिए थी कि श्रद्धालुओं की आस्था में कोई बाधा न आए। पहली बार सरकार स्वयं इतने व्यापक स्तर पर इस महापर्व की सहभागी बनी, और इसे एक सुव्यवस्थित, गरिमामय एवं भव्य स्वरूप प्रदान किया। भोजपुरी और मैथिली सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने छठ को केवल पूजा नहीं, बल्कि लोकसंस्कृति के उत्सव में बदल दिया। मुख्यमंत्री द्वारा स्वयं प्रातः और सायं अर्घ्य अर्पित करना, पूर्वांचल की परंपरा के अनुरूप सादगी और श्रद्धा से सहभागिता निभाना—यह संदेश था कि यह पर्व केवल समुदाय का नहीं, बल्कि पूरी दिल्ली का है।

सावन में सेवा का संकल्प: कांवड़ यात्रा का नया अध्याय

सावन के पावन महीने में जब श्रद्धा के कदम आगे बढ़ते हैं, तो व्यवस्था भी उनके साथ चलनी चाहिए। इस वर्ष दिल्ली ने कांवड़ यात्रा के दौरान सेवा और संवेदनशीलता की एक नई मिसाल पेश की। सिंगल विंडो सिस्टम के माध्यम से 72 घंटे के भीतर अनुमति, **DBT** द्वारा अग्रिम भुगतान की पारदर्शी व्यवस्था, सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम, स्वास्थ्य सेवाएँ, पर्याप्त लाइट , स्वच्छ पेयजल और व्यापक सफाई अभियान—हर पहल श्रद्धालुओं की सुविधा और सम्मान को केंद्र में रखकर की गई।

यह केवल प्रबंधन नहीं था, यह विश्वास का निर्माण था।
यह केवल आयोजन नहीं था, यह सेवा का संकल्प था।

मुख्यमंत्री द्वारा कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा और यह स्पष्ट संदेश कि "सरकार आयोजक नहीं, सेवक है" ने शासन और समाज के बीच की दूरी को और कम कर दिया।जब आस्था के मार्ग पर सेवा साथ चले, तो यात्रा केवल सफल नहीं होती—ऐतिहासिक बन जाती है।

> 'आज का दीपोत्सव केवल दीपों का उत्सव नहीं, बल्कि नई सांस्कृतिक क्रांति की आहट है। दिल्ली अब केवल शासन की राजधानी नहीं, बल्कि सांस्कृतिक चेतना की धड़कन है।'
> रेखा गुप्ता, मुख्यमंत्री

लाल किला बना आध्यात्मिक एकता का केंद्र – गुरु तेग बहादुर 350वीं शहीदी वर्ष का ऐतिहासिक समागम

दिल्ली ने इतिहास की उन पंक्तियों को महसूस किया, जो सदियों से समाज को एकता, सहिष्णुता और मानवता का संदेश देती आई हैं। लाल किले के ऐतिहासिक परिसर में श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के 350वें शहीदी वर्ष को समर्पित तीन दिवसीय समागम ने राजधानी को आध्यात्मिक एकता का वैश्विक मंच बना दिया, जहाँ लाखों श्रद्धालुओं ने भाग लिया और गुरु साहिब की महान शिक्षाओं को अपने हृदय में उतारा। समागम में भव्य कीर्तन दरबार, लाइट एवं साउंड शो, जीवन और शिक्षाओं पर आधारित व शिष प्रदर्शनी और एक अस्थायी संग्रहालय शामिल थे, जो गुरु साहिब के जीवन, संघर्ष और शहादत को प्रभावशाली रूप से दर्शाते थे।

दिल्ली सरकार ने गुरु साहिब के नाम पर वन विकसित करने की घोषणा की, जिससे उनकी शिक्षाएँ केवल आज के लिए नहीं बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी स्थायी संदेश बन सकें—यह पहल संस्कृति, शिक्षा और पर्यावरण को एक सूत्र में जोड़ती है। इस ऐतिहासिक आयोजन ने यह साबित कर दिया कि जब आस्था, नेतृत्व और संवेदनशील शासन एक साथ आते हैं, तो एक राष्ट्र की आत्मा और भी प्रबल, समृद्ध और एकजुट बनती है।

सांस्कृतिक भागीदारी बना जनआंदोलन

आज दिल्ली में सांस्कृतिक कार्यक्रम दर्शकों तक सीमित नहीं हैं—वे सहभागिता का माध्यम बन चुके हैं। युवाओं की बढ़ती उपस्थिति, महिलाओं की सक्रिय भागीदारी और समाज के हर वर्ग का जुड़ाव यह संकेत देता है कि संस्कृति अब सरकारी कैलेंडर का हिस्सा नहीं, बल्कि जनआंदोलन बन चुकी है।

मल्टी-लेवल पार्किंग, एशिया के सबसे बड़े एसटीपी जैसी परियोजनाओं के उद्घाटन के साथ सांस्कृतिक उत्सवों की श्रृंखला यह दर्शाती है कि दिल्ली का विकास बहुआयामी है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के "एक भारत श्रेष्ठ भारत" विजन और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में राजधानी ने विकास और संस्कृति के बीच संतुलन का नया मॉडल प्रस्तुत किया है।

एक वर्ष की सांस्कृतिक उपलब्धियाँ

1. कर्तव्य पथ पर आज़ादी के बाद पहला भव्य दीपोत्सव
2. 1000+ छठ घाट, यमुना तट पर 17 मॉडल घाट
3. छठ व्रतियों पर दर्ज मुकदमों की वापसी
4. 200 घाटों पर भोजपुरी–मैथिली सांस्कृतिक कार्यक्रम
5. कांवड़ यात्रा के लिए सिंगल विंडो सिस्टम और DBT सहायता
6. 72 घंटे में अनुमति की ऐतिहासिक व्यवस्था
7. नवरात्र, दुर्गापूजा, डांडिया, गरबा, ओणम, बथुकम्मा का सामूहिक आयोजन
8. युवाओं की अभूतपूर्व भागीदारी
9. गुरु तेग बहादुर साहिब का ऐतिहासिक समागम

'भजन क्लबिंग' के साथ भक्ति की बीट पर थिरकी युवा दिल्ली

दिल्ली में शुरू हुआ 'भजन क्लबिंग' केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि युवाओं को अपनी जड़ों से जोड़ने वाला एक जीवंत सांस्कृतिक आंदोलन है। भक्ति, आधुनिक संगीत और युवा ऊर्जा के अनोखे संगम ने कॉलेज परिसरों को आध्यात्मिक उत्सव में बदल दिया है। माननीय मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता के मार्गदर्शन में आयोजित वसंतोत्सव 2026 के तहत शुरू हुई यह श्रृंखला आज दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों तक पहुँचकर हजारों विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति की आत्मा — भजन और कीर्तन — से जोड़ रही है।

लीला बैंड, राघव राजा, इंडिया म्यूज़िक कलेक्टिव, साधो बैंड और अन्य प्रसिद्ध समूहों की भक्तिमय प्रस्तुतियाँ युवाओं को आध्यात्मिक अनुभूति के साथ आधुनिक मंच का अनुभव दे रही हैं। 'भजन क्लबिंग' का उद्देश्य भक्ति को नई पीढ़ी की भाषा में प्रस्तुत कर सांस्कृतिक गौरव, सकारात्मक ऊर्जा और सामूहिक चेतना को मजबूत करना है।

पर्यटन और विकास के नए आयाम

सांस्कृतिक उत्थान के साथ-साथ दिल्ली सरकार ने पर्यटन को भी नए पंख दिए हैं:

इको-टूरिज्म: 'व्हाइट लाइम फेडर-2025' और 'वाइल्डलाइफ टूरिज्म' को बढ़ावा देकर दिल्ली को प्रकृति प्रेमियों के लिए आकर्षण का केंद्र बनाया गया।

बदरिया ए महफिल: कला और संगीत को बढ़ावा देने के लिए एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर जैसे स्थलों पर महफिलों का आयोजन किया गया, जिससे दिल्ली की गंगा-जमुनी तहजीब और मजबूत हुई।

इसके अतिरिक्त दिल्ली सरकार ने लाइव एंटरटेनमेंट व कॉन्फ्रेंस टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए भी महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं, जिससे दिल्ली आर्थिक राजधानी के साथ-साथ मनोरंजन और पर्यटन का भी हब बने।

नवरात्र से ओणम और बथुकम्मा तक: हर राज्य का पर्व, दिल्ली का उत्सव

दिल्ली के इतिहास में पहली बार ऐसा अद्भुत दृश्य देखने को मिला, जब रामलीलाओं की गूंज, दुर्गापूजा की भव्यता, डांडिया और गरबा की लय, ओणम की पारंपरिक गरिमा और तेलंगाना के बथुकम्मा की रंगीन छटा एक साथ राजधानी की पहचान बन गई। राजधानी में देशभर से पढ़ने आए छात्रों और युवाओं ने अभूतपूर्व उत्साह के साथ अपने अपने राज्यों के पर्व उसी आत्मीयता से मनाए, जैसे वे अपने घरों में मनाते हैं। दिल्ली ने उन्हें केवल मंच नहीं दिया, अपनापन भी

'आप दिल्ली का हिस्सा हैं यह शहर आपका अपना है'। यह सिर्फ शब्द नहीं रहे, बल्कि राजधानी को दिल से जोड़ने वाला संकल्प बन गया। आज दिल्ली केवल देश की राजधानी नहीं, बल्कि हर संस्कृति, हर परंपरा और हर सपने को अपनाने वाला अपना शहर बन चुकी है।

दिल्ली: अब केवल शहर नहीं, साझा पहचान

1. आज दिल्ली में दीपावली अयोध्या की परंपरा से जुड़ती है,
2. छठ बिहार-पूर्वांचल की आस्था को सम्मान देती है,
3. ओणम दक्षिण भारत की खुशबू लाता है,
4. बथुकम्मा तेलंगाना की प्रकृति-पूजा को जीवंत करता है,
5. कांवड़ यात्रा पूरे उत्तर भारत की श्रद्धा को जोड़ती है,
6. और गुरु साहिब का समागम सिख परंपरा को वैश्विक मंच देता है।

यह वह दिल्ली है जहाँ हर संस्कृति को स्थान मिला है और हर नागरिक को सम्मान।

सांस्कृतिक पुनर्जागरण की राजधानी

रेखा सरकार के एक वर्ष ने यह सिद्ध कर दिया है कि दिल्ली आज सचमुच भारत की सांस्कृतिक राजधानी बनने की दिशा में अग्रसर है

1. जहाँ आस्था का सम्मान है,
2. जहाँ परंपरा का उत्सव है,
3. जहाँ युवा संस्कृति से जुड़ रहे हैं,
4. और जहाँ हर नागरिक गर्व से कह सकता है कि 'यह दिल्ली मेरी भी है।'

DIP/Shabdarth/Advertorial/0148/25-26

दिल्ली में लागू होगी 'राह-वीर' योजना

दुर्घटना पीड़ितों की मदद करने वाले को मिलेंगे 25 हजार रुपये : रेखा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली सरकार ने केंद्र सरकार की 'राह-वीर योजना' को राजधानी में भी लागू करने का निर्णय लिया है। इस योजना के तहत सड़क दुर्घटनाओं में गंभीर रूप से घायलों की मदद करने वाले नागरिकों को 25 हजार रुपये की नकद पुरस्कार राशि और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाएगा। इस बात की जानकारी सोमवार को दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार ने इस मानवीय पहल को प्रोत्साहन देने के लिए आर्थिक पुरस्कार की व्यवस्था की है ताकि आम नागरिक बिना किसी भय के दुर्घटना पीड़ितों की सहायता कर सकें और मानवता का परिचय दे सकें। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने जानकारी दी कि इस योजना का मुख्य उद्देश्य आम जनता को सड़क दुर्घटना के पीड़ितों पीड़ितों को 'गोल्डन ऑवर' के भीतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए प्रेरित करना है। केंद्र सरकार के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय का मानना है कि यदि ज्यादा से ज्यादा लोग आगे आकर मदद करेंगे तो सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मृत्यु दर में उल्लेखनीय कमी लाई जा सकती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अक्सर लोग कानूनी झंझट या पुलिस कार्यवाही के भय से मदद करने से बचते हैं, लेकिन यह योजना उस भय को दूर कर नागरिकों को आगे आने के लिए प्रोत्साहित करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली जैसे महानगर में जहां प्रतिदिन हजारों वाहन सड़कों पर चलते हैं, गोल्डन ऑवर के भीतर चिकित्सा सहायता उपलब्ध होना जीवन और मृत्यु के बीच निर्णायक साबित हो सकता है। मदद करने वाले को प्रोत्साहन राशि और कानूनी संरक्षण मिलने से अधिक लोग दुर्घटना पीड़ितों को तत्काल अस्पताल पहुंचाने का साहस करेंगे, जिससे अनमोल जीवन बचाए जा सकेंगे। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि दिल्ली सरकार इस योजना को प्रभावी ढंग से लागू कर सड़क सुरक्षा और मानवीय संवेदनशीलता दोनों को मजबूत करेगी। मुख्यमंत्री के अनुसार, केंद्र सरकार के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने विस्तृत दिशा-निर्देश जारी कर राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए मार्गदर्शन दिया है। इसके बाद दिल्ली सरकार ने इसे लागू करने का निर्णय लिया। उन्होंने बताया कि यह योजना मोटर वाहन (संशोधन) अधिनियम, 2019 की धारा 134ए के तहत अधिसूचित गुड सेमेरिटन नियमों के अनुरूप तैयार की गई है। इन नियमों के तहत ऐसे नागरिकों को कानूनी संरक्षण प्रदान किया गया है जो किसी घायल, असहाय या संकटग्रस्त व्यक्ति की स्वेच्छा से सहायता करते हैं।

वर्ष भर में चयनित 10 सर्वश्रेष्ठ 'राह-वीरों' को मिलेंगे एक-एक लाख रुपए

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का कहना है कि इस योजना के तहत वर्ष भर में चयनित 10 सर्वश्रेष्ठ 'राह-वीरों' को राष्ट्रीय स्तर पर एक-एक लाख रुपये का विशेष पुरस्कार भी दिया जाएगा। प्रत्येक पुरस्कार के साथ प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस योजना का लक्ष्य न केवल दुर्घटना पीड़ितों की जान बचाना है, बल्कि समाज में मानवीय संवेदनशीलता को बढ़ावा देना भी है। योजना के तहत कोई भी व्यक्ति, जिसने किसी गंभीर सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को तत्काल सहायता दी हो और उसे गोल्डन ऑवर के भीतर अस्पताल या ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया हो, वह पुरस्कार के लिए पात्र होगा। ऐसे प्रत्येक मामले में 'राह-वीर' को 25 हजार रुपये की नकद राशि प्रदान की जाएगी।

पहला कदम बदलाव का, एक साल विकास का : रेखा गुप्ता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

- मुख्यमंत्री ने गिनाईं सरकार की उपलब्धियां, उत्तर-पूर्वी दिल्ली लोकसभा के कार्यकर्ताओं का किया धन्यवाद

'पहला कदम बदलाव का, एक साल विकास का' केवल एक नारा नहीं, बल्कि दिल्ली के प्रत्येक नागरिक के जीवन में आए सकारात्मक परिवर्तन का प्रतीक है। यह बात सोमवार का दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने उत्तर-पूर्वी लोकसभा क्षेत्र में खजूरी चौक स्थित नमो ग्राउंड पर सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले एक वर्ष में सरकार ने पारदर्शी प्रशासन, भ्रष्टाचार-मुक्त व्यवस्था, तेज़ इंफ्रास्ट्रक्चर विकास, डिजिटल गवर्नेंस और जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से दिल्ली को नई गति और नई दिशा देने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि यह वर्ष दिल्ली को नया आत्मविश्वास देने का वर्ष रहा है, जहां सरकार ने हर वर्ग जैसे गरीब, श्रमिक, महिला, युवा और मध्यम वर्ग आदि के हितों को प्राथमिकता दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' के मंत्र को आधार बनाकर दिल्ली में सुशासन का नया मॉडल स्थापित किया गया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाला समय विकास की इस रफ्तार को और तेज़ करने, दिल्ली को विश्वस्तरीय सुविधाओं से युक्त बनाने और हर नागरिक तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने का होगा।

खबर संक्षेप

शाहबाद डेयरी इलाके में फायरिंग, एक घायल

नई दिल्ली। शाहबाद डेयरी इलाके में अखाड़े के पास 36 वर्षीय ई-रिक्शा चालक को गोली मार दी गई। वारदात रविवार को सामने आई। दरअसल पुलिस को सूचना मिली कि एक शख्स को गोली लगने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस की एक टीम फौरन अस्पताल पहुंची। जख्मी की पहचान राजेश पासवान के तौर पर हुई। उसे बाद में दूसरे अस्पताल रेफर कर दिया गया। पुलिस के मुताबिक शाहबाद डेयरी इलाके में रहने वाला पासवान ई-रिक्शा चलाता है और पहले दो मामलों में शामिल रहा है। एमएलसी रिपोर्ट में उसके चेहरे के दाहिनी ओर एक घाव है। पुलिस ने बताया कि चोट की प्रकृति का पता अभी नहीं चल पाया है। उसकी हालत के बारे में तुरंत जानकारी नहीं मिल पाई। पुलिस के अनुसार किसी भी प्रत्यक्षदर्शी से संपर्क नहीं हो सका और घटनास्थल पर कोई सीसीटीवी कैमरा नहीं मिला।

'पब्लिक सर्विस डिलीवरी में पारदर्शिता, जवाबदेही और क्षमता होगी मजबूत'

नई दिल्ली। हमारी सरकार पूरी दिल्ली में पब्लिक सर्विस डिलीवरी में पारदर्शिता, जवाबदेही और क्षमता को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह बात सोमवार का दिल्ली के सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री डॉक्टर पंकज कुमार सिंह ने सचिवालय में आयोजित एक बैठक में कही। गौरतलब है कि सोमवार को आईटी मंत्री डॉ. पंकज ने सचिवालय में दिल्ली (नागरिकों को समय पर सर्विस प्राप्त करने का अधिकार) एक्ट, 2011 के तहत सिस्टम-आधारित ऑटो-अपील मैकेनिज्म को शुरू करने और उसे और ज्यादा मजबूत बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक के दौरान दिल्ली आरटीएस एक्ट के मौजूदा फ्रेमवर्क की बारीकी से समीक्षा की गई। वर्तमान में इस एक्ट के तहत 537 सर्विसेज़ नोटिफाई की गई हैं।

जेएनयू में कुलपति के खिलाफ हिंसक हुआ प्रदर्शन

दो छात्र संगठनों के बीच झड़प में कई घायल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) परिसर में रविवार देर रात एक विरोध मार्च के दौरान वामपंथी और दक्षिणपंथी रुझान वाले दो छात्र संगठनों के बीच हिंसक झड़प में कई छात्र घायल हो गए। दोनों समूहों ने हिंसा के लिए एक-दूसरे को जिम्मेदार ठहराया। वहीं, विश्वविद्यालय प्रशासन ने परिसर में किसी भी तरह के अराजक व्यवहार के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की चेतावनी दी।

जेएनयू परिसर में सोमवार देर रात करीब 1:30 बजे कुलपति के खिलाफ प्रदर्शन के हिंसक रूप अख्तियार करने के बाद स्थिति तनावपूर्ण हो गई। वामपंथी रुझान वाले जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय छात्र संघ (जेएनयूएसयू) ने कुलपति शांतिश्री धुलिपुडी पंडित के इस्तीफे और एक निष्कासन आदेश को रद्द करने की मांग को लेकर रविवार रात को पूर्वी गेट की ओर 'समता जुलूस' निकालने का आह्वान किया था। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि प्रशासन ने मार्च में शामिल छात्रों से संवाद के बजाय अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के सदस्यों को उनसे भिड़ने दिया। हालांकि, एबीवीपी ने आरोपों को खारिज किया और वाम समर्थित संगठनों पर झड़पों को भड़काने तथा घटना के बारे में गलत सूचना फैलाने का आरोप लगाया। पंडित ने हाल ही में एक साक्षात्कार में कहा था कि समुदाय लगातार पीड़ित बने रहकर या पीड़ित होने का नाटक करके प्रगति नहीं कर सकते, जिसे लेकर विवाद खड़ा हो गया। जेएनयूएसयू ने पंडित की टिप्पणियों को जातिवादी और हाशिये पर पड़े समुदायों के प्रति असंवेदनशील बताया है। वाम सर्थित छात्र संगठनों की ओर से साझा किए गए वीडियो में नकाबपोश लोगों को परिसर में पथराव करते हुए देखा जा सकता है।

बजट में घोषित सभी योजनाओं पर किया जाए जल्द कार्य : सत्या

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम के बजट में घोषित सभी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। दिल्ली नगर निगम की स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा ने बैठक की अध्यक्षता करते हुए अधिकारियों को उक्त निर्देश दिए। बैठक में स्थायी समिति सदस्यों ने सफाई व्यवस्था, आवारा पशुओं की समस्या, पार्कों के रखरखाव, सार्वजनिक शौचालयों की स्थिति, प्रदूषण नियंत्रण उपायों तथा सामुदायिक भवनों के अधिकतम उपयोग जैसे मुद्दों पर गंभीर विचार-विमर्श किया।

बैठक में सुंदर सिंह तंवर, शिखा, राजपाल सिंह, अंजू अमन, रमिंद्र कौर, इंद्रजीत सहरावत, राफिया ने कई मामलों पर चर्चा की। बता दें कि सोमवार को आयोजित बैठक में नागरिक सुविधाओं से संबंधित अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई और बैठक में नागरिक हित से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किए गए। बैठक में उपस्थित पार्षदों द्वारा दिए गए सुझावों पर समिति ने विस्तार से चर्चा की तथा संबंधित अधिकारियों को ठोस, समयबद्ध और परिणाम-आधारित कार्रवाई सुनिश्चित करने के स्पष्ट निर्देश दिए। बैठक में स्थायी समिति अध्यक्ष ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए पारित बजट में दिल्ली को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने, नागरिक समस्याओं के त्वरित समाधान, जन सुविधाओं के विस्तार और सतत विकास हेतु अनेक महत्वपूर्ण योजनाओं की घोषणा की गई है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि बजट में घोषित सभी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। जिन योजनाओं के लिए टेंडर प्रक्रिया आवश्यक नहीं है, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर तत्काल प्रारंभ किया जाए।

सप्ताह में एक बार स्वच्छता अभियान अवश्य चलाएं: इंद्राज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

नींव का पत्थर बनिए। जहां भी रहें, सप्ताह में एक बार स्वच्छता अभियान अवश्य चलाइए। केवल मंच सजाने से परिवर्तन नहीं होगा, बल्कि आपके प्रयास और परिश्रम से ही समाज बदलेगा। यह आह्वान सोमवार को दिल्ली के समाज कल्याण विभाग मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह ने संत गाडगे महाराज की जयंती पर दिल्ली सचिवालय में आयोजित भजन-कीर्तन एवं विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम में किया। कार्यक्रम में उनके जीवन, विचारों और समाज सुधार के लिए किए गए कार्यों पर आधारित भावपूर्ण भजनों और नाट्य मंचन ने उपस्थित जनसमूह को गहराई से प्रभावित किया। कार्यक्रम की शुरुआत संत गाडगे महाराज के जीवन पर आधारित भजनों से हुई, जिनमें स्वच्छता, शिक्षा, समानता और अंधविश्वास के विरुद्ध उनके संघर्ष को सजीव रूप में प्रस्तुत किया गया। कलाकारों ने कीर्तन के माध्यम से दर्शाया कि किस प्रकार वे गांव-गांव जाकर लोगों को निर्जीव जानवरों की बलि न देने, गंदगी से दूर रहने और समाज में समरसता स्थापित करने का संदेश देते थे। मंचन में यह भी प्रभावशाली ढंग से दिखाया गया कि हैजा जैसी बीमारियों को स्वच्छता से रोका जा सकता है तथा किस प्रकार उनकी स्वच्छता की अलख एक व्यापक जनजागरण में परिवर्तित हुई।

सिगरेट न देने पर किशोर की चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर हत्या

नई दिल्ली। आउटर जिले के मंगोलपुरी थाना इलाके में रविवार रात सिगरेट न देने पर बदमाशों ने पुलिस बूथ से महज 30 मीटर की दूरी पर 17 वर्षीय किशोर की चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर हत्या कर दी। मृतक की पहचान लालू के रूप में हुई है। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर वारदात के कुछ ही घंटे बाद तीन नाबालिग आरोपियों को पकड़ लिया है। पूछताछ के दौरान एक आरोपी ने चाकू अपने दोस्त से लेने की बात कबूली है। पुलिस उसकी तलाश में छापेमारी कर रही है। पुलिस के अनुसार रविवार रात करीब नौ बजे मंगोलपुरी बी ब्लाक स्थित पार्क में किशोर लघुशंका करने गया था। इसी दौरान आरोपियों ने किशोर से सिगरेट मांगी। सिगरेट को लेकर उनके बीच विवाद हो गया। किशोर पर चाकू से हमला कर आरोपी फरार हो गये। सूचना मिलने के बाद लालू के भाई मौके पर पहुंचे, जहां किशोर खून से लथपथ पड़ा था। उसे तुरंत पास के संजय गांधी अस्पताल लेकर गए, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। लालू मूलरूप से बिहार के जिला सीतामढ़ी जिले के मननपुर गांव का रहने वाला था। परिवार में माता-पिता, दो भाई और एक बहन है। लालू के ममेरे भाई मनजेश ने बताया कि लालू 15 दिन पहले ही सीतामढ़ी से मंगोलपुरी बी ब्लॉक स्थित उनके घर पर घूमने के लिए आया था। मंजेश ने बताया कि मंगोलपुरी लाल बत्ती पर उनकी चाय की दुकान है। वह उसके पास ही काम करता था। रात को वह पार्क में लघुशंका के लिए गया था। इसी दौरान उसकी हत्या कर दी गई।

'अवन राणा ने परीक्षा में द्वितीय रैंक हासिल कर बढ़ाया समाज का मान'

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

पूर्व उपमहापौर व कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रवीण राणा ने कहा है कि दिल्ली देहात के बिजवासन गांव के अवन राणा ने पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट की परीक्षा में द्वितीय रैंक हासिल कर नया इतिहास रचते हुए पूरे समाज व बिजवासन का मान बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली देहात के गांव बिजवासन के निवासी अवन राणा ने साबित किया है कि प्रतिभा किसी की मौहताज नहीं होती। समाज व बिजवासन का नाम रोशन करने वाले अवन राणा को समाज व बिजवासन गांव की तरफ से बिजवासन गौरव सम्मान से सम्मानित करते हुए पूरा गांव खुद को सम्मानित मानता है। सम्मान समारोह में अवन राणा को बिजवासन पंचायत की तरफ फूल माला, धन, ताम्रपत्र और पगड़ी पहनाकर जोर शोर से सम्मानित किया। मौके पर मौजूद ग्राम वासियों ने अवन राणा को आशीर्वाद देते हुए कहा कि वह संविधान के अनुरूप गरीब-अमीर के भेदभाव से ऊपर उठकर ईमानदारी और निर्भीकता से न्याय करेंगे। हम भगवान से प्रार्थना करते है कि वह उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश तक पहुंचें। यह समारोह सभी युवाओं, विशेषकर छात्र-छात्राओं के लिए प्रेरणास्रोत बनेगा। जानकारी अनुसार अवन राणा ने दिल्ली विश्वविद्यालय से कानून की शिक्षा प्राप्त की और दिल्ली की विभिन्न जिला अदालतों, विशेषकर द्वारका कोर्ट में वकालत की प्रैक्टिस की।

एलजी ने दी पुलिस में पुरुष कांस्टेबल के 20 प्रतिशत पद अग्निवीर के लिए आरक्षित प्रस्ताव को मंजूरी

नई दिल्ली। उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने एक महत्वपूर्ण फैसला लेते हुए दिल्ली पुलिस में पुरुष कांस्टेबल (एग्जीक्यूटिव) के 20 प्रतिशत पद अग्निवीर के लिए आरक्षित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। एलजी की मंजूरी के बाद अब भविष्य में पूर्व अग्निवीरों के लिए आयु में तीन वर्ष तथा शारीरिक दक्षता परीक्षा में छूट, पहले बैच में अग्निवीरों को आयु में पांच वर्ष की छूट मिलेगी। इसके लिए एलजी सक्सेना ने दिल्ली पुलिस (नियुक्ति एवं भर्ती) नियम, 1980 के नियम 9 में, अग्निवीरों के लिए संशोधन को मंजूरी दी है। लोक निवास सचिवालय से मिली जानकारी के अनुसार प्रस्ताव के तहत पूर्व अग्निवीरों के लिए आयु में तीन वर्ष तथा शारीरिक दक्षता परीक्षा में छूट दी जाएगी। जबकि पहले बैच में अग्निवीरों को आयु में पांच वर्ष की छूट मिलेगी। सचिवालय के अनुसार एलजी सक्सेना ने दिल्ली पुलिस (नियुक्ति एवं भर्ती) नियम 1980, के नियम 9 में संशोधन को मंजूरी दे दी है, जिससे इसमें पूर्व अग्निवीरों की पुरुष कांस्टेबल (एग्जीक्यूटिव) पद पर भर्ती का प्रावधान शामिल किया जा सकेगा। इसके अतिरिक्त, उन्हें शारीरिक दक्षता परीक्षा से छूट और निर्धारित अधिकतम आयु सीमा में 3 वर्ष की छूट प्रदान की जाएगी। इसके अलावा अग्निवीर योजना के प्रथम बैच के अभ्यर्थियों को निर्धारित अधिकतम आयु सीमा 25 वर्ष में 5 वर्ष तक की छूट दी जाएगी।

फैक्टरी मालिक की चाकू से गोदकर हत्या, तीन अरेस्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

नरेला औद्योगिक क्षेत्र में काम से संबंधित विवाद के बाद 28 वर्षीय फैक्टरी मालिक की फैक्ट्री के ही कर्मचारियों ने कथित रूप से चाकू मारकर हत्या कर दी। यह घटना 20 फरवरी को रात करीब 8.30 बजे सामने आई थी। पुलिस ने कार्रवाई करते हुये तीन लोगों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार चौधरी एंटरप्राइजेज नामक इकाई के सह-मालिक रवि अपनी फैक्टरी से मोटर साइकिल पर निकल रहे थे। पुलिस ने बताया कि हमलावरों के एक समूह ने रवि को घेर लिया और चाकू से उस पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया, जिससे उसकी गर्दन, कंधे और पीठ पर कई जख्म हो गये। उसे तुरंत नरेला के अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के भाई की तहरीर पर प्राथमिकी दर्ज कर एक टीम का गठन किया गया था। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि हत्या से एक दिन पहले रवि का राहिद उर्फ राहिल नामक एक मजदूर के साथ काम से संबंधित निर्देशों को लेकर झगड़ा हुआ था। पुलिस ने बताया कि बहस के दौरान रवि ने राहिद को थप्पड़ मारा था, जिसके कारण रंजिश की शुरुआत हुई। टीम ने संदिग्धों की पहचान कर उनका पीछा किया। 22 फरवरी को पुलिस ने तीन लोगों रितिक (18), अभय (19) और 17 वर्षीय लड़के को पकड़ लिया।

बुध विहार की घटना, पेट में चाकू मारकर युवक की हत्या

नई दिल्ली। रोहिणी जिले के बुध विहार थाना क्षेत्र में 25 वर्षीय युवक की हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान राजा उर्फ मंगल सिंह (25) निवासी शाहबाद डेयरी के रूप में हुई है। शव मोर्चरी भिजवाया गया है। पुलिस हमलावरों की पहचान के लिये आसपास के इलाके में लगे कैमरों के फुटेज खंगाल रही है। पुलिस के अनुसार रविवार और सोमवार की दरमियानी रात बुध विहार थाने में एक पीसीआर कॉल आई, जिसमें बताया गया कि सेक्टर-24, रोहिणी जेजे कॉलोनी में एक लड़के के पेट में चाकू मारा गया है। पूछताछ करने पर पता चला कि राजा को डी-218, जेजे कॉलोनी के पास चाकू मारा गया था। उसे पीसीआर से बाबा साहेब अंबेडकर हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जिला क्राइम टीम ने भी घटना वाली जगह पहुंचकर साक्ष्य एकत्र किये। पुलिस केस दर्ज कर आरोपियों की पहचान का दावा कर रही है। आरोपियों को जल्द पकड़ने के लिए कई टीमें लगाई गई हैं। पुलिस का कहना है कि 20 फरवरी को मृतक और एक आरोपी के बीच मामूली झगड़ा हुआ था, जिसमें आरोपी को कथित तौर पर पीटा गया था और उसकी स्कूटी को भी नुकसान पहुंचाया गया था। तब से आरोपी कथित तौर पर बदला लेने की कोशिश कर रहे थे।

नौ करोड़ की ड्रग्स बरामद, प्रतिबंधित दवाओं को विदेश भेजते थे

अंतरराष्ट्रीय ड्रग गिरोह का भंडाफोड़, पांच गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

क्राइम ब्रांच ने ब्रिटेन से कथित तौर पर जुड़े एक अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ किया है। इस कार्रवाई में नौ करोड़ रुपये कीमत की 18 लाख से अधिक ड्रग्स की टैबलेट जब्त की हैं। मामले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है और जांच में एक संगठित ड्रग्स तस्करी गिरोह का पता चला जो लॉजिस्टिक कंपनियों, कूरियर सेवाओं और निर्यात के सामान के जरिए प्रतिबंधित दवाइयों को विदेश भेजता था।

डीसीपी विक्रम सिंह के अनुसार यह मामला पिछले साल सात अक्टूबर का है, जब क्राइम ब्रांच की एक टीम ने विशेष सूचना के आधार पर सरिता विहार में जाल बिछा मोहम्मद आबिद (50) को गिरफ्तार किया था। उसके पास से 14.472 किलोग्राम वजन की ट्रामाडोल हाइड्रोक्लोराइड की 54 हजार गोलियां बरामद हुई थी। एफआईआर दर्ज कर आगे की जांच शुरू की गई तो पूछताछ के दौरान पुलिस को गिरोह की आपूर्ति श्रृंखला के बारे में पता चला। आबिद ने बताया कि जब्त गोलियां अपने रिश्तेदार के दामाद जावेद खान से लेता था। खान को 30 अक्टूबर को गिरफ्तार किया गया था।

पूछताछ के दौरान उसने समालखा स्थित प्रहलाद लॉजिस्टिक्स के मालिक सुनील कुमार का नाम लिया। सुनील कुमार को पिछले साल दो नवंबर को गिरफ्तार किया गया और उसने विष्णु दत्त शर्मा का नाम आपूर्तिकर्ता के रूप में बताया। निर्यातक के रूप में काम करने वाले विष्णु दत्त शर्मा को भी दो नवंबर को गिरफ्तार कर लिया था। उसने विकास सिंह उर्फ ईश्वर सिंह और टीसी सेदाना से अपने संबंधों का खुलासा किया। विकास सिंह को छह नवंबर को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने बताया कि एक अन्य सहयोगी नौशाद उर्फ बबलू को भगोड़ा घोषित करने की प्रक्रिया चल रही है। पुलिस ने यह भी खुलासा किया कि शर्मा ने घरेलू सामान की आड़ में एक कंटेनर ब्रिटेन भेजा था, जिसमें ट्रामाडोल और अन्य प्रतिबंधित गोलियों के 32 बक्से छिपाए गए थे। यह सूचना मिलते ही क्राइम ब्रांच ने सीमा शुल्क अधिकारियों से समन्वय किया और सुनिश्चित किया कि खेप को जब्त कर लिया जाए। यह खेप ब्रिटेन नहीं पहुंची और इसे भारत वापस भेज दिया गया। डीसीपी सिंह ने बताया कि कंटेनर गुजरात के मुंद्रा बंदरगाह के टी-3 टर्मिनल पर पहुंचा और 16 फरवरी को पुलिस, ड्रग इंस्पेक्टर, एफएसएल टीम और सीमा शुल्क एसआईटी की उपस्थिति में मुंद्रा बंदरगाह के गोदाम पर संयुक्त रूप से छापा मारा।

छापेमारी के दौरान, ड्रग्स एक बड़ी खेप बरामद की गई और उचित कानूनी प्रक्रिया का पालन करते हुए उसे जब्त कर लिया गया। पुलिस के अनुसार अल्प्राजोलम, ट्रामाडोल, जोल्पीडेम और नाइट्राजेपाम की कुल 18,47,400 गोलियों की बरामदगी हुई, जिनका कुल वजन 528.402 किलो है। पुलिस की जांच अभी जारी है।

बम धमकियों के बाद दिल्ली के प्रमुख स्थलों पर बढ़ाई गई सुरक्षा

नई दिल्ली। ईमेल के माध्यम से बम की धमकी मिलने के बाद दिल्ली भर के सभी मेट्रो स्टेशनों और प्रमुख स्थानों पर सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। दिल्ली सचिवालय, दिल्ली विधानसभा, लाल किला और दो स्कूलों सहित कई संस्थानों को सोमवार को बम से संबंधित धमकी वाले ईमेल मिले और सुरक्षा एजेंसियों द्वारा व्यापक तलाशी के बाद इन्हें फर्जी घोषित कर दिया गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, हमारी साइबर टीमें उन आईपी एड्रेस का पता लगाने की कोशिश कर रही हैं जिनका इस्तेमाल करके कुछ बदमाश बम से संबंधित धमकी दे रहे हैं। ऐसे अपराधी पुलिस जांच को गुमराह करने के लिए 'वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क' (वीपीएन) का उपयोग करके ईमेल भेज रहे हैं। लेकिन हमारे विशेषज्ञ आरोपियों का पता लगा लेंगे। अधिकारी ने कहा कि बम की धमकियां मिलने के बाद पुलिस ने दिल्ली मेट्रो स्टेशनों सहित सभी महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है।

सिटी प्रेस क्लब का 12वां होली मिलन समारोह, फूलों की होली में झूमे शहरवासी

हरिभूमि न्यूज ▶▶फरीदाबाद

होली और फाग के उपलक्ष्य में रविवार को सेक्टर-10 स्थित होटल समर ग्रैंड बैंक्वेट में सिटी प्रेस क्लब फरीदाबाद द्वारा 12वें होली मिलन समारोह एवं फूलों की होली का भव्य आयोजन किया गया। समारोह में हरियाणा सरकार के मंत्री विपुल गोयल और राजेश नागर ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की।

शहर की मेयर प्रवीण बत्रा जोशी, हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह सहित भाजपा विधायक मूलचंद शर्मा, धनेश अदलखा, सतीश फागना, पूर्व उपमहापौर देवेंद्र चौधरी, पूर्व मेयर मनमोहन गर्ग, कांग्रेस विधायक रघुवीर तेवतिया, निगम कमिश्नर धीरेंद्र खड़गटा, पूर्व शिक्षा मंत्री सीमा त्रिखा, शिक्षाविद सुरेश चंद्रा, रमेश डागर, सीवी सिंह, विनय गोयल, उद्योगपति बीआर भाटिया, एचके बतरा, रोहित रूंगटा, पंकज गर्ग, मनमोहन गुप्ता, आशीष जैन, अभिषेक जैन, नेताओं में पूर्व विधायक ललित नागर, लखन सिंगला, सुमित गौड़, मनोज अग्रवाल, पंकज अग्रवाल, गोल्डी बरेजा, गोल्डी अरोड़ा, पार्षदों में हरिकिशन गिरोटी, संजीव शर्मा, मार्केट कमेटी बल्लभगढ़ के अध्यक्ष संजीव बैसला, मार्केट कमेटी $फरीदाबाद के अध्यक्ष हैं सुभाष आहूजा, भाजपा नेता राजन मुथरेजा , समाजसेवी अजय नाथ, संदीप चपराना, सहित चिकित्सक और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में फूलों की होली खेली गई और रंग-बिरंगे गुलाल के साथ आपसी भाईचारे का संदेश दिया गया। मुख्य अतिथि विपुल गोयल ने सभी को होली और धुलेंडी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि होली आपसी प्रेम, सौहार्द और भाईचारे का प्रतीक है। इस पर्व पर लोगों का उत्साह और उमंग देखते ही बनता है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन समाज को जोड़ने का कार्य करते हैं।

होली का पर्व जागरूकता का संदेश देता है

राजेश नागर ने अपने संबोधन में कहा कि होली का पर्व सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ जागरूकता का संदेश भी देता है। यह त्योहार प्रेम और सद्भाव के साथ मनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि वे ब्रज की होली से अत्यंत प्रभावित हैं, जहां कई दिनों तक उत्सव मनाया जाता है। होली केवल रंगों का उत्सव नहीं, बल्कि सामाजिक बंधनों को मजबूत करने का अवसर भी है।

मंत्रियों ने क्लब के सदस्यों को होली की शुभकामनाएं दीं

दोनों मंत्रियों ने सिटी प्रेस क्लब के सदस्यों को शुभकामनाएं दीं और पिछले 12 वर्षों से लगातार इस प्रकार के आयोजन कर शहर को एक मंच पर जोड़ने के लिए प्रधान बिजेंद्र बंसल और उनकी टीम को बधाई दी। समारोह में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने भी समां बांधा। अंत में आयोजकों ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर क्लब के अन्य पदाधिकारी और संरक्षक भी उपस्थित रहे, जिनमें प्रधान बिजेन्द्र बंसल, कार्यकारी प्रधान नवीन धमीजा, महासचिव राजेश शर्मा, कोषाध्यक्ष मनोज मंडल, संरक्षक उत्तमराज, राकेश चोरासिया, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुशील भाटिया, पीएस माटा, संजय कपूर, दीपक गौतम, सचिन गौड़, अनिल अरोड़ा, राजेश दास, धीरेन्द्र राजपूत, ओमप्रकाश पांचाल, राजेश पुंजानी, संजय चतुर्वेदी, दयाराम वशिष्ठ, दुष्यंत त्यागी, महावीर खंडेलवाल, कविता, राधिका, अनुराग, मनीश शर्मा, संजय शर्मा और अन्य वरिष्ठ पत्रकार शामिल थे।

खबर संक्षेप

लिमिट बढ़ाने के नाम पर ठगी, दो गिरफ्तार

फरीदाबाद। क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने का झांसा देकर 56,894 रुपए की ठगी करने के मामले में साइबर थाना सेंट्रल की टीम ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान परमजीत निवासी तिलक विहार, नई दिल्ली तथा हरजीत सैनी कादीपुर, दिल्ली हाल झिलमिल कॉलोनी, शाहदरा दिल्ली के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि सराय ख्वाजा निवासी एक व्यक्ति ने शिकायत दी।

डॉ. आर एन सिंह हुए क्षत्रिय संस्कार सम्मान से अलंकृत

फरीदाबाद। यमुना रक्षक दल के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. आर. एन. सिंह को क्षात्र धर्म, संस्कृति और संस्कारों की पुनर्स्थापना एवं उत्थान के लिए किए गए उत्कृष्ट योगदान के सम्मान में क्षत्रिय संस्कार सम्मान से अलंकृत किया गया। यह सम्मान अखिल भारतीय राजपूत एकता मिशन द्वारा पटना स्थित जगजीवन राम संसदीय अध्ययन एवं राजनीतिक शोध संस्थान के सभागार में आयोजित समारोह में प्रदान किया गया।

डॉ. विमलप्रकाश गौतम मातृभाषा रत्न से सम्मानित

फरीदाबाद। पंडित जवाहरलाल नेहरू राजकीय महाविद्यालय में कार्यरत बहुमुखी प्रतिभा के धनी एसोसिएट प्रोफेसर, शारीरिक शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष एवं प्रख्यात कवि डॉ. विमलप्रकाश गौतम को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मातृभाषा रत्न सम्मान से अलंकृत किया गया है। उनकी इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर महाविद्यालय की प्राचार्या एवं समस्त महाविद्यालय परिवार ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

गाजियाबाद पर सबसे बड़ी चार पहिया वाहनों के लिए पार्किंग बनाई

दिल्ली-मेरठ नमो भारत कॉरिडोर पर आठ सौ वाहनों के लिए पार्किंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶गाजियाबाद

खास बातें

- 370 चार पहिया और 632 दुपहिया वाहन पार्क किए जा सकेंगे
- साहिबाबाद स्टेशन पर 76 कारें और 223 दुपहिया वाहनों को पार्क कर सकेंगे

यात्री सुविधा नमो भारत की मुख्य रूपरेखा है। एनसीआरटीसी ने यात्रियों के लिए निर्बाध और आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए कई पहल शुरू की हैं। सार्वजनिक परिवहन के उपयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एनसीआरटीसी ने इस कॉरिडोर के स्टेशनों पर 8,000 से अधिक वाहनों के लिए पार्किंग की सुविधा उपलब्ध कराई है।

एनसीआरटी सी के प्रवक्ता पुनीत वत्स ने बताया कि यदि स्टेशन की बात की जाए तो गाजियाबाद पर सबसे बड़ी (चारपहिया वाहनों के लिए) पार्किंग बनाई गई है। इस स्टेशन पर 370 चारपहिया और 632 दुपहिया वाहन पार्क किए जा सकते हैं। ये स्टेशन दिल्ली-मेरठ रोड पर है, जिसके पास ही दिल्ली मेट्रो का शहीद स्थल मेट्रो स्टेशन है। इसके अलावा साहिबाबाद स्टेशन पर 76 कारें और 223 दुपहिया वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था है। राजनगर एक्सटेंशन के नजदीक बने गुलधर स्टेशन पर 191 कारें और 848 दुपहिया वाहन पार्क किए जा सकते हैं।

दिल्ली में सराय काले खां नमो भारत स्टेशन पर 266 कारें और 837 दुपहिया वाहनों की पार्किंग उपलब्ध हैं। ये स्टेशन मल्टी-मोडल इंटीग्रेशन का एक बेहतरीन उदाहरण है जहां वीर हकीकत राय आईएसबीटी और मेट्रो स्टेशन के अलावा हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन भी है। दिल्ली के आनंद विहार स्टेशन पर भी करीब 50 वाहनों के पार्किंग की व्यवस्था है।

मेरठ में भी स्टेशनों पर पार्किंग की व्यवस्था उपलब्ध है। मेरठ साउथ स्टेशन की पार्किंग में 289 चारपहिया और 854 दुपहिया वाहन खड़े किए जा सकते हैं। ये स्टेशन परतापुर बाईपास के नजदीक बना है और इसके पास से ही हरिद्वार एवं रुड़की की बसें उपलब्ध हैं। मेरठ के मोदीपुरम स्टेशन पर 135 से अधिक कारें और 1,200 से अधिक दुपहिया वाहनों की पार्किंग की जा सकती है। शताब्दी नगर स्टेशन पर भी करीब 120 कारें और 350 से अधिक दुपहिया वाहन पार्क किए जा सकते हैं।

देश की सबसे तेज मेरठ मेट्रो 12 स्टेशनों के बीच दौड़ रही है। परतापुर मेट्रो स्टेशन पर करीब 160 दुपहिया वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था है। रिठानी मेट्रो स्टेशन पर भी करीब 80 दुपहिया वाहनों की पार्किंग की जा सकती है। ब्रह्मपुरी मेट्रो स्टेशन पर 100 से अधिक दुपहिया वाहनो की पार्किंग की जा सकती है। एमईएस कॉलोनी मेट्रो स्टेशन पर भी 60 से अधिक जबकि डौरली स्टेशन पर तकरीबन 100 दुपहिया वाहनों की पार्किंग हो सकती है। कई स्टेशनों पर पार्किंग के लिए जगह पर्याप्त उपलब्ध नहीं होने के कारण लोग आसपास की प्राइवेट पार्किंग का इस्तेमाल कर सकते हैं, जैसे बेगमपुल अंडरग्राउंड नमो भारत स्टेशन के लिए अबु लेन मार्किट में अपने वाहन पार्क किए जा सकते हैं। प्रत्येक स्टेशन पर एनसीआरटीसी ने ड्रॉप ऑफ जोन भी बनाए हैं, ताकि लोगों को स्टेशन के एंट्री-एग्जिट तक पहुंचने में किसी तरह की परेशानी ना हो और मुख्य सड़क पर भी जाम ना लगे। लोग लास्ट माइल कनेक्टिविटी का उपयोग करके जैसे ई-रिक्शा, ऑटो रिक्शा, बस या आदि साधनों के जरिए स्टेशन के ड्रॉप ऑफ जोन तक पहुंच सकते हैं।

ये हैं पार्किंग दर

वत्स ने बताया कि उत्तर प्रदेश में सभी स्टेशनों पर साइकिल के लिए 10 मिनट से 6 घंटों के लिए 5 रुपये, दुपहिया वाहनों के लिए 10 रुपए और कारों/एसयूवी के लिए 30 रुपए लगते हैं। 6 से 12 घंटे के लिए दुपहिया वाहनों के 25 रुपये और कारों/एसयूवी के 60 रुपए लगते हैं। 12 से 16 घंटों के लिए साइकिल 10 रुपए और दुपहिया वाहनों के लिए 30 रुपए की दर है। कारों/एसयूवी के लिए 80 रुपए लगते हैं। 16 घंटों से लेकर दिन के परिचालन समय के दौरान तक साइकिल के 10 रुपए, दुपहिया वाहनों के 30 रुपए और कारों/एसयूवी के लिए 100 रुपए लगते हैं। वहीं, दिल्ली में 10 मिनट से लेकर अगले 6 घंटों के लिए साइकिल के 5 रुपए, दुपहिया वाहनों के 20 और कारों/एसयूवी के लिए 50 रुपए लगते हैं। इसके अलावा 16 घंटों से परिचालन समय तक के दुपहिया वाहनों के 50 रुपए तथा कारों/एसयूवी के लिए 100 रुपए की दर तय की गई है।

तीन मंजिला भवन के प्रथम तल पर आग

गारमेंट फैक्टरी में भीषण आग लाखों का माल जलकर खाक

हरिभूमि न्यूज ▶▶गाजियाबाद

ट्रॉनिका सिटी इंडस्ट्रियल एरिया के सेक्टर ए-1 में संचालित एक गारमेंट फैक्टरी में सोमवार को आग लग गई। जिसमें लाखों रुपए का माल जलकर राख हो गया। मुख्य अग्निशमन अधिकारी राहुल पाल ने बताया कि सोमवार को समय 11:20 बजे ट्रॉनिका सिटी इंडस्ट्रियल एरिया के सेक्टर ए-1 में प्लॉट नंबर I-29 पर संचालित एक फैक्ट्री में आग लगने की सूचना प्राप्त हुई। सूचना प्राप्त होते ही तत्काल 3 फायर टेंडर मय फायर सर्विस यूनिट्स ट्रॉनिका सिटी (लोनी) फायर स्टेशन से घटनास्थल के लिए रवाना हुए। फायर सर्विस यूनिट्स ने मौके पर पहुंचकर देखा कि आग 500 वर्ग मीटर के भूखंड पर निर्मित रेडीमेड गारमेंट्स की फैक्ट्री के तीन मंजिला भवन में प्रथम तल पर लगी हुई है और अत्यधिक मात्रा में धुंआ निकल रहा है।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्‌घोषणा

धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता–2023 देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **प्रकाश कल्लू, पुत्रः ओम प्रकाश, पताः म.नं. डी–508, के–ब्लॉक, मेट्रो अपार्टमेंट के सामने, जहांगीर पुरी, दिल्ली** ने **FIR No. 1) 431/2017, U/s 354/509/323/506 IPC & 12 POCSO, 2) 521/2016, U/s 354/354A IPC & 8 POCSO, पुलिस थाना जहांगीर पुरी, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **प्रकाश कल्लू** मिल नहीं रही है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **प्रकाश कल्लू** फरार हो गई है (या उक्त वारंट कि तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रही है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्‌घोषणा की जाती है कि **FIR No. 1) 431/2017, U/s 354/509/323/506 IPC & 12 POCSO, 2) 521/2016, U/s 354/354A IPC & 8 POCSO, पुलिस थाना जहांगीर पुरी, दिल्ली** के अभियुक्त **प्रकाश कल्लू** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **27.03.2026** या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार – श्री अमित सहरावत
अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश–01, पोक्सो, उत्तर जिला
DP/2354/NW/2026 कमरा नं. 306, तीसरी मंजिल, रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

intec CAPITAL LIMITED
Sapne Aapke, Bharosa Apno Ka

इंटेक कैपिटल लिमिटेड
CIN: L74899DL1994PLC057410
पंजी. कार्यालय : 708, मंजूषा बिल्डिंग, 57 नेहरु प्लेस, नई दिल्ली–110019
T.: +91-11-4652200/300; F.: +91-1146522333
Website: www.inteccapital.com, **Email ID:** complianceofficer@inteccapital.com

सूचना
(कम्पनी के इक्विटी शेयरधारकों के ध्यानार्थ)
फिजिकल सिक्योरिटीज के हस्तांतरण और डिमैटीरियलाइजेशन के लिए स्पेशल विंडो

सेबी सरकुलर नं. HO/38/13/11(2)2026-MIRSD-POD/I/3750/2026, दिनांक 30 जनवरी, 2026 ("सेबी सरकुलर"), इंटेक कैपिटल लिमिटेड के प्रतिभूतिधारकों/निवेशकों को एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि फिजिकल इक्विटी शेयरों के डिमैटीरियलाइजेशन और हस्तांतरण के लिए अन्य स्पेशल विंडो खोली गई है, ऐसे मामलों में जहां हस्तांतरण डीड 01 अप्रैल 2019 से पूर्व निष्पादित की गई थी, और :

(ए) ऐसी प्रतिभूतियों के हस्तांतरण के लिए आग्रह दायर नहीं किए गए थे।

(बी) हस्तांतरण आग्रह दायर किए गए थे परन्तु आग्रह को दस्तावेजों, प्रक्रिया में कमी अथवा अन्यथा की वजह से निरस्त कर दिया, लौटा दिये गये अथवा अटैंड नहीं किए गए।

स्पेशल विंडो एक वर्ष की अवधि के लिए अर्थात 05 फरवरी, 2026 से 04 फरवरी, 2027 तक खुली रहेगी। इस अवधि के दौरान प्राप्त सभी पात्र आग्रह को केवल डिमैटीरियलाइज्ड मोड में प्रोसेस किया जाएगा और हस्तांतरण के पंजीकरण की तिथि से 1 (एक) वर्ष की अवधि के लिए लॉक-इन के अधीन होंगे।

उपरोक्त सरकुलर के अनुसार, 01 अप्रैल, 2019 से पूर्व निष्पादित वैध हस्तांतरण डीड्सधारक पात्र शेयरधारक अपने आग्रह, के साथ-साथ अपेक्षित दस्तावेजों का एक पूर्ण सैट कम्पनी के रजिस्ट्रार एवं शेयर ट्रांसफर एजेंट को नीचे दिये गये पते पर जमा करवा सकते हैं :

नाम : बीटल फाइनेंशियल एंड कंप्यूटर सर्विसेज प्रा. लि.
पताः बीटल हाउस, तृतीय तल
99, मदनगीर, एलएससी के पीछे, नई दिल्ली–110062
फोन : 011-42959000-09, 011-29961281-283, 26051061, 26051064
वेबसाइटः www.beetalfinancial.com

वैकल्पिक रूप से, शेयरधारक complianceofficer@inteccapital.com पर हमसे संपर्क कर सकते हैं।

पंजीकृत कार्यालय :
इंटेक कैपिटल लिमिटेड
(CIN: L74899DL1994PLC057410)
708, मंजूषा बिल्डिंग 57,
नेहरू प्लेस, नई दिल्ली–11001
नई दिल्ली
23 फरवरी, 2026

निदेशक मंडल के आदेशानुसार
कृते इंटेक कैपिटल लिमिटेड
हस्ता/-
(निहारिका गुप्ता)
कंपनी सचिव एवं अनुपालन अधिकारी

श्री राम के चरित्र का अनुसरण करने का आह्वान

इस्माइलपुर के गोविंद सिंह नगर में हिंदू सम्मेलन का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶फरीदाबाद

इस्माइलपुर स्थित गोविंद सिंह नगर में हिंदू सम्मेलन का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। डॉ. बांके बिहारी गुप्ता और सहीराम के सहयोग तथा कार्यकर्ताओं के अथक प्रयासों से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। सम्मेलन में विभिन्न वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त करते हुए हिंदू एकता और सामाजिक समरसता पर बल दिया। सामाजिक कार्यकर्ता, शिक्षक एवं शास्त्र ज्ञाता पूनम मिश्रा ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि समाज में कोई छोटा या बड़ा नहीं होता, सभी समान हैं। श्री राम के जीवन का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि प्रभु श्री राम ने कार्य की क्षमता नहीं, बल्कि भावना को महत्व दिया गिलहरी के छोटे से प्रयास को भी महान बताया।

रोडरेज में रिटायर्ड फौजी पर हमला करने के पांच आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶गुरुग्राम

सेक्टर-50 थाना एरिया में हुई रोडरेज में रिटायर्ड फौजी पर हमला करने के मामले में पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने मारपीट करने के अलावा रिटायर्ड फौजी के अपहरण करने का भी प्रयास भी किया और यूपीआई के जरिए 30 हजार रुपए भी ट्रांसफर करा लिए।, रिटायर्ड फौजी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह 21 फरवरी की रात को सेक्टर-5 से सेक्टर-60 जा रहा था। वाटिका चौक से फरीदाबाद रोड पर इसकी कार एक अन्य कार से टच हो गई। जब वह गाड़ी देखने के लिए दरवाजा खोलने लगा तो दूसरी गाड़ी में से कुछ युवक आए। वे रिटायर्ड फौजी को उसकी गाड़ी से बाहर खींचने लगे और मारपीट करने लगे। युवकों ने इसको गाड़ी से बाहर नीचे गिरा दिया और लातों से इसके साथ मारपीट करने लगे तथा बियर की बोतल से इसकी गाड़ी की लाइट व शीशे तोड़ दिए। इसके बाद रिटायर्ड फौजी को गाड़ी में बैठाकर कहीं और ले जाने का प्रयास करने लगे। लेकिन उसकी गाड़ी उन लोगों से नहीं चली। इसके बाद उन्होंने वहीं पर गाड़ी में हुए नुकसान की भरपाई के लिए इससे 30 हजार रुपए यूपीआई से ट्रांसफर करवा लिए।

कार्यालय पुलिस उपायुक्त, मुख्यालय सोनीपत।

मु.न. 116 दिनांक 17.02.2026 धारा 140(3) बी.एन.एस. & 84 जे. जे. एक्ट थाना कुण्ड़ली जिला सोनीपत।

गुमशुदा की पहचान
नाम- कोमल।
पिता का नाम- ज्ञानचन्द ।
पता- वासी गाँव बेवर खजुरिया जिला मैनपुरी उ० प्र० हाल किराएदार मकान बलराम सिंह दादा भैया मन्दिर के पीछे कुण्ड़ली जिला सोनीपत।
उम्र-14 वर्ष
कद-4 फुट।
हुलिया- रंग गेंहुआ, लम्बुतरा चेहरा, काले बाल, काली आँखे, लम्बी गर्दन, पतला शरीर है।
पहनावा - नीले रंग का सूट-सलवार वाली स्कूल ड्रेस, पैरों में जूते पहने हुए है।

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि दिनांक 16.02.2026 को कोमल पुत्री ज्ञानचन्द वासी गाँव बेवर खजुरिया जिला मैनपुरी उ० प्र० हाल किराएदार मकान बलराम सिंह दादा भैया मन्दिर के पीछे कुण्ड़ली जिला सोनीपत हरियाणा बिना किसी को कुछ बताए घर से कहीं चली गई हैं। जो अब तक घर वापिस नहीं आयी है। जिस सम्बंध में मुकदमा उपरोक्त दर्ज रजिस्टर है। अगर उपरोक्त गुमशुदगी बारे किसी व्यक्ति को कोई सूचना मिले तो निम्नलिखित नम्बरों पर सूचित करे।
प्रबन्धक थाना - 7419410537
अनुसंधानकर्ता मो0 न0 - 9416171519
कन्ट्रोल रुम सोनीपत- 0130-2222903,100

अपराध अभिलेख अधिकारी,
कृते पुलिस उपायुक्त।
मुख्यालय, सोनीपत।

पीआरडीएच-1084/11/4496/2026/43240/88/7 दि. 23.02.26

डिलीवरी के दौरान नवजात की मौत

परिजनों ने अस्पताल स्टाफ पर लगाए गंभीर आरोप, पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार

हरिभूमि न्यूज ▶▶फरीदाबाद

जिले के खेड़ी पुल थाना क्षेत्र में स्थित एक निजी अस्पताल में डिलीवरी के दौरान नवजात शिशु की मौत का मामला सामने आया है। घटना के बाद परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन, डॉक्टर और स्टाफ पर गंभीर लापरवाही और मारपीट के आरोप लगाए हैं। पुलिस ने नवजात के शव को पोस्टमार्टम के लिए बीके अस्पताल भिजवाकर जांच शुरू कर दी है। भूपानी निवासी प्रदीप कुमार ने बताया कि उन्होंने 22 फरवरी को अपनी पत्नी सुषमा को भारत कॉलोनी रोड स्थित एक निजी अस्पताल में प्रसव के लिए भर्ती कराया था। अस्पताल में मौजूद डॉ. अजय ने परिजनों को सामान्य प्रसव (नॉर्मल डिलीवरी) कराने का आश्वासन दिया था। परिजनों का आरोप है कि प्रसव के दौरान उचित देखभाल नहीं की गई और जब बच्चे का जन्म हुआ, तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। परिजनों ने यह भी आरोप लगाया कि डिलीवरी के दौरान डॉक्टरों ने महिला के पेट पर अत्यधिक दबाव डालते हुए जोर-जबरदस्ती की और घूंसे मारकर बच्चे को बाहर निकालने की कोशिश की। उनका कहना है कि इसी कारण गर्भ में ही नवजात की मौत हो गई। साथ ही, अस्पताल स्टाफ पर महिला के साथ मारपीट और अभद्र व्यवहार का आरोप भी लगाया गया है। घटना के बाद अस्पताल परिसर में तनाव की स्थिति बन गई और परिजनों ने जमकर हंगामा किया। मामले की सूचना मिलते ही खेड़ी पुल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। थाना प्रभारी देवेंद्र ने बताया कि परिजनों की शिकायत के आधार पर अस्पताल प्रबंधन और स्टाफ के खिलाफ लापरवाही व मारपीट के आरोपों की जांच की जा रही है।

हरियाणा सरकार — निविदा सूचना

क्र. सं.	विभाग का नाम	कार्य सूचना निविदा का नाम	खुलने की तिथि / बंद होने की तिथि	राशि/ईएमडी (लगभग) रु. में	विभाग की वेबसाइट	नोडल अधिकारी / सम्पर्क विवरण/ई-मेल
1	जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंडी डबवाली	पिपली :- डीआई पाइप लाइन बिछाने और घरेलु कनेक्शन की बहाली और उससे सम्बद्ध अन्य सभी कार्यों हेतु डीएनआईटी, सीएच. हैड :- हस्सु :- गांव हस्सु जिला सिरसा में जलापूर्ति योजना के संवर्धन और वितरण प्रणाली के मजबूतीकरण हेतु आकलन (माननीय मुख्यमंत्री द्वारा जन संवाद के दौरान डिमांड)।	20.02.2026 26.02.2026	4.49 लाख	https://etenders.hry.nic.in	8730000001 ee.mandidabwali@gmail.com
2	सिविल सर्जन अम्बाला	अम्बाला जिले के शहरी क्षेत्र के लिए माइकिंग सहित ई-रिक्शा को किराये पर लेने हेतु अल्प-ई-निविदा सूचना के लिए विज्ञापन।	21.02.2026 26.02.2026		https://etenders.hry.nic.in	171255747 dhs.csamb@hry.nic.in
3	पंचायती राज फरीदाबाद	गांव कुरेशीपुर जी.पी. मादलपुर ब्लॉक फरीदाबाद, जिला फरीदाबाद में सामुदायिक केन्द्र का निर्माण, एचजीवीवाई, सी.एम.।	20.02.2026 27.02.2026	53.70 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9467905067 prexeeng.fbd1@gmail.com
4	पंचायती राज फरीदाबाद	गांव कोट ब्लॉक फरीदाबाद, जिला फरीदाबाद में ड्रेन/नाला का निर्माण (श्यामी के मकान से शमशान घाट वाला रास्ता तक) + 2 कार्य।	20.02.2026 27.02.2026	81.75 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9467905067 prexeeng.fbd1@gmail.com
5	पंचायती राज फरीदाबाद	गांव बिजोपुर ब्लॉक बल्लभगढ़, जिला फरीदाबाद में अपशिष्ट जल की शोधन प्रक्रिया (जीडब्ल्यूएम) और ड्रेन्स का निर्माण + 4 कार्य।	20.02.2026 27.02.2026	211.21 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9467905067 prexeeng.fbd1@gmail.com
6	सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग हरियाणा हिसार	गांव सिंहवा राघो के फिरनी के निकट तालाब का पुनरोद्धार (01HRHSRHS10023SINGW008)।	20.02.2026 26.02.2026	44.57 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9417284563 xenconstdivn7hsr@gmail.com
7	सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग हरियाणा रोहतक	जेएलएन फीडर निकट आरडी 306000/आर के साथ-साथ डिच ड्रेन के अंदर आउटफॉलिंग और पम्प हाउस सहित 500 मिमी डाया एचडीपीई पाइप लाइन के साथ जुड़े हुए गांव मुंदसा में आबादी को बचाने और बाढ़ के पानी को निकालने के लिए आरसीसी एनपी3 पाइप लाइन 900 मिमी डाया को बिछाना।	बंद होने की तिथि 26.02.2026	129.11 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9896410404 xenfdrrtk@gmail.com
8	सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग हरियाणा रोहतक	डीघल लिंक ड्रेन के विभिन्न आरडी पर क्षतिग्रस्त पाइप कल्वर्ट्स को बॉक्स कल्वर्ट्स में बदलना + 2 कार्य।	बंद होने की तिथि 02.03.2026	641.57 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9464040970 xensampla@gmail.com
9	सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग हरियाणा करनाल	यमुना नदी में बाढ़ 2025 के पश्चात आबादी क्षेत्र को बचाने के लिए पुराने स्टोन स्टड नं. के-12 की मरम्मत करके खिराजपुर कॉम्पलैक्स के संरक्षण का प्रावधान।	21.02.2026 27.02.2026	31.39 लाख	https://etenders.hry.nic.in	0184-2258008 xeninddivn@yahoo.in
10	सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग हरियाणा फतेहाबाद	सिरसा मेजर डिस्टी. की सफाई + 2 कार्य।	बंद होने की तिथि 28.02.2026	9.19 लाख	https://etenders.hry.nic.in	1667220105 xenwsdivisionfbd@yahoo.com
11	सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग हरियाणा पंचकूला	जल सेवाएं यांत्रिकी मंडल, रोहतक से सम्बन्धित एचडीपीई पाइप्स 200 मिमी (3000 पाइप्स) की आपूर्ति।	24.02.2026 10.03.2026	90 लाख	https://etenders.hry.nic.in	0172-2582542 xenproc@gmail.com

अधिक जानकारी हेतु कृपया पधारें : www.etenders.hry.nic.in पीआरडीएच-11/2026/220/43259/I/88/7 दि. 23.02.26

खबर संक्षेप

मैं भाग नहीं रहा सामना करूंगा:अविमुक्तेश्वरानंद

वाराणसी। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के खिलाफ बच्चों से यौन शोषण की एफआईआर के

बाद प्रयागराज पुलिस ने जांच तेज कर दी है। पुलिस की एक टीम ने हरदोई में पीड़ित के परिवार का बयान लिया, वहीं दूसरी टीम सोमवार दोपहर वाराणसी पहुंची। टीम शंकराचार्य से पूछताछ कर सकती है। इधर सोमवार सुबह शंकराचार्य ने वाराणसी के आश्रम में वकीलों के साथ बैठक की।

बिना वारंट के आईजी सुनील नायक को किया अरेस्ट

पटना। एक आईजी को अरेस्ट करने हजार किमी से दूर से आई आंध्र प्रदेश की पुलिस दलबल के

साथ पहुंची थी। लेकिन दोपहर होते-होते इस पूरे मामले में आंध्र प्रदेश पुलिस की बड़ी किरकिरी हुई। आंध्र प्रदेश की पुलिस एक पूर्व सांसद को कथित तौर से प्रताड़ित किए जाने के मामले में फायर ब्रिगेड के आईजी सुनील नायक को अरेस्ट करने उनके घर पहुंची लेकिन उसके पास वारंट तक नहीं था।

बेटियों ने चाकू से गला रेतकर की पिता की हत्या

मुजफ्फरनगर। जिले के मोरना में हैरान कर देने वाली वारदात सामने आई है। यहां दो बेटियों ने रविवार

की देर रात चाकू से गर्दन रेत कर पिता की हत्या कर दी। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया है। बेटियों द्वारा पिता की हत्या किए जाने की वजह बार- बार हर बात को लेकर पिता की ओर से टोका-टाकी करने और बाप- बेटी में अंतर किए जाने से तंग आकर उन्होंने यह कदम उठाया है।

100 गांवों में डेवलप होंगे कचरा मुक्त मॉडल तालाब, पिकनिक स्पॉट के रूप में होंगे विकसित

कन्नौज में भू-जल सुरक्षा हेतु तालाबों को प्लास्टिक मुक्त बनाने और ग्रे-वाटर प्रबंधन की पहल हुई है। जिला पंचायत राज अधिकारी ने एडीओ पंचायत को प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए हैं। प्रथम चरण में 5000 से अधिक आबादी वाले 100 गांवों में 'मेरा तालाब मेरी जिम्मेदारी' अभियान के तहत मॉडल तालाब विकसित किए जाएंगे।

एजेंसी ▶▶ कन्नौज

गांवों में भू-जल को और सुरक्षित करने की दिशा में पहल हुई है। तालाबों को प्लास्टिक मुक्त बनाने के साथ ही ग्रे-वाटर प्रबंधन की कार्रवाई की जानी है। इसके लिए ग्राम पंचायतों से एडीओ पंचायत के जरिए प्रस्ताव मांगे गए हैं। पहले चरण में 100 गांवों में प्लास्टिक मुक्त माडल तालाब विकसित किए जाने की योजना है। प्रथम चरण में पांच हजार आबादी वाली ग्राम पंचायत का चयन होगा। जिला पंचायत राज अधिकारी राजेंद्र प्रकाश ने सभी ब्लाक के सहायक विकास अधिकारी पंचायत, प्रधान, ग्राम पंचायत अधिकारी, ग्राम विकास अधिकारी, खंड प्रेरक और कंसल्टिंग इंजीनियर को पत्र भेजा है। कहा कि ओडीएफ प्लस माडल ग्राम शासन की एक महत्वपूर्ण परियोजना है।

मेरा तालाब मेरी जिम्मेदारी अभियान

नालियों का सतत प्रवाह हो रहा बाधित

स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के नोडल अधिकारी ने ग्रामीण क्षेत्रों में ग्रे-वाटर एवं प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन योजना के अंतर्गत "प्लास्टिक मुक्त माडल तालाब" विकास कार्यक्रम (मेरा तालाब मेरी जिम्मेदारी) के संबंध में बताया कि जनपद से न्यूनतम 100 ऐसे तालाबों का चयन किया जाना है, जो प्रत्यक्ष रूप से नालियों से जुड़े हों। जिनके आस-पास कूड़ा डंपिंग की स्थिति मौजूद हो, जिससे नालियों का सतत प्रवाह बाधित हो रहा है।

प्रथम चरण में 5000 से अधिक जनसंख्या वाले ग्राम पंचायतों का चयन

दूषित जल तालाबों में प्रवाहित हो रहा है। प्रथम चरण में 5000 से अधिक जनसंख्या वाले ग्राम पंचायतों का चयन किया जाना है। साथ ही चयनित ग्राम पंचायतों के तालाबों का डीपीआर एवं इस्टीमेट तैयार कर शासन को भेजा जाना है। तालाबों की साफ-सफाई, पुनर्जीवन, सुंदरीकरण तथा सामुदायिक सहभागिता को विशेष प्राथमिकता दी जाए।

"मेरा तालाब मेरी जिम्मेदारी" अभियान के अंतर्गत स्थानीय निवासियों की सहभागिता सुनिश्चित करते हुए तालाबों से प्लास्टिक अपशिष्ट हटाने, भविष्य में कुड़ा बंपिंग रोकने तथा सतत संरक्षण के उपाय किए जाएं। तालाबों की प्लास्टिक मुक्त स्थिति बनाए रखने के लिए नियमित निरीक्षण एवं रिपोर्टिंग तंत्र विकसित किया जाए।

सीएम योगी के सिंगापुर दौरे का पहला दिन

6,650 करोड़ रुपए का निवेश व 20 हजार नौकरियों की सौगात

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सिंगापुर के दौरे पर हैं। इस दौरे के पहले दिन ही यूनिवर्सल सक्सेस ग्रुप ने 6,650 करोड़ रुपए के निवेश के लिए तीन समझौते पर साइन किए हैं।

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को अपने सिंगापुर दौरे के पहले दिन उत्तर प्रदेश के लिए 6,650 करोड़ रुपए के निवेश समझौतों पर हस्ताक्षर किए। यह बड़ी कामयाबी सिंगापुर स्थित यूनिवर्सल सक्सेस ग्रुप के साथ हुई बैठक में मिली, जिसमें ग्रुप हाउसिंग, लॉजिस्टिक्स और डेटा सेंटर जैसे रणनीतिक क्षेत्रों के लिए तीन एमओयू साइन किए गए।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश की बेहतर कनेक्टिविटी और पारदर्शी नीतियों का हवाला देते हुए वैश्विक निवेशकों को आमंत्रित किया। इन परियोजनाओं के धरातल पर उतरने से राज्य के लगभग 20,000 युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

खास बातें

- जेवर से नोएडा तक निवेश की बौछार
- जेवर एयरपोर्ट के पास बनेगी अंतरराष्ट्रीय टाउनशिप

निवेशकों को नीतिगत स्थिरता और सहयोग का भरोसा

मुख्यमंत्री ने निवेशकों के साथ बैठक में उत्तर प्रदेश की नीतिगत स्थिरता, बेहतर कनेक्टिविटी, मजबूत औद्योगिक ढांचे और तेजी से विकसित हो रहे इंफ्रास्ट्रक्चर की जानकारी दी। उन्होंने निवेशकों को हर स्तर पर सहयोग और त्वरित स्वीकृति का आश्वासन दिया तथा डेटा सेंटर परियोजना के लिए समूह को लखनऊ आने का आमंत्रण भी दिया।

प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मिलेगी नई मजबूती

सरकार का मानना है कि इन निवेश समझौतों से प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई ऊर्जा मिलेगी, शहरी विकास को बढ़ावा मिलेगा और बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन सुनिश्चित होगा।

यीडा क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय थीम आधारित टाउनशिप

पहले एमओयू के तहत यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) क्षेत्र में जेवर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा के पास 100 एकड़ भूमि पर अंतरराष्ट्रीय थीम आधारित टाउनशिप विकसित की जाएगी। इस परियोजना में 3,500 करोड़ रुपए का निवेश प्रस्तावित है और 2027 तक इसके शुरू होने की योजना है। इससे करीब 12,000 लोगों को रोजगार मिलने का अनुमान है।

कानपुर-लखनऊ हाईवे पर लॉजिस्टिक्स पार्क

दूसरी परियोजना के तहत कानपुर-लखनऊ हाईवे पर 50 एकड़ भूमि में लॉजिस्टिक्स पार्क विकसित किया जाएगा। इसमें 650 करोड़ रुपए का निवेश प्रस्तावित है, जिससे लगभग 7,500 रोजगार सृजित होंगे। वर्ष 2027 में शुरू होने वाली यह परियोजना प्रदेश की औद्योगिक गतिविधियों और निर्यात क्षमता को गति देगी।

नोएडा-ग्रेटर नोएडा में हाइपरस्केल डेटा सेंटर पार्क

तीसरे एमओयू के तहत नोएडा और ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में 10 एकड़ भूमि पर 40 मेगावाट आईटी पावर क्षमता वाला हाइपरस्केल डेटा सेंटर पार्क स्थापित किया जाएगा। इस परियोजना में 2,500 करोड़ रुपए का निवेश प्रस्तावित है और करीब 1,500 रोजगार के अवसर सृजित होंगे। इसे 2028 तक शुरू करने की योजना है।

बिहार एनडीए में शराबबंदी का विरोध तेज

उपेंद्र कुशवाहा के विधायक बोले- हमें नुकसान हो रहा

एजेंसी ▶▶ पटना

बिहार में शराबबंदी कानून को हटाने की मांग तेज हो गई है। विपक्ष के साथ ही अब सत्ताधारी दलों के नेता भी शराबबंदी पर सवाल उठाते हुए इसकी समीक्षा करने की मांग कर रहे हैं। राज्यसभा सांसद उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी राष्ट्रीय लोक मोर्चा के विधायक माधव आनंद ने एक बार फिर बिहार में शराबबंदी कानून की समीक्षा की मांग की।

उन्होंने कहा कि शराबबंदी की वजह से हमें (राज्य को) नुकसान हो रहा है। वे सदन में भी यह मांग रख चुके हैं। वहीं, पिछले सप्ताह भाजपा के विधायक विनय बिहारी ने भी सदन में शराबबंदी को खत्म करने की मांग अपनी ही सरकार से की थी।

शराबबंदी कानून की समीक्षा होनी चाहिए

मधुबनी सीट से रालोमो के विधायक माधव आनंद ने सोमवार को विधानसभा परिसर में मीडिया से बातचीत में कहा कि शराबबंदी कानून की समीक्षा होनी चाहिए। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों के विधायक यह मांग कर रहे हैं। यह जनहित से जुड़ा हुआ मामला है। उन्होंने कहा कि सरकार ने जिन लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए शराबबंदी लागू की थी, 10 साल लंबा समय होता है, इस दौरान हमने क्या खोया और क्या पाया। इसकी समीक्षा होनी चाहिए। लक्ष्यों की प्राप्ति हुई या नहीं? लोगों के स्वास्थ्य पर क्या असर पड़ा? बिहार सरकार को राजस्व को कितना नुकसान हुआ?

यूपी, प.बंगाल, झारखंड व नेपाल जा रहा बिहार का राजस्व

उन्होंने कहा - हमारा राजस्व यूपी, पश्चिम बंगाल, झारखंड व नेपाल में जा रहा है। जो कमाई बिहार को होनी चाहिए थी, वो तीन राज्यों और एक दूसरे देश को मिल रही है। इससे हमारा नुकसान हो रहा है। स्पष्ट किया कि यह जनहित का मामला है। अगर कोई विधायक जनहित के मुद्दे को उठाता है तो इसका मतलब यह नहीं कि हम एनडीए से बाहर चले जाएं।

बिहार विधानसभा में मिठाई पर बहस में खूब लगे ठहाके

एजेंसी ▶▶ पटना

बिहार विधानसभा के बजट सत्र की कार्यवाही के दौरान सोमवार को सदन में मिठाइयों की चर्चा से माहौल खुशनुमा हो गया। सदन में लाई, लड्डू, तिलकुट और रसगुल्ला पर चर्चा के दौरान जमकर ठहाके लगे। दरअसल, सत्ता पक्ष और विपक्ष के विधायकों ने अपने-अपने क्षेत्र की प्रसिद्ध मिठाइयों को जीआई टैग दिलाने की मांग की। नीतीश सरकार ने भी इस संबंध में प्रक्रिया के तहत प्रयास करने का आश्वासन दिया। सबसे पहले बाढ़ से भारतीय जनता पार्टी के विधायक सियाराम सिंह ने प्रसिद्ध खोबी लाई को जीआई टैग दिलाने का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक मिठाई नहीं बल्कि क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान है। यह मिठाई दशकों से बाढ़ के स्थानीय कारीगरों की मेहनत और पारंपरिक तकनीक का प्रतीक रही है। इसे कानूनी संरक्षण मिलना चाहिए।

पेज एक का शेष

अराजकता के अंधेरे ...

पीड़ादायक है। पश्चिम बंगाल की धरती के सपूत नेताजी सुभाष चंद्र बोस के 'आजादी के ललकार' ने कभी पूरे देश को प्रेरित किया था, पर आज उनकी ही पवित्र भूमि अवैध घुसपैठ और महिलाओं के खिलाफ हिंसा से कलंकित है। कविगुरु रवींद्रनाथ ठाकुर का सोनार बंगाल पर नकली वोटर हावी हो रहे हैं। अराजकता के अंधेरे में डूबते पश्चिम बंगाल को देखकर आज पूरा देश चिंतित है।

अब परिवर्तन ...

मिली है।, युवाओं को रोजगार मिला है और महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित हुई है। पश्चिम बंगाल भी इस विकास और प्रगति का पूरा हकदार है।

भाजपा सांसद को ...

के लिए नॉमिनेट किया था। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव नजदीक आते देख ममता बनर्जी ने भी उनको अपने पाले में लाने के लिए प्रयास बढ़ा दिए हैं। अनंत महाराज के नाम से लोकप्रिय नागेन रॉय को पश्चिम बंगाल के सर्वोच्च सम्मान बंग विभूषण से सम्मानित किया गया है। अनंत महाराज को कोलकाता में अलग अलग क्षेत्र की शख्सियतों के साथ अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के मौके पर आयोजित समारोह में सम्मानित किया गया।

केंद्र की योजनाओं ...

मिला। अटल पेंशन योजना से 56 लाख वरिष्ठ नागरिक लाभान्वित हुए। किसान सम्मान निधि के हत 52 लाख से अधिक किसानों को आर्थिक सहायता दी गई। छोटे व्यापारियों को 2.82 लाख करोड़ रुपए के ऋण दिए गए।

तेजस दुर्घटनाग्रस्त ...

से खारिज कर दिया है। दोनों ने एक स्वर में कहा, यह कोई दुर्घटना नहीं बल्कि वायुसेना के किसी अग्रिम ठिकाने पर ग्राउंड में तेजस विमान में आई एक छोटी से तकनीकी खामी थी। समस्या समाधान को लेकर एचएएल और वायुसेना एक साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

एचएएल का पक्ष : एचएएल ने कहा कि कंपनी ने मीडिया में मामले को लेकर आई खबरों पर संज्ञान लेते हुए ये स्पष्टीकरण जारी किया है। जिसमें हम ये साफ कर दें कि अब तक तेजस विमान की कोई आधिकारिक दुर्घटना नहीं हुई है। संबंधित मामला ग्राउंड पर सामने आई एक मामूली तकनीकी घटना से जुड़ा हुआ है। स्थापित मानक प्रक्रिया (एसओपी) के मुताबिक, एचएएल-भारतीय वायुसेना के साथ मिलकर बेहद निकटता से जल्द समाधान के लिए कार्य कर रही है। मामले का व्यापक विश्लेषण किया जा रहा है। तेजस लड़ाकू विमान समकालीन लड़ाकू विमानों के मामले में दुनिया में सर्वश्रेष्ठ सुरक्षा मानक रखता है।

मीडिया की खबरों का सार : इस महीने 7 फरवरी को वायुसेना के किसी अग्रिम एयरबेस के रनवे पर संदिग्ध ब्रेक फेल होने की वजह से तेजस विमान रनवे से आगे निकल गया था। जिससे विमान के अगले भाग यानी एयरफ्रेम को नुकसान पहुंचा। रिपोर्ट में ये दावा किया गया कि यह दुर्घटना उस वक्त हुई जब विमान अपनी प्रशिक्षण उड़ान भरने के बाद वापस एयरबेस पर लौट रहा था।

आज पता चलेगी वायुशक्ति में तेजस की भागीदारी? : सूत्रों ने ये भी कहा कि क्योंकि आगामी 26 फरवरी को राजस्थान के जैसलमेर में पाकिस्तान से लगी सीमा के करीब वायुसेना का एक बेहद आक्रामक और प्रचंड युद्धाभ्यास वायुशक्ति-2026 होने जा रहा है। जिसमें पूर्व में कुछ तेजस विमानों को भी उड़ान भरकर अपनी युद्धक क्षमता का प्रदर्शन करना था। लेकिन अब उक्त मामले को लेकर तस्वीर पूरी तरह से साफ होने के बाद ही वायुसेना द्वारा ये तय किया जाएगा कि तेजस विमान वायुशक्ति में भाग लेंगे या नहीं। संभवतः इस बाबत निर्णय मंगलवार तक हो सकता है। इस बार युद्धाभ्यास में कुल 128 विमान शामिल होंगे। जिसमें 77 लड़ाकू विमान हैं।

विमानों की सप्लाई में देरी से जूझती एचएएल : गौरतलब है कि यह पूरा मामला एक ऐसे वक्त में भी सामने आया है। जब एचएएल पहले ही वायुसेना को 83 तेजस मार्क1ए लड़ाकू विमानों की आपूर्ति के लिए तय की गई समय सीमा के बार-बार बदले जाने के मुद्दे से जूझ रही है। रक्षा मंत्रालय ने वर्ष 2021 में 83 तेजस मार्क-1ए विमानों की खरीद के लिए एचएएल के साथ कुल 48 हजार करोड़ रुपए का एक समझौता किया था। इसके अगले साल 2025 में मंत्रालय ने सार्वजनिक क्षेत्र की इस अहम रक्षा कंपनी के साथ 97 और तेजस मार्क-1ए विमानों की खरीद के लिए 62 हजार करोड़ रुपए से अधिक का एक और रक्षा सौदा किया है। अगले वित्त वर्ष की शुरुआत से 83 तेजस विमानों की वायुसेना को डिलीवरी की संभावना है।

प्रधानमंत्री की ...

है।

परामर्श की जरूरी बातें : तेहरान में मौजूद भारतीय दूतावास ने अपने परामर्श में कहा कि भारत सरकार द्वारा इस साल की शुरुआत में 5 जनवरी को ईरान में जारी तनाव और उभरते हुए घटनाक्रम के मद्देनजर जारी की गई एडवाइजरी के क्रम को आगे बढ़ाते हुए खाड़ी देश में रहे रहे सभी भारतीय नागरिकों जैसे छात्रों, तीर्थयात्रियों, व्यापारिक प्रतिनिधियों और पर्यटकों को यह हिदायत दी जाती है कि वो यातायात के किसी भी सर्वसुलभ माध्यम का इस्तेमाल कर जल्द ईरान छोड़कर बाहर निकल जाएं। जिसमें वाणिज्यिक फ्लाइट्स का विकल्प भी शामिल है। इस संबंध में दूतावास संपर्क से लेकर हर तरह की जरूरी सहायता प्रदान करने के लिए भी दूतावास पूरी तरह से तैयार है। दूतावास ने देश के नागरिकों और भारतीय मूल के लोगों (पीआईओ) से ईरान में अतिरिक्त सतर्कता बरतते हुए वहां जारी सरकार विरोधी प्रदर्शन स्थलों की ओर जाने से भी बचने की सलाह दी है। परामर्श में कहा गया है कि सभी नागरिक हमेशा अपने साथ यात्रा और इमीग्रेशन से जुड़े दस्तावेज (पासपोर्ट और पहचान पत्र) जरूर रखें।

ईरान में 10 हजार भारतीय : यहां बता दें कि विदेश मंत्रालय ने बीते वक्त में बताया था कि ईरान में रह रहे भारतीयों की कुल संख्या 10 हजार के करीब है। जिसमें बड़ी तादाद मेडिकल की शिक्षा लेने वाले छात्रों की है। लेकिन मौजूदा परामर्श छात्रों, तीर्थयात्रियों, व्यापारिक प्रतिनिधियों और पर्यटकों सभी पर लागू होता है। पूर्व में 5 के बाद 14 जनवरी को भी भारत ने ईरान में रह रहे अपने सभी नागरिकों को एक परामर्श जारी करते हुए तुरंत खाड़ी देश को छोड़ने की सलाह दी थी। जिसमें ये भी कहा था कि प्रदर्शनों से लेकर अन्य घटनाक्रम पर नजर बनाए रखने के लिए स्थानीय मीडिया की निगरानी करते रहें।

पिछले साल चलाया ऑपरेशन सिंधु : भारत ने प्रदर्शनों के बीच बीते वर्ष 2025 में ईरान से अपने देश के नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए ऑपरेशन सिंधु नामक राहत एवं बचाव अभियान चलाया था। जिसके तहत कई लोगों को विशेष विमानों की मदद से सुरक्षित ढंग से स्वदेश पहुंचाया गया था। युद्ध के साये में प्रतिबंधित की गई हवाई सीमा के बीच ईरान ने भारत के लिए कुछ समय के लिए अपनी जमीनी सीमा खोल दी थी। जिससे भारतीय ईरान से सड़क मार्ग से होते हुए आर्मेनिया व अन्य जगहों से देश पहुंचे थे।

यात्रियों की बढ़ेंगी मुश्किलें

हमसफर एक्सप्रेस समेत ये 6 ट्रेनें लखनऊ नहीं आएंगी

25 फरवरी को हमसफर, कोटा-पटना व फरक्का एक्सप्रेस सहित 6 ट्रेनों को बदले मार्ग से चलाया जाएगा

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

काशी रेल खंड पर व्यास नगर के पास ऑटोमैटिक सिग्नलिंग के कार्य के लिए 26 फरवरी को ब्लाक लिया जाना है। जिसके कारण 25 फरवरी को हमसफर, कोटा-पटना और फरक्का एक्सप्रेस सहित छह ट्रेनों को बदले मार्ग से चलाया जाएगा। ऐसे में यह ट्रेन लखनऊ नहीं आएंगी। इनके अलावा चार ट्रेनों को 26 फरवरी को बीच में रोक कर चलाया जाएगा। इससे यात्रियों की मुश्किलें बढ़ेंगी।

उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल के सीनियर डीसीएम कुलदीप तिवारी ने बताया कि ब्लाक लिए जाने के कारण 25 फरवरी को लखनऊ होकर चलने वाली छह ट्रेनों का मार्ग परिवर्तन किया गया है, जिसके कारण यह ट्रेनें लखनऊ नहीं आएंगी। इन ट्रेनों में 13240 कोटा-पटना एक्सप्रेस, 19669 उदयपुर सिटी-पाटलिपुत्र हमसफर एक्सप्रेस, 15734 फरक्का एक्सप्रेस, 15743 फरक्का एक्सप्रेस, 15668 कामाख्या-गांधीधाम एक्सप्रेस और 19313 इंदौर-पटना एक्सप्रेस शामिल है। यह ट्रेन लखनऊ न आकर वाया कानपुर सेंट्रल-प्रयागराज जं.-चुनार जं.-पंडित दीन दयाल उपाध्याय जं. के रास्ते अपने गंतव्य को जाएंगी। उन्होंने बताया कि 26 फरवरी को 13239 पटना-कोटा एक्सप्रेस लखनऊ नहीं आएगी। यह वाया पंडित दीन दयाल उपाध्याय जं. -चुनार जं.-प्रयागराज जं.-कानपुर सेंट्रल के रास्ते अपने गंतव्य को जाएगी।

100 से ज्यादा सीसीटीवी, 3 पुलिसकर्मी सस्पेंड

बागपत। उत्तर प्रदेश के बागपत जिले के सूरजपुर महनवा गांव के पास दुष्कर्म के प्रयास में हुई महिला की हत्या का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। मामले में एक नशेड़ी को गिरफ्तार किया गया है। घटना में 150 लोगों से पूछताछ की गई गई थी और 100 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरे खंगाले गए थे। घटना में तीन पुलिसकर्मियों को भी निलंबित कर दिया गया था। घटना जिले में 11 फरवरी को बागपत कोतवाली क्षेत्र के सूरजपुर महनवा गांव के पास हुई थी। सूरजपुर महनवा गांव निवासी बाबूराम ने पुलिस को लिखित शिकायत दी थी। अज्ञात व्यक्ति द्वारा उसकी पत्नी की हत्या कर दी गई है।

फर्जी वोट डालने के लगे आरोप

झारखंड में 48 नगर निकायों के लिए मतदान संपन्न, 61% से अधिक वोट

एजेंसी ▶▶ रांची

झारखंड में 48 नगर निकायों के लिए सोमवार को मतदान संपन्न होगया। कुछ छिटपुट घटनाओं को छोड़कर मतदान शांतिपूर्ण रहा। राज्य निर्वाचन आयोग कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार सुबह 7 बजे से मतदान की प्रक्रिया शुरू हुई और शाम 5 बजे तक 61 प्रतिशत से अधिक मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। आयोग के मुताबिक सबसे अधिक सरायकेला नगर पंचायत के लिए 75.35% मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया जबकि रांची में नगर निगम के लिए सबसे कम 43.28% मतदाताओं ने वोट किया। अंतिम रिपोर्ट आने के बाद मतदान प्रतिशत में थोड़ी बढ़ोतरी की संभावना है।

रांची के हिंदपीढ़ी इलाके में जमकर मारपीट

राजधानी रांची के हिंदपीढ़ी स्थित इदरीसीया तंजीम स्कूल में मतदान के दौरान दो गुटों के बीच जमकर मारपीट हो गई। बताया जाता है कि एक गुट ने आरोप लगाया कि दूसरे गुट की ओर से एक महिला को फर्जी तरीके से वोट दिलाने की कोशिश की जा रही थी। इस आरोप को लेकर मौके पर मौजूद लोगों के बीच कहासुनी शुरू हो गई, जो देखते ही देखते विवाद में बदल गई। विरोध कर रहे लोगों और दूसरे गुट के समर्थकों के बीच तनाव बढ़ने पर मामला हाथापाई तक पहुंच गया। घटना की सूचना पर नगर थाना पुलिस पहुंची। पुलिस ने हंगामा और मारपीट कर रहे लोगों को हटने को कहा। पुलिस के कहने पर जब लोग नहीं हटे तो जवान सख्त हो गए। जवानों ने लाठी चलाना शुरू किया तो मारपीट कर रहे लोग भाग निकले।

मेदिनीनगर जिले में 62.94 प्रतिशत मतदान

मेदिनीनगर जिले में 62.94 प्रतिशत मतदान की खबर है। जिसमें मेदिनीनगर नगर निगम के लिए 57.41 प्रतिशत, छतरपुर में 65.81 प्रतिशत हरिहरगंज में 64.99 प्रतिशत, हुसैनाबाद में 59.86 प्रतिशत और विश्रामपुर में 66.67 प्रतिशत की खबर है। हालांकि अंतिम रिपोर्ट आने के बाद मतदान प्रतिशत में बढ़ोतरी की संभावना है।

यू वी लेंडबेस प्राइवेट लिमिटेड
सेक्टर–3, फारूखनगर, गुरूग्राम
लाईसेंस नं. 31/2024 दिनांक 26.02.2024

फ्लैटों का पहला ई–ड्रा

आम जनता को सूचित किया जाता है कि हरियाणा की किफायती आवास नीति 2013 के तहत "डिप्लोमैट्स ग्रीन विस्टा" नामक किफायती समूह आवास कॉलोनी के 1124 फ्लैटों का पहला ई–ड्रॉ, जो लाइसेंस संख्या 31/2024 के तहत सेक्टर–3, फारुखनगर, गुरुग्राम, हरियाणा में स्थित है और मेसर्स यू वी लैंडबेस प्राइवेट लिमिटेड (प्रोजेक्ट आईडी–209), द्वारा विकसित किया जा रहा है का पहला ई–ड्रॉ 25.02.2026 को शाम 4:00 बजे से "The Pllazio Hotel", Plot No. 292-296 Sector-29, City Centre Gurugram, Haryana-122001 में किफायती आवास नीति 2013 के तहत गठित समिति की उपस्थिति में आयोजित किया जाएगा।
हरियाणा सरकार की अधिसूचना संख्या पीएफ–27/48921 दिनांक 19.08.2013 के अनुसार ड्रा नीचे दिए गए YouTube लिंक पर ऑनलाइन देखा जाएगा।
YouTube Link - https://youtube.com/live/kvji69a0VlY?feature=share
किसी भी जानकारी के लिए सम्पर्क करें : 7777016077

कॉरपोरेट कार्यालय : सीओएल-ओ-14-01, चौदहवीं मंजिल, इमार कोलोनेड, सेक्टर-65, गोल्फ कोर्स एक्स. रोड, गुरूग्राम हरियाणा
सेल्स कार्यालय : 1116, 1117, 11वीं मंजिल, टावर-1, डीएलएफ कॉर्पोरेट ग्रीन, सेक्टर 74ए, गुरुग्राम, हरियाणा-122004
Email:crm@diplomatsgroup.com, Web:www.diplomatsgroup.com

हरिभूमि
सहेली
नई दिल्ली, मंगलवार
24 फरवरी 2026

एक बार जीवनसाथी से इमोशनल बॉन्डिंग कम होने लगे तो मैरिटल आइसोलेशन की पीड़ा मिलना तय है। ऐसे हालात में एक ही घर में रहने वाले, साथ जीवन बिताने वाले दंपती आपस में अपरिचित लगने लगते हैं। दांपत्य जीवन में यह स्थिति बहुत खतरनाक है। इससे कैसे बचा जाए और कैसे दांपत्य जीवन मधुर रहे, आपके लिए जरूरी सलाह।

मैरिटल आइसोलेशन से बचें
बनाए रखें इमोशनल बॉन्डिंग

कवर स्टोरी
स्नेहा सिंह

प्रायः यह देखा जाता है, शादी के कुछ समय बाद पति-पत्नी के बीच पहले जैसा आकर्षण नहीं रहता है या फिर इस आकर्षण में उन्हें कोई रुचि नहीं रहती। कारण अनेक हो सकते हैं, लेकिन समाधान क्या है, यह विचारणीय है। सामान्यतः विवाह के कुछ वर्ष बीतते ही यह भावना किसी एक या दोनों पक्षों में जन्म लेने लगती है। पति या पत्नी या फिर दोनों यह मानने लगते हैं कि उनके लाइफ पार्टनर को उनमें कोई रुचि नहीं रही। वे उन्हें अकेला छोड़ देते हैं। वास्तविकता यह है कि आप एक ही बिस्तर पर सोते हैं, एक ही डिनर टेबल पर बैठते हैं, साथ में टीवी देखते हैं, एक ही संतान या संतानों का पालन-पोषण मिलकर करते हैं और फिर भी अकेलापन महसूस होता है। आप सहवास करते हैं, पर उसमें प्रेम नहीं होता। आप बात करते हैं, उसमें उत्साह नहीं होता। आप साथ रहते हैं, उसमें कहीं भी सच्चा साथ नहीं होता। यह अकेलेपन का वायरस आसानी से समझ में नहीं आता है। धीरे-धीरे मन में घर करता है और फिर अपने पांव पसारता है। जब तक बीमारी समझ में आती है, तब तक वैवाहिक जीवन में अकेलापन, ऊब और अवसाद फैल चुका होता है। व्यक्ति इमोशनल मालन्यूट्रिशन (एक मनोवैज्ञानिक अवस्था, जिसमें आपसी लगाव कमजोर होने लगता है) का शिकार होने लगता है।

अपनी-अपनी दुनिया में खोए पति-पत्नी

अकसर देखा जाता है कि पति-पत्नी साथ बैठे होते हैं, एक ही व्हाट्सएप ग्रुप में दस-पंद्रह बार मैसेज पोस्ट करते रहते हैं, लेकिन एक-दूसरे से बात नहीं करते। बेडरूम में साथ होंगे, लेकिन दोनों अलग-अलग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म में बिजी रहते हैं। वर्चुअल दुनिया में घूमते दोनों आपसी संवाद से दूर होते हैं फिर अकेलेपन और नीरस वैवाहिक संबंध की शिकायत करते हैं। इसी संदर्भ में एक उदाहरण- निक्की और वेद की शादी को तीन वर्ष ही हुए थे। दोनों उच्च शिक्षित हैं, संपन्न परिवारों से हैं। वेद अपना फैमिली बिजनेस संभालता, जबकि निक्की अधिकतर समय घर पर बिताती, अपने मित्रों और सास के साथ मिलकर कुछ चैरिटी के काम करती। वह एक छोटा-सा संगठन भी चलाती थी। यह संस्था मूलतः उसकी सास के लिए उसके ससुर ने शुरू की थी, लेकिन निक्की उसमें थोड़ा समय देकर स्वयं को सक्रिय रखती थी। बाकी समय वह घर पर ही रहती। स्थिति तब बदली जब उसके सास-ससुर, वेद के बड़े भाई के पास रहने अमेरिका चले गए। अब घर में केवल दो ही लोग रह गए, वेद और उसकी पत्नी निक्की। शुरुआत में वेद के घर आने के बाद निक्की उत्साह से खाना बनाती, घर को नए-नए तरीके से सजाती। मित्रों को बुलाकर पार्टी करती। वेद भी उत्साह से उसमें शामिल होता। कुछ महीनों तक यह उत्साह बना रहा, फिर धीरे-धीरे उसमें कमी आने लगी। अब स्थिति यह हो गई कि कई बार वेद बिजनेस मीटिंग के कारण देर से आता, कभी अपने चपरासी से कपड़े मंगवा लेता और ऑफिस से ही सीधे बिजनेस ट्रिप पर चला जाता। शहर में भी होता तो ऑफिस पार्टी या अन्य कारणों से देर से घर आता। यह सिलसिला धीरे-धीरे बढ़ने लगा। निक्की कई बार वेद की पसंद का खाना बनाती, लेकिन वह बाहर से डिनर करके आता या आधी रात को लौटकर खाना ही नहीं खाता। छुट्टी के दिन भी वह कमरे में लैपटॉप लेकर बैठा रहता, काम करता रहता। धीरे-धीरे वेद और निक्की के बीच सारे संवाद बंद से हो गए। वेद-निक्की, जो कभी लव बर्ड्स थे, अब एक-दूसरे पर चिल्लाते-गुस्साते। निक्की को लगने लगा कि वेद को अब उसमें कोई रुचि नहीं है। शादी हो गई, पत्नी मिल गई, अब सब समाप्त। दूसरी ओर वेद को लगता कि निक्की देर तक जाग नहीं सकती, पार्टियों में साथ नहीं आ पाती, इसलिए उसका घर में रहना ही बेहतर है। संबंधों में यह उपेक्षा कभी स्वाभाविक रूप से तो कभी जानबूझकर होती है। अन्य पारिवारिक संबंधों में इसे कुछ समय तक सहा जा सकता है, लेकिन जब पति-पत्नी ही एक-दूसरे की उपेक्षा करने लगें तो वैवाहिक संबंध अपने मायने खो देते हैं। शेष बचता है संताप, जो अत्यंत घातक है।

चाहिए एक मास्टर प्लान

हम सभी को एक बात स्वीकार करनी होगी, घर हो या संबंध, उसे संभालने के लिए एक मास्टर प्लान चाहिए। जिस प्रकार घर बसाने के बाद उसकी देखभाल की प्लानिंग की जाती है, उसी तरह विवाह के बाद संबंध को बनाए रखने की भी एक प्लानिंग बनानी चाहिए। इक्कीसवीं सदी की जीवनशैली में इस तरह का मास्टर प्लान और भी जरूरी हो गया है, क्योंकि हम भौतिक जीवन को महत्व देने लगे हैं। कई बार हम वस्तुएं देकर संबंध बनाते और निभाते हैं, भावनाएं नहीं होती हैं। हम भावनाओं की बचत करते हैं और पैसे खर्च करते हैं, इसी कारण संबंध सिंथेटिक होते जा रहे हैं। हमें इससे बचना चाहिए, जीवन में भावनाओं का महत्व समझना चाहिए।

बहुत जरूरी है पति-पत्नी के बीच विश्वास

पति-पत्नी के संबंध बने रहें, इसके लिए सबसे अधिक जरूरी है, एक-दूसरे के प्रति विश्वास। जीवन किसी भी स्थिति में हो, अपने जीवनसाथी से हमेशा संवाद बनाए रखना चाहिए। अपनी समस्याओं पर खुलकर बात करना चाहिए, इससे समस्याओं का समाधान निकलता है। जीवनसाथी से अधिक सहजता से कोई आपकी कठिनाइयों को नहीं समझ सकता और न सही समाधान दे सकता है। पति-पत्नी यदि एक-दूसरे को 'आई लव यू' न भी कहें, इससे बहुत फर्क नहीं पड़ता, लेकिन यदि प्रेम का अहसास एक-दूसरे को न कराएं तो रिश्ते अपना अर्थ खो देते हैं। व्यक्ति अकेलेपन को दूर करने के लिए जीवनसाथी खोजता है, यदि विवाह के बाद भी वह अकेलापन महसूस करे तो यह गंभीर चिंता का विषय हो जाता है, क्योंकि विवाह संस्था समाज की सबसे बड़ी आधारशिला है।

बनाए रखें संवाद

दांपत्य जीवन में आज के समय में हमारी सबसे बड़ी समस्या यह है कि हम जीवनसाथी से संवाद करना ही भूल जाते हैं। जिसके साथ रहते हैं, जीवन बिता रहे हैं, उसी से बात करने की जरूरत नहीं महसूस करते। हम उसके स्वभाव, प्रतिक्रिया और विचारों को लेकर अपनी गलत धारणाएं बना लेते हैं, उसी आधार पर प्रतिक्रिया देते हैं। गलत धारणाओं से शुरू हुआ यह चक्र धीरे-धीरे विषचक्र बन जाता है। हमें यह स्वीकार करना चाहिए, दांपत्य की हर समस्या-कठिनाई का समाधान पति-पत्नी के आपसी संवाद में ही है। यदि समाधान बाहर ढूंढ़ेंगे तो स्थिति और उलझेगी। अपने जीवनसाथी के साथ रहकर भी यदि हम उसे समझ न सकें और स्वयं को भी न समझा सकें, तो दांपत्य के मायने खो जाते हैं। एक बार जीवनसाथी के साथ इमोशनल बॉन्डिंग कम होने लगे तो मैरिटल आइसोलेशन की पीड़ा जन्म लेगी ही, हमें इससे बचना चाहिए। हमेशा यह कोशिश होनी चाहिए, दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहे। ❀

कुछ लोग अपना ध्यान किसी काम में केंद्रित नहीं कर पाते हैं, पल भर में उनका ध्यान किसी दूसरी ओर चला जाता है, दूसरे ही पल फिर किसी और तरफ। अगर आपके साथ भी ऐसा होता है तो अमल में लाएं यहां बताई बातें।

क्या आपको अपना ध्यान केंद्रित करने में परेशानी होती है?

सलाह
विधि गोयल

क्या आपका मन भी किसी एक चीज पर फोकस नहीं कर पाता, इधर-उधर ध्यान भटकता रहता है यानी, ध्यान केंद्रित करने में परेशानी होती है, चाहकर भी ध्यान केंद्रित नहीं हो पाता, तो आप इसको नजरअंदाज न करें और सावधान हो जाएं। क्योंकि इसका अर्थ है कि आप एकाग्रता की कमी की समस्या का शिकार हो रही हैं।

न्यूरोडेवलपमेंट डिसऑर्डर की प्रॉब्लमः अगर किसी को ध्यान केंद्रित करने में परेशानी हो रही है, तो इसका एक कारण अटेंशन डेफिसिट हाइपर एक्टिविटी डिसऑर्डर (ए. डी. एच. डी.) हो सकता है। यह एक न्यूरोडेवलपमेंट डिसऑर्डर है, जो ध्यान और एकाग्रता जैसी समस्याओं को प्रभावित करता है। कुछ लोग चीजें भूलने लग जाते हैं, उन्हें बेचैनी रहती है और एक जगह बैठने में दिक्कत होती है। ये सभी अटेंशन डेफिसिट हाइपर एक्टिविटी डिसऑर्डर के लक्षण होते हैं, जिसके कारण ध्यान केंद्रित करने में परेशानी होती है। इसके अलावा शॉर्ट अटेंशन स्पैन के कई अन्य कारण डिप्रेशन, नींद में कमी या सोशल मीडिया पर ज्यादा समय बिताना भी हो सकता है। ध्यान केंद्रित न होने की समस्या को सोशल मीडिया का समय तय करने के अलावा लाइफ में कुछ अन्य बातों को अमल में लाकर आप अपने कामों में ध्यान केंद्रित करने की आदत में काफी हद तक सुधार ला सकती हैं। इस बारे में आपको भी जरूर जानना चाहिए।

रेग्युलर ब्रेक लेंः बर्नआउट से बचने के लिए काम के दौरान छोटे-छोटे ब्रेक लें, इससे माइंड रिलैक्स होगा, थकान से राहत मिलेगी और एकाग्रता में सुधार आएगा।

ब्रेन गेम्स खेलेंः हर वक्त काम में बिजी रहने से टेंशन और एंग्जाइटी होती है। इससे बचने के लिए सुडोकू, क्रॉसवर्ड, बुक रीडिंग, पहेलियां और मेमोरी गेम्स खेलें। इससे एकाग्रता बढ़ती है।

टाइम मैनेजमेंट करेंः हर रोज सभी कार्यों को समय पर करने के लिए पहले से प्लानिंग करके टू डू लिस्ट तैयार करें। इससे सभी कार्य समय पर पूरे होते हैं, जिससे एकाग्रता में सुधार होता है। इसके अलावा रोज के काम जरूर पूरा करें। कार्य को कल पर टालने से बचें।

माइंडफुलनेस की प्रैक्टिस करेंः माइंडफुलनेस और मेडिटेशन से सांसों पर ध्यान केंद्रित करने में मदद मिलती है और मन को भटकाने वाले विचारों से राहत मिलती है और ब्रेन को बेहतर ध्यान केंद्रित करने में मदद मिलती है।

पर्याप्त नींद लेंः नींद की कमी से भी एकाग्रता की कमी की समस्या होती है। इसलिए व्यस्त दिनचर्या के कारण शरीर को होने वाली थकान से बचाने के लिए रात में 7 से 9 घंटे की भरपूर नींद लें। इससे शरीर और दिमाग रिलैक्स होगा और ध्यान केंद्रित करने की क्षमता बेहतर होगी।

हाइड्रेटेड रहें और हेल्दी डाइट लेंः हेल्दी डाइट लेने से एकाग्रता और याद्दाश्त पर सीधा प्रभाव पड़ता है। एकाग्रता बढ़ाने के लिए मछली, अंडे, ब्लूबेरी और पालक जैसे खाद्य पदार्थ डाइट में शामिल करें। साथ ही शरीर को हाइड्रेटेड रखने के लिए भरपूर मात्रा में पानी पिएं। ।

वर्कआउट से मिलता है लाभः नियमित रूप से एक्सरसाइज करने से शरीर में ब्लड का सर्कुलेशन ठीक होता है, जिससे ऑक्सीजन का प्रवाह बढ़ जाता है और शरीर दिनभर एक्टिव और हेल्दी रहता है। रोज केवल 30 मिनट वॉक करने से भी फोकस करने की क्षमता काफी बेहतर होती है। ❀

(मनोचिकित्सक डॉ. मीनाक्षी मनचंदा से बातचीत पर आधारित)

लोक-व्यवहार
अलका 'सोनी'

अगर आपके पड़ोसी अच्छे हैं तो आप बहुत खुशनसीब हैं। पड़ोसी आपका ध्यान रखकर मानसिक सुरक्षा ही नहीं देते, सकारात्मक माहौल देकर आपको स्वस्थ और प्रसन्न रखते हैं। इसलिए पड़ोसी से हमेशा अपने संबंध आत्मीय रखें।

हमें स्वस्थ-प्रसन्न रखते हैं अच्छे पड़ोसी

बड़े-बुजुर्ग कहा करते हैं कि पड़ोस से इतना रिश्ता जरूर रखना चाहिए कि जब भी सामने पड़ें तो नजरें मिला सकें। क्योंकि मौके-बेमौके वे ही काम आते हैं। बुजुर्गों के इस कहन में उनका वर्षों का जीवन अनुभव है, वे इस बात को भली-भांति समझते हैं कि हमारी खुशी व्यष्टि से ज्यादा समष्टि में निहित होती हैं। सामाजिक मेल-जोल अकेलेपन, अवसाद और चिंता से हमारी सुरक्षा करता है। हमारी भारतीय संस्कृति में आस-पड़ोस से अपनेपन के रिश्ते सदियों पुराने देखे गए हैं। भारत में हर त्योहार आज भी पड़ोस के साथ मिलकर ही मनाया जाता है। इस संस्कृति को अब विदेशों में भी अपनाया जा रहा है। इस पर अनेक विदेशी मनोवैज्ञानिक और समाजशास्त्री अध्ययन भी कर रहे हैं।

मानसिक रूप से स्वस्थ रखता है आस-पड़ोसः आज जिसे देखो वहीं अवसाद से ग्रस्त रहता है। इसका एक बहुत बड़ा कारण है- अकेलापन। इस संकट से निपटने के लिए हमारे बुनियादी सामाजिक ढांचे का मजबूत होना बहुत जरूरी है। जिसमें सामाजिकता और शारीरिक गतिविधि को प्रोत्साहित करने वाले पड़ोस की भूमिका अहम हो जाती है। आस-पड़ोस का स्वस्थ वातावरण हमारे जीवन को अनेक प्रकार से प्रभावित करता है। अकेले रहना, अपने पड़ोसियों से बातचीत नहीं करना, मानसिक स्वास्थ्य के लिए सही नहीं है। दूर के लोगों से अच्छी मित्रता होना ठीक है, लेकिन आपके पड़ोस में रह रहे लोगों से अच्छी बनती है तो यह किसी वरदान से कम नहीं है। इसके एक नहीं अनेक फायदे हैं, हमें यह जरूर जानना चाहिए-

बढ़ती है उम्रः मनोविज्ञान कहता है कि खुश और व्यस्त रहना, लंबी उम्र के लिए बहुत जरूरी है, क्योंकि इससे आपके अंदर ऊर्जा और जिजीविषा बनी रहती है, हम दीर्घायु होते हैं। इसमें हमारे अच्छे पड़ोसी बहुत मददगार साबित होते हैं। अमेरिका के नेबरहुड क्वालिटी ऑफ लाइफ स्टडी के एक डेटा विश्लेषण, जिसमें सिएटल, बाल्टीमोर और वाशिंगटन डीसी के 32 पड़ोस में रहने वाले वयस्क शामिल थे, के निष्कर्ष ने बताया कि हमारे पड़ोसी सामाजिक संपर्क को बढ़ावा देते हैं, जैसे कि नमस्ते करना, मदद मांगना या पड़ोसियों के साथ मेल-जोल बढ़ाना।

मिलती है सुरक्षाः आस-पड़ोस से अच्छा रिश्ता सुरक्षा की दृष्टि से भी जरूरी है, क्योंकि जब आपके पड़ोसियों के साथ अच्छे संबंध होते हैं, तो वे आप पर नजर रखते हैं। किसी भी संदिग्ध व्यक्ति के बारे में आपको सचेत रखते हैं। आपकी अनुपस्थिति में संभावित नुकसान से बचाते हैं। आपके घर के आस-पास आवांछित गतिविधि पर पुलिस को कॉल कर आपकी मदद करते हैं ताकि आप मुसीबत से बचें। कहते हैं, संकट के समय रिश्तेदार से पहले पड़ोसी ही मदद करते हैं।

मिलती है स्वास्थ्यवर्धक सकारात्मकताः अगर आपको स्नेही और मित्रवत पड़ोसी मिले हैं, यह किसी आशीर्वाद से कम नहीं है, क्योंकि शत्रुतापूर्ण पड़ोसियों के साथ रहने से नकारात्मक माहौल बनता है, इसका आपके स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है। जब आप अपने पड़ोसी के साथ खुश और सकारात्मक रहती हैं, तो बातचीत में किसी प्रकार का तनाव महसूस नहीं करती हैं, इससे मूड सही रहता है। ❀

सबको मिलती है खुशी

अच्छा और स्वस्थ माहौल सबके लिए जरूरी है। इसमें पड़ोसियों की भूमिका अहम होती है। एक अच्छे पड़ोसी का महत्व हमने सबसे ज्यादा कोरोना काल में महसूस किया था, जिसकी वजह से महामारी के दौरान लोग अकेलेपन और अवसाद से बचे रहे। होली के रंग और दिवाली की रोशनी की चमक तब तक अधूरी है, जब तक कि ये सबके साथ नहीं मनाए जा रहे हों। अच्छे पड़ोसी विशेषकर बुजुर्गों से बच्चों को अच्छी परवरिश, युवाओं को सही मार्गदर्शन और सपोर्ट मिलता है। बुजुर्गों को भी युवाओं का साथ और सहयोग मिलता है। ऐसा स्वस्थ माहौल सबको आपस में बांधे रखता है। सबको एक खुशी मिलती है।

हेयर केयर
शहनाज हुसैन, कॉस्मेटोलॉजिस्ट

आपके बाल दिखेंगे घने-खूबसूरत अपनाएं ये आसान कारगर उपाय

घने और खूबसूरत बाल हर महिला की चाहत होती है, लेकिन खराब जीवनशैली और भाग-दौड़ भरी व्यस्तता में बालों की अच्छी तरह देखभाल करना किसी चुनौती से कम नहीं लगता है। इसके अलावा अधिकतर महिलाएं चेहरे को निखारने पर जितना ध्यान देती हैं, उतना बालों की देखभाल पर नहीं देती हैं। इससे बाल रूखे, बेजान और कमजोर होने लगते हैं। इनसे बचने के लिए आपको कुछ उपायों पर अमल करना चाहिए।

रेग्युलर क्लीनिंगः बालों की अच्छी देखभाल के लिए सबसे जरूरी है कि आप अपने बालों को अच्छी तरह से नियमित धोएं और इसके लिए केमिकल के बजाय नेचुरल चीजों को यूज करें। दरअसल, बाजार में मिलने वाले केमिकल प्रोडक्ट्स के नियमित प्रयोग करने से बालों पर काफी बुरा असर पड़ता है। इससे बचने के लिए आप घर पर ही हेयर क्लींजर तैयार कर सकती हैं। इसके लिए आप आंवला, रीठा और शिकाकाई का उपयोग कर सकती हैं। यह आपके बालों को पोषण देने के साथ-साथ स्कैल्प को भी साफ करता है। इस हेयर वॉशर को बनाने के लिए एक मुट्ठी सूखा रीठा, शिकाकाई और आंवला लें। इन्हें एक लीटर पानी में डालकर रात भर भीगने के लिए रख दें। अगले दिन इनको पानी के साथ धीमी आंच पर तब तक उबालें, जब तक कि पानी आधा न रह जाए। लेकिन इसको तेज आंच पर न उबालें। अब इस मिश्रण को ठंडा होने दें और फिर छलनी की मदद से इसे छान लें। फिर इस मिश्रण का इस्तेमाल अपने बालों को धोने के लिए करें। इससे आपके बाल पूरी तरह साफ हो जाएंगे और केमिकल्स के दुष्प्रभावों से भी बचे रहेंगे।

हेयर ऑयलिंगः बालों की ऑयलिंग करने से भी उनको बहुत मजबूती मिलती है। इसके लिए बालों में हल्के हाथ से तेल से मसाज करें। इससे बालों की कोशिकाओं में रक्त का संचार बढ़ता है। इससे बाल कोमल और चमकदार हो जाते हैं। ध्यान रहे कि आपको बालों को तेजी से रगड़ना नहीं है। आप बालों में नारियल का तेल या जैतून का तेल लगा सकती हैं। बालों को स्वस्थ बनाने में बादाम का तेल भी बहुत कारगर होता है।

डेंड्रफ दूर करने के लिएः बालों में डेंड्रफ यानी रूसी की समस्या से भी बहुत सी महिलाएं परेशान रहती हैं। इससे बाल कमजोर होकर झड़ने भी लगते हैं। इस समस्या के समाधान के लिए शुद्ध नारियल का तेल या तिल का तेल इस्तेमाल करना कारगर है। आप शुद्ध जैतून का तेल गर्म करके भी लगा सकती हैं।

इन उपायों के अलावा मजबूत और खूबसूरत बालों के लिए लाइफस्टाइल और डाइट पर भी ध्यान देना होगा। ❀

मेडिकल एडवाइस
डॉ. माला श्रीवास्तव
सीनियर गायनेकोलॉजिस्ट
सर गंगाराम हॉस्पिटल, दिल्ली

मेनोपॉज के शुरुआती दिनों से कुछ महीने बाद तक महिलाओं को कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं परेशान करती हैं। ऐसे में परेशान न होकर राहत पाने के उपायों को अपनाना चाहिए। इस बारे में यहां डिटेल में बता रहे हैं।

मेनोपॉज के दौरान होने वाली प्रॉब्लम्स
टेंशन न लें-राहत के उपाय अपनाएं

अगर आपकी उम्र 45 साल से ज्यादा हो चुकी है, आपको अनियमित पीरियड्स, अनिद्रा और रात को पसीना आने जैसी समस्याएं परेशान करती हैं तो यह मेनोपॉज का लक्षण हो सकता है। यह महिलाओं के जीवन का ऐसा दौर है, जब उनके शरीर में एस्ट्रोजन और प्रोजेस्टेरॉन नामक हार्मोन का सीक्रीशन कम होने लगता है, जिसके परिणामस्वरूप उनके पीरियड्स आना बंद हो जाते हैं। उम्र के इस दौर में महिलाओं को कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ता है, लेकिन सही जानकारी और जीवनशैली बदलाव लाकर इनसे बचा जा सकता है।

होने वाली शुरुआती समस्याएंः मेनोपॉज के शुरुआती दौर को पेरिमेनोपॉज कहा जाता है। इस दौरान सबसे बड़ी समस्या हॉट फ्लैशेस की होती है, जिसमें अचानक शरीर में गर्मी की लहर महसूस होती है, पसीना आता है और दिल की धड़कन तेज हो जाती है। यह रात में नाइट स्वेट्स के रूप में भी प्रकट होता है, जो नींद में बाधा डालता है। वेजाइनल ड्रायनेस एक और प्रमुख समस्या है, जिसमें वेजाइना में सूखापन और जलन होती है, जो सेक्स के दौरान दर्द का कारण बनती है। हार्मोनल बदलाव के कारण मूड स्विंग्स, चिड़चिड़ापन, उदासी और एकाग्रता में कमी भी देखी जाती हैं। कुछ महिलाओं को अनियमित पीरियड्स, सिरदर्द या जोड़ों में दर्द का अनुभव होता है। ये लक्षण कुछ महीनों से तीन-चार वर्ष तक रह सकते हैं। यदि मेनोपॉज समय से पहले होता है, तो ये लक्षण अधिक गंभीर हो सकते हैं।

मेनोपॉज के बाद की समस्याएंः मेनोपॉज के बाद की अवधि पोस्टमेनोपॉज कहलाता है, जिसमें लक्षण कम हो सकते हैं, लेकिन स्वास्थ्य जोखिम बढ़ जाते हैं। एस्ट्रोजन की कमी के कारण हृदय रोग का खतरा बढ़ता है, क्योंकि यह हार्मोन रक्त वाहिकाओं को लचीला रखने और कोलेस्ट्रॉल को संतुलित करने में मदद करता है। मेनोपॉज के बाद ऑस्टियोपोरोसिस भी हो सकता है, जिसमें हड्डियां कमजोर हो जाती हैं और फ्रैक्चर का खतरा बढ़ता है। मेनोपॉज के बाद महिलाओं की बोन डेंसिटी 25 प्रतिशत तक घट सकती है। खासतौर पर बैकबोन और हिप्स में दर्द होने की आशंका बढ़ जाती है। मेनोपॉज के बाद वेजाइनल ड्रायनेस और यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन (यूटीआई) बढ़ सकते हैं। इसी वजह से मेनोपॉज के बाद कुछ महिलाओं में चिड़चिड़ापन, उदासी और डिप्रेशन जैसे लक्षण नजर आते हैं। ❀

इन बातों का रखें ध्यान

- मेनोपॉज से पहले अनियमित पीरियड्स, हल्की या कम ब्लीडिंग सामान्य बात लक्षण है, लेकिन जब कई दिनों तक हेवी ब्लीडिंग हो तो यह चिंताजनक है, ऐसी स्थिति में आपको बिना देर किए स्त्री रोग विशेषज्ञ से सलाह लेनी चाहिए।
- डाइट में मिल्क प्रोडक्ट्स को प्रमुखता से शामिल करें। इनमें मौजूद कैल्शियम से आपकी हड्डियों को मजबूती मिलेगी।
- अपने नियमित आहार में हर तरह की दाल, अंकुरित अनाज, हरी पत्तेदार सब्जियों और मौसमी फलों को प्रमुखता से शामिल करें।
- प्रतिदिन सुबह आधे घंटे के लिए धूप में जरूर बैठें। सूरज की किरणों से मिलने वाला विटामिन-डी हड्डियों की मजबूती के लिए जरूरी होता है।

प्रस्तुतिः विनीता

खबर संक्षेप

मधुमक्खियों का हमला एक की मौत, कई घायल

भोपाल। धार जिले के डेहरी क्षेत्र में आने वाले ग्राम झिगरी बयड़ी में आयोजित मृत्यु भोज कार्यक्रम में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब पास के पेड़ों पर लगे छत्तों से हजारों की संख्या में मधुमक्खियां अचानक उड़कर लोगों पर टूट पड़ीं। मधुमक्खियों के हमले से लोगों को संभलने या छिपने का मौका तक नहीं मिला। इस हमले में गातला निवासी हुसैन पिता गुलाब को मधुमक्खियों ने इतनी बुरी तरह डंक मारा कि उनकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हमले में घायल हुए अन्य 20 से अधिक लोगों में से 5 की स्थिति काफी नाजुक बनी हुई है। गंभीर घायलों को तुरंत बाग के अस्पताल में रेफर किया गया, जबकि मामूली घायलों का इलाज स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र में किया जा रहा है।

590 करोड़ के घोटाले पर सदन में हंगामा, विपक्ष का वॉकआउट

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ चंडीगढ़

हरियाणा विधानसभा में सोमवार को बजट सत्र के दूसरे दिन की कार्यवाही दोपहर दो बजे प्रश्नकाल से शुरू हुई। सदन में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक में 590 करोड़ रुपए के घोटाले पर जमकर हंगामा हुआ। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा के बीच मामले को लेकर बहस हुई। हुड्डा ने कहा कि यह बेहद गंभीर ही गंभीर मामला है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इस मामले में जवाब देते हुए कहा कि इस मामले में कार्रवाई हो रही है। इसके बाद कांग्रेस के विधायकों ने हंगामा कर सदन से वॉकआउट कर दिया। हालांकि, बाद में वे लौटे आए।

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा

भाजपा विधायक घनश्याम अरोड़ा ने राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा की शुरुआत की और उनके साथ ही सत्ता पक्ष की ओर से विचार रखते हुए सरकार के कामकाज की जमकर प्रशंसा की। जबकि कांग्रेस की ओर से अशोक अरोड़ा ने सदन में पंडित दीनदयाल उपाध्याय के नाम पर सत्ता पक्ष की ओर से कालोनियां काटने के आरोप लगाए जिसपर शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने आपत्ति की। जिस पर सत्तापक्ष और कांग्रेसी सदस्यों के बीच में तीखी नोकझोंक हुई। बाद में नेता विपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने हस्तक्षेप किया। मंत्री विपुल गोयल व कृष्ण बेदी ने भी इस दौरान शोरगुल के बीच कांग्रेस को उनके शासनकाल की याद दिलाई साथ ही कहा कि बड़ी संख्या में भाजपा सरकार ने अवैध कालोनियों को वैध कर दिया है।

हरियाणा विधानसभा सत्र के दूसरे दिन सदन में कई मुद्दों पर हुई तीखी बहस

यूट्यूब चैनल के खिलाफ निंदा प्रस्ताव दिया

विधान सभा के बजट सत्र के दौरान सोमवार को एक यूट्यूब चैनल 'एक्शन इंडिया हरियाणा' के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव सदन में पेश किया गया। विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने इस प्रस्ताव को सदन की सहमति से विशेषाधिकार समिति को भेज दिया। यह प्रस्ताव विधायक प्रमोद विज की ओर से हरियाणा विधान सभा के कार्य प्रक्रिया एवं कार्य संचालन नियमों के तहत पेश किया गया था। इसमें उन्होंने चैनल पर विशेषाधिकार हनन एवं सदन की अवमानना का प्रश्न उठाया।
विधायक प्रमोद विज ने कहा था कि एक्शन इंडिया हरियाणा (एआई) सोशल मीडिया चैनल के प्रबंध निदेशक, प्रकाशक, संपादक, निर्माता और संवाददाता का उद्देश्य विधायिका एवं विधान सभा के नेता मुख्यमंत्री की प्रतिष्ठा और गरिमा को धूमिल करना था। इस मामले में विधान सभा के हस्तक्षेप की आवश्यकता है।

स्वास्थ्य विभाग में 4000 से अधिक पद खाली, मंत्री का भर्ती प्रक्रिया तेज करने का दावा

रानियां से विधायक अर्जुन चौटाला द्वारा पूछे गए अतारांकित प्रश्न के उत्तर में स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने सदन में बताया कि प्रदेश के स्वास्थ्य विभाग में विभिन्न श्रेणियों के हजारों पद रिक्त पड़े हैं और उन्हें भरने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। मेडिकल ऑफिसर के 4,054 स्वीकृत पदों में से 541 पद खाली हैं, जिनमें से 450 पदों का विज्ञापन 5 दिसंबर 2025 को जारी किया जा चुका है। वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के 644 पदों में से 210 पद रिक्त हैं और 48 पदों की पदोन्नति का मामला सरकार स्तर पर विचाराधीन है। सिविल सर्जन/पीएमओ श्रेणी के 51 पदों में से 22 पद खाली हैं, जिन्हें पदोन्नति के माध्यम से भरने की प्रक्रिया आरंभ की गई है। दंत चिकित्सकों के 725 पदों में से 87 रिक्त हैं और 64 पदों के लिए हरियाणा लोक सेवा आयोग को 17 फरवरी 2026 को मांग पत्र भेजा गया है।

मालवा की अनुकूल जलवायु व भौगोलिक स्थिति उद्योगों के लिए उपयुक्त: मुख्यमंत्री

पीथमपुर इंडस्ट्रियल कॉन्क्लेव में 40 वर्षों की औद्योगिक यात्रा

औद्योगिक उत्कृष्टता सम्मान एवं मप्र के औद्योगिक विकास गान का प्रदर्शन

पुस्तक का विमोचन करते मुख्यमंत्री डॉ.

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश के औद्योगिक विकास में मालवा का अपना विशिष्ट महत्व है। मालवा क्षेत्र की अनुकूल जलवायु और भौगोलिक स्थिति उद्योगों के लिए अत्यंत उपयुक्त है। दिल्ली और मुंबई जैसे महानगरों तक 8-लेन एक्सप्रेस-वे से दूरी कम होने से यातायात और लॉजिस्टिक्स की सुविधाएं सुदृढ़ हुई हैं। प्रदेश सरकार नए प्रोजेक्ट्स से परिवहन और आधारभूत संरचना को और मजबूत कर रही है। डॉ. यादव रविवार को इंदौर में पीथमपुर औद्योगिक संगठन द्वारा पीथमपुर इंडस्ट्रियल कॉन्क्लेव एवं पुस्तक विमोचन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि उद्योगों का दायरा निरंतर विस्तारित किया जा रहा है।

डॉ. यादव ने किया विकास यात्रा पर आधारित स्मारक ग्रंथ का विमोचन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र की 40 वर्षों की विकास यात्रा पर आधारित पीथमपुर औद्योगिक संगठन के अध्यक्ष डॉ. गौतम कोठारी द्वारा लिखित स्मारक ग्रंथ 'पीथमपुरः जीरो टू जेनिथ-ए जर्नी ऑफ 40 इयर्स' का विमोचन किया। यह ग्रंथ पीथमपुर की औद्योगिक उत्कर्ष गाथा, उपलब्धियों एवं क्रमिक विकास का विस्तृत दस्तावेज प्रस्तुत करता है।

ग्लोबल काबुली चना कॉन्क्लेव में सीएम की घोषणा

खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों को दिया जाएगा उद्योग का दर्जा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कह कि मप्र कृषि के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। मप्र दलहन एवं तिलहन उत्पादन में भी देश का अग्रणी राज्य है। प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण को बढ़ावा देने के लिए सरकार पुरजोर प्रयास कर रही है। उन्होंने निवेशकों का आह्वान करते हुए कहा कि खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना में निवेश करें, राज्य शासन की ओर से हर संभव मदद प्रदान की जाएगी। प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों को उद्योग का दर्जा दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को इंदौर में आयोजित ग्लोबल काबुली चना कॉन्क्लेव को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश में कृषि आधारित उद्योग बढ़ाने सहित खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनाने का लक्ष्य रखा गया है। प्रदेश सरकार किसान, उद्योग और व्यापार को साथ लेकर विकास का नया मॉडल तैयार कर रही है। उन्होंने कहा कि निजी क्षेत्र में खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना को प्रोत्साहित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसके लिए शासन की ओर से पूर्ण सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि चना भारतीय भोजन का अभिन्न हिस्सा है और विशेष रूप से शाकाहारी समाज के लिए यह पोषण का बड़ा स्रोत है। दुनिया में दाल उत्पादन और उपभोग में भारत अग्रणी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में किसानों के हित संरक्षण और कल्याण के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं और वैश्विक स्तर पर भी किसानों का पक्ष मजबूती से रखा जा रहा है। डॉ. यादव ने कहा कि मप्र सरकार ने किसानों और कृषि आधारित उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए 5 वर्ष का रोडमैप तैयार किया है।

बालको थाना क्षेत्र का मामला, आरोपी पति गिरफ्तार

पति ने पत्नी को डंडे से पीटकर उतारा मौत के घाट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कोरबा

बालको थाना क्षेत्र में एक सनसनीखेज हत्या का मामला सामने आया है। यहां एक पति ने अपनी पत्नी को डंडे से पीटकर मौत के घाट उतार दिया। इस घटना से पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल बना हुआ है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच कार्रवाई प्रारंभ कर दी है। आरोपी पति को भी तत्काल पकड़ लिया गया है। आरोपी की पहचान फुलजेन तिर्की के रूप में हुई है। वह अपने बेटे के साथ गोवा में काम करता था। बीती रात वह अपने मुड़धुवा गांव स्थित घर लौटा था। घर लौटने पर उसका अपनी पत्नी गीता तिर्की (36) से चरित्र शंका को लेकर विवाद हुआ। आक्रोशित होकर फुलजेन ने पत्नी पर लकड़ी के डंडे से ताबड़तोड़ वार किए। मृतका के शरीर पर गंभीर चोट के निशान पाए गए हैं।

चरित्र शंका को लेकर हत्या की आशंका

स्थानीय लोगों ने बताया कि मृतका अपने छोटे पुत्र के साथ घर पर रहती थी। जबकि पति और बड़ा बेटा गोवा में रहकर काम करते थे। पुलिस के मुताबिक आरोपी पति फुलजेन तिर्की को हिरासत में लिया गया है। पुलिस की टीम बालको थाना प्रभारी के नेतृत्व में घटनास्थल पर जांच कर रही है। घटनास्थल पर लोगों की भारी भीड़ देखने को मिली। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नीतीश ठाकुर ने हत्या की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि पुलिस को सूचना मिलते ही टीम मौके पर पहुंची थी। घटनाक्रम की जानकारी लेते हुए आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया गया। प्रारंभिक जांच में चरित्र शंका को लेकर हत्या करने की बात सामने आई है। फिलहाल आरोपी पति से गहन पूछताछ की जा रही है।

अस्पताल में उपचार जारी, सुरक्षा बलों ने तेज की नक्सलियों की तलाशी

माओवादियों की कायराना हरकत, आईईडी में विस्फोट, एक जवान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बीजापुर

दक्षिण क्षेत्र में को संयुक्त सुरक्षा बलों की टीम क्षेत्र प्रभुत्व अभियान पर निकली हुई थी। इस अभियान के दौरान माओवादियों द्वारा लगाए गए एक दबाव विस्फोटक उपकरण में अचानक विस्फोट हो गया। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में विशेष कार्य बल का एक जवान घायल हो गया। यह घटना सोमवार की है। जानकारी के अनुसार, संयुक्त टीम क्षेत्र में सघन तलाशी और क्षेत्र प्रभुत्व ड्यूटी पर तैनात थी। इसी दौरान नक्सलियों द्वारा पहले से प्लांट किए गए दबाव विस्फोटक उपकरण पर एक जवान का पैर पड़ गया। पैर पड़ते ही अचानक जोरदार विस्फोट हुआ, जिससे विशेष कार्य बल का एक जवान गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के तुरंत बाद साथ में मौजूद अन्य जवानों ने घायल साथी को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। उसे तत्काल प्राथमिक उपचार भी दिया गया। बाद में बेहतर इलाज के लिए घायल जवान को उच्च चिकित्सा केंद्र रेफर किया गया है। चिकित्सकों के अनुसार, फिलहाल जवान की हालत स्थिर बताई जा रही है, जो सभी के लिए राहत की बात है।

सुरक्षा बलों ने तुरंत संभाला मोर्चा

विस्फोट की घटना के बाद सुरक्षाबलों ने तुरंत मोर्चा संभाला और स्थिति को नियंत्रण में लिया। साथ में मौजूद जवानों ने घायल जवान को बिना किसी देरी के सुरक्षित निकालकर प्राथमिक उपचार दिया। उसे शीघ्र ही उच्च चिकित्सा केंद्र भेजा गया ताकि उसे सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधा मिल सके। इस कार्यवाही से घायल जवान को समय पर उपचार मिल पाया। सुरक्षाबलों ने पूरे इलाके में अपना तलाशी अभियान तेज कर दिया है। इस घटना के बाद आसपास के क्षेत्र में अतिरिक्त सतर्कता बरती जा रही है। सुरक्षा बल माओवादियों की संभावित गतिविधियों पर पैनी नजर रख रहे हैं और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए तैयार हैं। क्षेत्र प्रभुत्व अभियान का मुख्य उद्देश्य इलाके में शांति और सुरक्षा स्थापित करना है। माओवादी ऐसी घटनाओं के माध्यम से सुरक्षा बलों के मनोबल को तोड़ने का प्रयास करते हैं, लेकिन सुरक्षा बल अपने कर्तव्यों के प्रति दृढ़ हैं और अभियान जारी रखेंगे।

☛ यात्रीगण कृपया ध्यान दें! ☛

होली विशेष रेलगाड़ियाँ – 2026 की संख्या में वृद्धि

रेलयात्रियों की सुविधा के लिए आगामी होली त्यौहार के दौरान पहले से ही घोषित अनेक होली विशेष रेलगाड़ियों के अलावा रेलवे द्वारा निम्नलिखित होली त्यौहार विशेष रेलगाड़ियों का भी संचालन किया जायेगा, जिनका विस्तृत विवरण निम्नानुसार है:–

09189/09190 मुंबई सेंट्रल – कटिहार – मुंबई सेंट्रल एक्सप्रेस विशेष रेलगाड़ी विशेष किराए पर (साप्ताहिक) — 11 फेरे

गाड़ी सं. 09189		↓ स्टेशन ↑	गाड़ी सं. 09190	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	10:55	मुंबई सेंट्रल	18:40	----
13:45	13:55	लखनऊ	16:25	16:35
07:30	----	कटिहार	----	00:15

चलने के दिन: **09189 मुंबई सेंट्रल** से प्रत्येक शनिवार को दिनांक 28.02.2026 से 28.03.2026 तक और **09190 कटिहार** से प्रत्येक मंगलवार को दिनांक 24.02.2026 से 31.03.2026 तक।
ठहराव: बोरीवली, वापी, वलसाड, सूरत (केवल रेलगाड़ी सं. 09189 के लिए), भरूच, वडोदरा, रतलाम, उज्जैन, संत हिरदाराम नगर, विदिशा, बीना, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ, गोंडा, मनकापुर, बस्ती, खलीलाबाद, गोरखपुर, देवरिया, सीवान, छपरा, हाजीपुर, बरौनी जं., बेगूसराय, खगड़िया एवं नौगछिया स्टेशन।
स्थान: 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य श्रेणी।

09183/09184 मुंबई सेंट्रल – बनारस – मुंबई सेंट्रल वातानुकूलित एक्सप्रेस विशेष रेलगाड़ी विशेष किराए पर (साप्ताहिक) — 08 फेरे

गाड़ी सं. 09183		↓ स्टेशन ↑	गाड़ी सं. 09184	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	22:30	मुंबई सेंट्रल	04:20	----
04:15	04:25	लखनऊ	21:15	21:25
10:30	----	बनारस	----	14:30

चलने के दिन: **09183 मुंबई सेंट्रल** से प्रत्येक बुधवार को दिनांक 04.03.2026 से 25.03.2026 तक और **09184 बनारस** से प्रत्येक शुक्रवार को दिनांक 06.03.2026 से 27.03.2026 तक।
ठहराव: बोरीवली, पालघर, वापी, सूरत, वडोदरा, रतलाम, कोटा, सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, भरतपुर, ईदगाह, टूण्डला, शिकोहाबाद, मैनपुरी, भोंगांव, फ़रुखाबाद, कन्नौज, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ, रायबरेली जं., अमेठी, प्रतापगढ़, जंघई जं. एवं भदोही स्टेशन।
स्थान: प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकॉनोमी।

09111 / 09112 वडोदरा – गोरखपुर – वडोदरा एक्सप्रेस विशेष रेलगाड़ी विशेष किराए पर (साप्ताहिक) — 09 फेरे

गाड़ी सं. 09111		↓ स्टेशन ↑	गाड़ी सं. 09112	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	19:00	वडोदरा	08:35	---
18:15	18:30	लखनऊ	10:30	10:40
23:30	----	गोरखपुर	----	05:00

चलने के दिन: **09111 वडोदरा** से प्रत्येक सोमवार को दिनांक 02.03.2026 से 23.03.2026 तक और **09112 गोरखपुर** से प्रत्येक बुधवार को दिनांक 25.02.2026 से 25.03.2026 तक।
ठहराव: गोधरा जं., रतलाम जं., कोटा, सवाईमाधोपुर, गंगापुर सिटी, भरतपुर, ईदगाह, टूण्डला जं., शिकोहाबाद जं., मैनपुरी जं., फ़रुखाबाद, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ, बाराबंकी, गोंडा एवं बस्ती स्टेशन।
स्थान: प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य श्रेणी।

09195/09196 वडोदरा – मऊ – वडोदरा सुपर फास्ट एक्सप्रेस विशेष रेलगाड़ी विशेष किराए पर (साप्ताहिक) — 10 फेरे

गाड़ी सं. 09195		↓ स्टेशन ↑	गाड़ी सं. 09196	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	19:00	वडोदरा	00:45	---
13:15	13:20	लखनऊ	05:30	05:35
20:45	----	मऊ	----	23:15

चलने के दिन: **09195 वडोदरा** से प्रत्येक शनिवार को दिनांक 28.02.2026 से 28.03.2026 तक और **09196 मऊ** से प्रत्येक रविवार को दिनांक 01.03.2026 से 29.03.2026 तक।
ठहराव: गोधरा जं. (केवल रेलगाड़ी सं. 09195 के लिए), दाहोद, रतलाम जं., कोटा जं., बयाना जं., आगरा फोर्ट, टूण्डला जं., कानपुर सेंट्रल, लखनऊ, सुल्तानपुर एवं वाराणसी स्टेशन।
स्थान: प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य श्रेणी।

09075/09076 मुंबई सेंट्रल – काठगोदाम – मुंबई सेंट्रल सुपर फास्ट एक्सप्रेस विशेष रेलगाड़ी विशेष किराए पर (साप्ताहिक) — 10 फेरे

गाड़ी सं. 09075		↓ स्टेशन ↑	गाड़ी सं. 09076	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	10:55	मुंबई सेंट्रल	21:00	---
10:45	10:50	बरेली जं.	20:42	20:47
14:30	----	काठगोदाम	----	17:30

चलने के दिन: **09075 मुंबई सेंट्रल** से प्रत्येक बुधवार को दिनांक 25.02.2026 से 25.03.2026 तक और **09076 काठगोदाम** से प्रत्येक गुरुवार को दिनांक 26.02.2026 से 26.03.2026 तक।
ठहराव: बोरीवली, वापी, वलसाड, सूरत, वडोदरा, रतलाम, कोटा, गंगापुर सिटी, हिंडौन सिटी, भरतपुर, मथुरा, हाथरस सिटी, कासगंज, बदायूं, बरेली जं., बरेली सिटी, इज्जतनगर जं., बहेरी, किच्छा, लालकुआँ जं. एवं हल्द्वानी स्टेशन।
स्थान: 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य श्रेणी।

09309/09310 इंदौर – हज़रत निज़ामुद्दीन – इंदौर सुपर फ़ास्ट विशेष रेलगाड़ी विशेष किराए पर (द्वि–साप्ताहिक) — 18 फेरे

गाड़ी सं. 09309		↓ स्टेशन ↑	गाड़ी सं. 09310	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	17:00	इंदौर	21:00	---
05:00	----	हज़रत निज़ामुद्दीन	----	08:20

चलने के दिन: **09309 इंदौर** से प्रत्येक शुक्रवार व रविवार को दिनांक 27.02.2026 से 27.03.2026 तक और **09310 हज़रत निज़ामुद्दीन** से प्रत्येक शनिवार व सोमवार को दिनांक 28.02.2026 से 28.03.2026 तक।
ठहराव: देवास, उज्जैन जं., नागदा जं., शामगढ़, रामगंज मंडी, कोटा जं., सवाई माधोपुर जं., गंगापुर सिटी, भरतपुर जं. एवं मथुरा जं. स्टेशन।
स्थान: 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य श्रेणी।

09425/09426 साबरमती – हरिद्वार – साबरमती एक्सप्रेस विशेष रेलगाड़ी विशेष किराए पर (साप्ताहिक) — 09 फेरे

गाड़ी सं. 09425		↓ स्टेशन ↑	गाड़ी सं. 09426	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	18:45	साबरमती	22:30	---
14:00	14:10	दिल्ली जं.	04:30	04:40
20:30	----	हरिद्वार	----	21:45

चलने के दिन: **09425 साबरमती** से प्रत्येक सोमवार को दिनांक 02.03.2026 से 23.03.2026 तक और **09426 हरिद्वार** से प्रत्येक मंगलवार को दिनांक 24.02.2026 से 24.03.2026 तक।
ठहराव: महेसाणा जं., पालनपुर जं., आबू रोड, पिंडवाड़ा, जवाई बांध, फालना, रानी, मारवाड़ जं., ब्यावर, अजमेर जं., किशनगढ़, जयपुर जं., गांधीनगर जयपुर, बांदीकुई जं., अलवर जं., रेवाड़ी जं., गुड़गांव, दिल्ली छावनी, दिल्ली जं., गाजियाबाद, मेरठ सिटी, मुजफ्फर नगर एवं रुड़की स्टेशन।
स्थान: 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य श्रेणी।

04414/04413 हज़रत निज़ामुद्दीन – मथुरा जं. – हज़रत निज़ामुद्दीन अनारक्षित विशेष रेलगाड़ी — 10 फेरे

गाड़ी सं. 04414		↓ स्टेशन ↑	गाड़ी सं. 04413	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	10:30	हज़रत निज़ामुद्दीन	17:45	---
13:00	----	मथुरा जं.	----	14:30

चलने के दिन: **04414 हज़रत निज़ामुद्दीन** और **04413 मथुरा जं.** से दिनांक 27.02.2026 से 03.03.2026 तक (प्रतिदिन)।
ठहराव: ओखला, तुगलकाबाद, फरीदाबाद, फरीदाबाद न्यू टाउन, बल्लभगढ़, असावती, पलवल, शोलाका, कोसी कलां, छाता, वृन्दावन रोड एवं भूतेश्वर स्टेशन।
स्थान: सामान्य श्रेणी।

05575/05576 सहरसा जं. – आनंद विहार (ट) – सहरसा जं. एक्सप्रेस विशेष रेलगाड़ी (साप्ताहिक) — 03 फेरे

गाड़ी सं. 05575		↓ स्टेशन ↑	गाड़ी सं. 05576	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	20:00	सहरसा जं.	10:30	----
18:32	18:34	बरेली जं.	10:38	10:40
01:05	----	आनंद विहार (ट)	----	05:15

चलने के दिन: **05575 सहरसा जं.** से दिनांक 11.03.2026 (बुधवार) को और **05576 आनंद विहार (ट)** से दिनांक 10.03.2026 एवं 17.03.2026 (मंगलवार) को।
ठहराव: गढ़ बरुआरी, सुपौल, सरायगढ़, निर्मली, घोगरडीहा, झंझारपुर जं., सकरी जं., शीशो, जनकपुर रोड, सीतामढ़ी, बैरगनिया, रक्सौल जं., नरकटियागंज जं., बगहा, कप्तानगंज जं., गोरखपुर, बस्ती, गोंडा जं., सीतापुर जं., शाहजहांपुर, बरेली जं., मुरादाबाद, हापुड़ एवं गाजियाबाद स्टेशन।
स्थान: 3 टियर वाता. इकॉनोमी, शयनयान एवं सामान्य श्रेणी।

05579/05580 पूर्णिया कोर्ट – आनंद विहार (ट) – पूर्णिया कोर्ट एक्सप्रेस विशेष रेलगाड़ी (सप्ताह में 4 दिन) — 13 फेरे

गाड़ी सं. 05579		↓ स्टेशन ↑	गाड़ी सं. 05580	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	16:30	पूर्णिया कोर्ट	13:45	----
18:32	18:34	बरेली जं.	10:38	10:40
01:05	----	आनंद विहार (ट)	----	05:15

चलने के दिन: **05579 पूर्णिया कोर्ट** से मंगलवार, शुक्रवार, शनिवार, रविवार को दिनांक 06.03.2026 से 15.03.2026 तक और **05580 आनंद विहार (ट)** से गुरुवार, रविवार, सोमवार, शुक्रवार को दिनांक 08.03.2026 से 16.03.2026 तक।
ठहराव: बनमनखी जं., मुरलीगंज, दौरम मधेपुरा, सहरसा जं., गढ़ बरुआरी, सुपौल, सरायगढ़, निर्मली, घोगरडीहा, झंझारपुर जं., सकरी जं., शिशो, जनकपुर रोड, सीतामढ़ी, बैरगनिया, रक्सौल जं., नरकटियागंज जं., बगहा, कप्तानगंज जं., गोरखपुर, बस्ती, गोंडा जं., सीतापुर जं., शाहजहांपुर, बरेली जं., मुरादाबाद, हापुड़ एवं गाजियाबाद स्टेशन। स्थान: 3 टियर वाता. इकॉनोमी, शयनयान एवं सामान्य श्रेणी।

03293/03294 पटना जं. – नई दिल्ली – पटना जं. एक्सप्रेस विशेष रेलगाड़ी (प्रतिदिन) — 24 फेरे

गाड़ी सं. 03293		↓ स्टेशन ↑	गाड़ी सं. 03294	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	21:00	पटना जं.	12:25	----
12:50	----	नई दिल्ली	----	14:15

चलने के दिन: **03293 पटना जं.** से दिनांक 05.03.2026 से 15.03.2026 तक (प्रतिदिन) और **03294 नई दिल्ली से दिनांक** 06.03.2026 से 16.03.2026 तक (प्रतिदिन)।
ठहराव: दानापुर, आरा, बक्सर, पंडित दीन दयाल उपाध्याय जं., सूबेदारगंज एवं गोविंदपुरी स्टेशन।
स्थान: 3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकॉनोमी, शयनयान एवं सामान्य श्रेणी।

02397/02398 शेखपुरा – नई दिल्ली – शेखपुरा एक्सप्रेस विशेष रेलगाड़ी (साप्ताहिक) — 02 फेरे

गाड़ी सं. 02397		↓ स्टेशन ↑	गाड़ी सं. 02398	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	11:30	शेखपुरा	14:45	----
11:40	----	नई दिल्ली	----	13:30

चलने के दिन: **02397 शेखपुरा** से रविवार दिनांक 01.03.2026 को और **02398 नई दिल्ली** से सोमवार दिनांक 02.03.2026 को।
ठहराव: वारिसलीगंज, नवादा, तिलैया, गया जं., अनुग्रह नारायण रोड, डेहरी ऑन सोन, सासाराम, भभुआ रोड, पंडित दीन दयाल उपाध्याय जं., प्रयागराज जं., गोविंदपुरी एवं टूण्डला जं. स्टेशन।
स्थान: प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकॉनोमी, शयनयान एवं सामान्य श्रेणी।

03697/03698 शेखपुरा – नई दिल्ली – शेखपुरा एक्सप्रेस विशेष रेलगाड़ी (सप्ताह में 4 दिन) — 06 फेरे

गाड़ी सं. 03697		↓ स्टेशन ↑	गाड़ी सं. 03698	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	11:30	शेखपुरा	14:45	----
11:40	----	नई दिल्ली	----	13:30

चलने के दिन: **03697 शेखपुरा** से सोमवार, मंगलवार, शुक्रवार, शनिवार को दिनांक 27.02.2026 से 02.03.2026 तक और **03698 नई दिल्ली** से मंगलवार, बुधवार, शनिवार, रविवार को दिनांक 28.02.2026 से 03.03.2026 तक।
ठहराव: वारिसलीगंज, नवादा, तिलैया, गया जं., अनुग्रह नारायण रोड, डेहरी ऑन सोन, सासाराम, भभुआ रोड, पंडित दीन दयाल उपाध्याय जं., प्रयागराज जं., गोविंदपुरी एवं टूण्डला जं. स्टेशन।
स्थान: 2 टियर वाता. सह 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य श्रेणी।

नोटः रेलगाड़ी सं. 02397/02398/03697/03698 का आगमन/प्रस्थान स्टेशन दिनांक 02.03.2026 तक नई दिल्ली और उसके बाद यह आनंद विहार (ट) होगा।

03639/03640 धनबाद जं. – शकूरबस्ती – धनबाद जं. एक्सप्रेस विशेष रेलगाड़ी (द्वि–साप्ताहिक) — 04 फेरे

गाड़ी सं. 03639		↓ स्टेशन ↑	गाड़ी सं. 03640	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	18:30	धनबाद जं.	23:45	----
18:10	----	शकूरबस्ती	----	21:10

चलने के दिन: **03639 धनबाद जं.** से सोमवार व शुक्रवार को दिनांक 06.03.2026 से 09.03.2026 तक और **03640 शकूरबस्ती** से मंगलवार व शनिवार को दिनांक 07.03.2026 से 10.03.2026 तक।
ठहराव: गोमोह जं., पारसनाथ, हजारीबाग रोड, कोडरमा, गया जं., अनुग्रह नारायण रोड, डेहरी ऑन सोन, सासाराम, भभुआ रोड, पंडित दीन दयाल उपाध्याय जं., प्रयागराज जं., गोविंदपुरी एवं दिल्ली जं. स्टेशन।
स्थान: 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य श्रेणी।

रेलयात्रियों से अनुरोध है किसी भी जानकारी के लिए कृपया रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES ऐप देखें।

पर हमें फॉलो करें

उत्तर रेलवे
आपकी सुविधा–हमारा ध्येय
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

चिंतन

बैंक निगरानी प्रणाली को और सख्त बनाएं

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक की चंडीगढ़ शाखा में सामने आया 590 करोड़ रुपये का घोटाला केवल एक बैंक या एक शाखा की चूक भर नहीं है, बल्कि यह पूरे बैंकिंग तंत्र की निगरानी और जवाबदेही पर गंभीर सवाल खड़ा करता है। बैंक का यह कहना कि मामला एक ही ब्रांच तक सीमित है, आश्वस्त करने वाला अवश्य है, परंतु यह पर्याप्त नहीं। वित्तीय व्यवस्था भरोसे पर टिकी होती है, और जब उसी भरोसे में दरार पड़ती है तो उसका प्रभाव दूरगामी होता है। घोटाले के खुलासे के बाद बैंक के शेयरों में लगभग 20 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई, जो मार्च 2020 के बाद सबसे बड़ी गिरावट बताई जा रही है। बाजार पूंजीकरण में 14,438 करोड़ रुपये की कमी इस बात का संकेत है कि निवेशकों का विश्वास किस तेजी से डगमगा सकता है। बैंक के अनुसार, चंडीगढ़ शाखा के कुछ कर्मचारियों ने हरियाणा सरकार से जुड़े खातों में बिना अनुमति लेन-देन किया, जिससे 590 करोड़ रुपये की जमा राशि में गड़बड़ी सामने आई। यह मामला तब उजागर हुआ जब 18 फरवरी 2026 को सरकार की संस्थाओं ने खातों में वास्तविक शेष राशि और दावा की गई राशि के बीच अंतर पाया। सवाल यह है कि इतनी बड़ी रकम का हेरफेर लंबे समय तक कैसे चलता रहा और आंतरिक ऑडिट या निगरानी प्रणाली को इसकी भनक तक क्यों नहीं लगी? यह घटना स्पष्ट संकेत देती है कि केवल नियमों का होना पर्याप्त नहीं, बल्कि उनका प्रभावी क्रियान्वयन और सतत निगरानी अधिक महत्वपूर्ण है। आज बैंकिंग प्रणाली में कोर बैंकिंग सॉल्यूशन, डिजिटल ट्रैकिंग, ऑडिट ट्रेल और जोखिम प्रबंधन जैसी कई परतें मौजूद हैं। फिर भी यदि कर्मचारियों की मिलीभगत से इतनी बड़ी राशि का दुरुपयोग हो सकता है, तो यह 'इनसाइडर रिस्क' की गंभीर समस्या को रेखांकित करता है। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने जांच के आदेश देते हुए कहा है कि सरकार ब्याज सहित पूरी राशि अधिकृत बैंक में स्थानांतरित करेगी। मामला भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो और सतर्कता विभाग को सौंपा गया है। यह कदम स्वागतयोग्य है, परंतु राजनीतिक बयानबाजी से आगे बढ़कर संस्थागत सुधार की आवश्यकता है। सबसे अहम प्रश्न यह है कि भविष्य में ऐसी घटनाओं को कैसे रोका जाए। इसके लिए कुछ ठोस कदम उठाने होंगे। बैंकों में आंतरिक नियंत्रण प्रणाली को और अधिक तकनीकी रूप से सशक्त किया जाए। एआई आधारित 'रियल टाइम ट्रांजेक्शन मॉनिटरिंग' सिस्टम लागू किए जाएं, जो असामान्य गतिविधियों पर तुरंत अलर्ट जारी करें। कर्मचारियों के लिए सख्त 'रोटेशन पॉलिसी' लागू की जाए। एक ही शाखा या विभाग में लंबे समय तक तैनाती से जोखिम बढ़ता है। नियमित अंतराल पर स्थानांतरण और बैकग्राउंड वेरिफिकेशन से मिलीभगत की संभावनाएं कम की जा सकती हैं। नियामक संस्थाओं द्वारा आकस्मिक निरीक्षण (सरप्राइज ऑडिट) की आवृत्ति बढ़ाई जानी चाहिए। केवल वार्षिक या तिमाही ऑडिट पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं है। चौथी, व्हिसलब्लोअर तंत्र को और मजबूत बनाया जाए, ताकि ईमानदार कर्मचारी बिना किसी भय के संदिग्ध गतिविधियों की सूचना दे सकें। बैंकिंग व्यवस्था देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। यदि सरकारी खातों तक में इस तरह की अनियमितता संभव है, तो आम खाताधारकों की सुरक्षा को लेकर भी चिंता स्वाभाविक है। साथ ही, तकनीकी उन्नयन, पारदर्शिता और जवाबदेही को प्राथमिकता देकर ही भविष्य में ऐसे घोटालों पर प्रभावी लगाम लगाई जा सकती है।

नग्न प्रदर्शन से साख पर सवाल

विरोध

उमेश चतुर्वेदी

> स्वाधीनता आंदोलन और उसके पहले विरोधी आंदोलन चलाने का कांग्रेस का लंबा इतिहास रहा है। आजादी के बाद सबसे ज्यादा वक्त शासन का अनुभव भी उसी के पास है। इसलिए लोकतांत्रिक विरोध के तरीकों व इसके लिए चुने जाने वाले मंचों को लेकर विशेष उम्मीद रखना बेमानी नहीं है। शायद यही वजह है कि इंडिया एआई इम्पैक्ट सम्मेलन में उसके विरोध प्रदर्शनों को राष्ट्रीय समर्थन मिलता नहीं दिख रहा। भाजपा के खिलाफ कांग्रेस का साथ देने वाले ज्यादातर विपक्षी दलों ने भी इस प्रदर्शन को अनुचित बताया है। कांग्रेस के कुछ अंदरूनी नेता भी मानते हैं कि राहुल गांधी की अगुआई वाली कांग्रेस के केंद्रीय घेरे में दूरगामी सोच वाले नेताओं की कमी हो गई है। कांग्रेसी आलानेतृत्व की सलाहकार मंडली नहीं चाहती कि विपक्ष में ऐसी शख्सियत उभरे, जिससे राहुल की प्रासंगिकता कमजोर हो। वह मोदी के बरअक्स लड़ाई में किसी दूसरे विपक्षी नेता को उभरते हुए नहीं देख सकती।

विरोध और मतभिन्नता लोकतंत्र का आभूषण होता है। लेकिन विरोध का तरीका क्या हो या फिर किस जगह हो, इसकी समझ होनी चाहिए। कांग्रेस देश की सबसे पुरानी पार्टी है। स्वाधीनता आंदोलन के साथ-साथ इतिहास के हर पग के साथ कांग्रेस आगे बढ़ती रही है। विरोधी आंदोलन चलाने का स्वाधीनता के पहले उसका लंबा इतिहास रहा। आजादी के बाद सबसे ज्यादा वक्त शासन का अनुभव भी उसी के पास है। इस वजह से उससे लोकतांत्रिक विरोध के तरीकों व विरोध के लिए चुने जाने वाले मंचों को लेकर विशेष उम्मीद रखना बेमानी नहीं है। शायद यही वजह है कि इंडिया एआई इम्पैक्ट सम्मेलन में उसकी ओर से किए गए विरोध प्रदर्शनों को राष्ट्रीय समर्थन मिलता नहीं दिख रहा। पूर्व पत्रकार पवन खेड़ा जैसा प्रवक्ता 20 फरवरी के विरोध प्रदर्शन को चाहे जितना भी वाजिब ठहरा रहा हो, कांग्रेस की इस प्रदर्शन के लिए किरकिरी ही हो रही है।

संसद से लेकर सड़क तक ज्यादातर मुद्दों पर भाजपा के खिलाफ कांग्रेस का साथ देने वाले ज्यादातर विपक्षी दलों को भी युवा कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन नहीं रूचा है। ज्यादातर विपक्षी दलों ने इस प्रदर्शन को अनुचित बताया है। अखिलेश यादव ने शायद सबसे गंभीर बात कही है। उन्होंने कहा है कि राजनीतिक मतभेद अपनी जगह हैं, लेकिन वैश्विक मंच पर ऐसा विरोध प्रदर्शन उचित नहीं था। अखिलेश यहीं तक नहीं रुके, उन्होंने कांग्रेस को एक तरह से नसीहत देते हुए कहा कि विदेशी प्रतिनिधियों के सामने देश को शर्मिंदा करने से बचना चाहिए। कांग्रेस के साथ हर मुमकिन मौके पर गलबहियां डालकर चलने वाले राष्ट्रीय जनता दल के राज्यसभा सदस्य मनोज झा ने भी कांग्रेस को उपदेश ही दिया कि शिकायतें हो सकती हैं, लेकिन विरोध का तरीका बेहतर हो सकता है।

ऐसा नहीं कि भारतीय लोकतंत्र में विरोध की परंपरा नहीं रही है। भारतीय राजनीति के चिर विद्रोही कहे जाने वाले लोहिया ने विरोध करने का जो मुहावरा दिया, वह भारतीय राजनीति का सर्वस्वीकार्य रहा है। उन्होंने संसद से सड़क तक विरोध का तरीका बताया। लोहियावादी विरोध कई मायनों में आक्रामक ही कहा जाएगा। लेकिन विरोध कब और कहां किया जाना चाहिए, इसे लेकर भी भारतीय राजनीति में आमराय रही है। विरोध के मंच ऐसे नहीं होने चाहिए, जिससे भारत को एक राष्ट्र के रूप में वैश्विक शर्मिंदगी उठानी पड़े। इस सूत्र वाक्य को भारतीय राजनीति अपनाती रही है। लेकिन नई दिल्ली के भारत मंडपम में 20 फरवरी को युवा कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन इस सूत्र वाक्य का एक तरह से उल्लंघन ही माना जाएगा। शायद यही वजह है कि कांग्रेस के समर्थक और साथी दल इसकी आलोचना कर रहे हैं या फिर कांग्रेस को नसीहत दे रहे हैं। जिस इंडिया एआई इम्पैक्ट सम्मेलन के मंच का इस्तेमाल युवा कांग्रेस ने नरेंद्र मोदी के विरोध के लिए किया, उसमें 118 देशों के सरकारी प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। 16 से 21 फरवरी तक चले इस सम्मेलन में 22 देशों के शासनाध्यक्षों व मंत्री स्तर के 59 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस सम्मेलन के बाद जो नई दिल्ली घोषणापत्र जारी किया गया, उस पर 88 देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने हस्ताक्षर करके सहमति जताई है। जिसमें अमेरिका, चीन, ब्रिटेन, फ्रांस और रूस जैसे प्रमुख देशों की भी भागीदारी है। इस सम्मेलन में 100 से अधिक वैश्विक स्तर के एआई नेता और 500 से अधिक स्टार्टअप्स ने भी शिरकत की। इस सम्मेलन की महत्ता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता

है कि इस के घोषणा पत्र में अमेरिका और ब्रिटेन ने भी हस्ताक्षर किए हैं। इससे पहले पेरिस में हुए एआई वैश्विक सम्मेलन के बाद जारी घोषणा पत्र में अमेरिका और ब्रिटेन ने हस्ताक्षर नहीं किया था। जबकि पूरी दुनिया जानती है कि वैश्विक मामलों में फ्रांस, अमेरिका और ब्रिटेन एक ही खेमे के देश हैं। जाहिर है कि ऐसे मंच का महज पीएम के विरोध के लिए इस्तेमाल करना सही कदम नहीं माना जाएगा।

भले ही इस विरोध प्रदर्शन को मायावती भी अनुचित बता चुकी हों, वाईएसआर कांग्रेस के नेता जगनमोहन रेड्डी गलत बता चुके हों, फिर भी कांग्रेस द्वारा इसे वाजिब ठहराया जाना साबित करता है कि पार्टी के केंद्रीय ढांचे में उचित-अनुचित का भेद करने वाली शख्सियतों की कमी हो गई है। कांग्रेस के इस विरोध प्रदर्शन को विपक्षी खेमे में ही उसकी सत्ता से दूरी से उपजी हताशा को माना जा रहा है। लेकिन विपक्षी खेमा इसके लिए कांग्रेस के नेतृत्व को ही जिम्मेदार ठहराता है। कांग्रेस के कुछ अंदरूनी नेता भी मानते हैं कि राहुल गांधी की अगुआई वाली कांग्रेस के केंद्रीय घेरे में दूरगामी सोच वाले नेताओं की बहुत कमी हो गई है। इसलिए पार्टी में एकाधिकारवादी और बेपरवाह सोच हावी होती गई है। विपक्षी खेमे के साथ ही पार्टी के कुछ लोग मानते हैं कि अगर पिछले आम चुनाव से पहले नीतीश कुमार को राहुल की अगुआई वाली कांग्रेस ने अपना नेता मान लिया होता या इंडिया गठबंधन का संयोजक स्वीकार कर लिया होता तो संभवतः देश का इतिहास कुछ और होता। इसकी वजह यह है कि नरेंद्र मोदी के बरअक्स नीतीश कुमार ही ऐसे नेता हैं, जिनकी राष्ट्रव्यापी एक छवि है। नीतीश के पास बिहार के अतिरिक्त देश के दूसरे इलाके में जमीनी नेतृत्व और संगठन नहीं है। लेकिन उनकी पहचान पूरे देश में है और उनकी छवि भी विपक्षी खेमे के दूसरे नेताओं की तुलना में कहीं ज्यादा पाक-साफ है। मौजूदा कांग्रेस की कमी यह है कि वह अगले पल उठाए जाने वाले अपने हर कदम के परिणामों का आकलन राहुल गांधी की राजनिक सेहत के लिहाज से करती है। कांग्रेसी आलानेतृत्व की सलाहकार मंडली नहीं चाहती कि विपक्ष में ऐसी कोई शख्सियत उभरे, जिससे राहुल की प्रासंगिकता कमजोर हो। मोदी के बरअक्स लड़ाई में वह किसी दूसरे विपक्षी नेता को उभरते हुए नहीं देख सकती। मोदी विरोधी कदम उठाते वक्त वह भूल जाती है कि उन कदमों का राजनीतिक हासिल क्या होगा? फिर राहुल समर्थक मंडली उन्हें मोदी के बरअक्स सिर्फ नैरेटिव केंद्रित राजनीति की ही सलाह देती है। इन वजहों से राहुल का विरोध भी देश को उनकी तरफ आकर्षित करने का माध्यम नहीं बन पा रहा है।

भारत मंडपम में पूरे पांच दिन चले कार्यक्रम का असर दिल्ली के साथ गुड़गांव व नोएडा के ट्रैफिक पर भी पड़ा। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की कल्पनाहीनता से ट्रैफिक में फंसकर दिल्ली तकरीबन पूरे पांचों दिन हांफती रही। इंडिया एआई इम्पैक्ट सम्मेलन का ध्येय वाक्य 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' को भी लोग कोसते दिखे। कहने का मतलब यह है कि इस सम्मेलन की अहमियत के बावजूद इससे एक बड़ा तबका हलकान रहा। अव्वल तो ऐसे माहौल में कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन को समर्थन मिलना चाहिए था, लेकिन ऐसा होता एकदम नहीं दिखा। कांग्रेस हालांकि दावा करती है कि देश अब मौजूदा सरकार से नाराज है। अगर उसके ही दावों को सच मान लें तो होना तो ये चाहिए था कि कांग्रेस के प्रदर्शन को देश हाथोंहाथ ले। पर ऐसा नहीं हुआ। वजह यह है कि कांग्रेस आलानेतृत्व के कदम आम लोगों में भरोसा पैदा नहीं कर पाए हैं। कांग्रेस की केंद्रीय सलाहकार मंडली की सलाहें जनता के दिलों में मोदी विरोधी हिलोरें पैदा नहीं कर पा रही हैं, तो इसकी वजह यही है कि कांग्रेस के विरोध करने के शऊर, मुद्दे और मंच सही नहीं हैं। इसी वजह से उनकी साख नहीं बन पा रही है। सबसे पुरानी पार्टी होने के नाते कांग्रेस को पता है कि राजनीति में साख का क्या महत्व होता है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक समीक्षक हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

पहल

डॉ. मोनिका शर्मा

स्कूलों में फोन पर रोक बच्चों की बेहतरी से जुड़ा कदम

हाल में ही हिमाचल प्रदेश में बच्चों के स्कूल में मोबाइल फोन लाने पर प्रतिबंध लगाने का सार्थक फैसला किया गया। राज्य सरकार ने विद्यार्थियों की बेहतरी के लिए यह आवश्यक कदम उठाया है। जिसके तहत 1 मार्च के बाद राज्य के सभी सरकारी और निजी स्कूलों में मोबाइल फोन पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध लागू किया जाएगा। बच्चों को स्कूल परिसर में मोबाइल लाने की अनुमति नहीं होगी। इतना ही नहीं इस निर्णय को सख्ती से लागू करने के लिए जुर्माना लगाने का भी निर्णय लिया गया है। इसीलिए किसी विद्यार्थी के पास मोबाइल फोन मिलने पर 500 रुपये का जुर्माना लगाने और मोबाइल जब्त किए जाने का भी प्रावधान किया जाएगा। इतना ही नहीं बच्चे के माता-पिता को भी स्कूल बुलाकर समझाया जाएगा। बार-बार नियम तोड़ने की स्थिति में अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। बच्चों को अच्छी शिक्षा देने और बेहतर स्कूलों में बेहतर परिवेश बनाने से जुड़ी इस कवायद को लेकर राज्य के शिक्षा विभाग द्वारा जल्दी ही मानक प्रक्रिया तैयार की जाएगी। मौजूदा समय में बच्चों को हर ओर से तकनीकी गैजेट्स ने घेर लिया है। घर का आंगन हो या स्कूल परिसर। खेल का मैदान हो या सहज सामाजिक आयोजन। बच्चे हर समय स्क्रीन के संसार में गुम रहते हैं। जिसके चलते आपराधिक गतिविधियों, अवसाद और अकेलेपन का भी शिकार बन रहे हैं। ऑनलाइन खेलों के चैलेंज पूरे करने के फेर में जीवन से हार रहे हैं। पढ़ाई में पीछे हो रहे हैं। मोबाइल फोन के इस्तेमाल की अति अकादमिक मोर्चे पर बच्चों के प्रदर्शन में आ रही गिरावट की बड़ी वजह बन गई है। ध्यान भटकाने वाली गतिविधियों के चलते बच्चे बार-बार स्क्रीन खंगालते हैं। कुछ समय पहले आई यूनेस्को की 'टेक्नोलॉजी इन एजुकेशन' रिपोर्ट के मुताबिक टेक्नोलॉजी से हद से ज्यादा जुड़े रहना, विशेष रूप से स्मार्टफोन के इस्तेमाल की अति से बच्चों के प्रदर्शन पर नकारात्मक पड़ रहा है। यूनेस्को की इस रिपोर्ट में सभी देशों से सावधानीपूर्वक विचार करने और स्कूलों में टेक्नोलॉजी का सार्थक ढंग से इस्तेमाल करने का आग्रह किया गया था। चिंतनीय है कि मोबाइल पर गेम खेलने की लत हो या रील-वीडियो देखने रहने का जुनून। बच्चों का बहुत सा समय स्क्रीन स्क्रॉलिंग में ही बीत रहा है। मोबाइल फोन का अत्यधिक इस्तेमाल बच्चों का समय ही नहीं ले रहा उनकी सेहत पर भी दुष्प्रभाव डाल रहा है। मनोवैज्ञानिक रूप से बच्चों के दिलो दिमाग को बांधती स्क्रीन की दुनिया उनका जीवन तक छीन रही है। ऐसे मामले भी सामने आए हैं कि फोन छोड़ने की और डांटने-डपटने से बच्चों ने सुसाइड जैसे कदम उठा लिया। बीते दिनों गाजियाबाद में ऑनलाइन गेम कोरियन लवर के जाल में फंसकर तीन बहनों ने आत्महत्या कर ली। कुछ समय पहले मध्य प्रदेश में ऑनलाइन गेमिंग में 40 हजार रुपये हारने पर 6वीं कक्षा में पढ़ रहे 13 साल के बच्चे का आत्महत्या की थी। इन्हीं दिनों हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में एक किशोर ने ऑनलाइन गेम के अपने एक विदेशी साथी के बिछड़ने की पीड़ा के चलते जीवन का साथ छोड़ दिया।

एक ओर ऑनलाइन गेम की लत अपराध और अवसाद की ओर धकेल रही है तो दूसरी ओर बच्चों का व्यक्तित्व ही कई तरह के डिसऑर्डर का शिकार हो रहा है। हर वक्त स्क्रीन में आंखें गड़ाये रखना सिरदर्द, गर्दन और कंधे का दर्द, चिड़चिड़ापन और गुस्से जैसी व्यवहारगत तकलीफों का भी कारण है। इसीलिए घर हो या स्कूल, फोन के इस्तेमाल की समय सीमा तय करना आवश्यक है। स्पष्ट है कि बच्चों का जीवन सहेजने और बालमन को सार्थक दिशा देने के लिए शिक्षकों, अभिभावकों और सरकारी नियम-कायदों की एक साझी रूपरेखा आवश्यक है। इसके लिए मोबाइल फोन के सार्थक और संयमित उपयोग करने का पाठ पढ़ाना बेहद जरूरी हो गया है। थोड़ी सख्ती और सहज समझाइश का मेल इस मोर्चे पर मददगार बन सकता है। मोबाइल के उपयोग के मामले में बच्चों को अनुशासित बनाने के लिए, हर समय मोबाइल साथ न रखने का नियम एक सार्थक कदम है। अभिभावकों का साथ मिलने पर यह मुहिम और प्रभावी बन सकती है। समझना आवश्यक है कि घर-परिवार और स्कूल परिसर के सधे नियम ही नयी पीढ़ी को स्क्रीन में समाये वर्चुअल संसार के बजाय वास्तविक जीवन से जोड़ सकते हैं। सामाजिक मेलजोल में रुचि जगा सकते हैं। शारीरिक-मानसिक व्याधियों से बचा सकते हैं। पढ़ाई के मोर्चे पर फोकस्ड रख सकते हैं। ऐसे में हिमाचल सरकार द्वारा बच्चों की बेहतरी की दिशा में बढ़ाया गया यह कदम वाकई सराहनीय है।

(लेखिका स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

मन में निर्भयता लाती है मां दुर्गा की भक्ति साधना

संकलित

दर्शन

वैसे तो हिंदी वर्षानुसार वर्षा, शरद, शिशिर, हेमंत, वसंत व ग्रीष्म- छह ऋतुएं होती हैं, लेकिन मुख्य रूप से दो ही प्रधान हैं- सर्दी व गर्मी। इन दोनों प्रधान ऋतुओं की संधि बेला को नवरात्रि की संज्ञा दी गई है। दिन और रात्रि के मिलन को संध्याकाल कहते हैं। इस महत्वपूर्ण समय को ईश्वर की आराधना, भजन, संध्या, वंदन व आध्यात्मिक साधना में लगाया जाना चाहिए, क्योंकि यह समय अत्याधिक लाभदायी और कम श्रम से अधिक फल देने वाला माना गया है। संध्या काल को पुण्य पर्व भी कहा गया है। आरोग्य शास्त्र के विद्वानों को विदित है कि आश्विन व चैत्र मास में जो सूक्ष्म परिवर्तन होता है, उसका प्रभाव शरीर पर कितनी अधिक मात्रा में पड़ता है। यह बदलाव स्वास्थ्य पर कई प्रकार से प्रभाव डालता है। अनेकानेक रोग, ज्वर, चेचक आदि मनुष्य पर हावी होने लगते हैं। वैद्य जानते हैं कि वमन, विरेचन, स्वेदन, वस्ति, रक्त मोक्षण आदि शरीर शोधन कार्यों के लिए आश्विन और चैत्र का महीना ही सर्वाधिक उपयुक्त होता है। ऐसे समय में ही साधना का महत्वपूर्ण पर्व आता है। हिंदू परंपरा के अनुसार, भारतीय पर्व और त्योहारों में नवरात्रि पर्व का अत्याधिक महत्व है। यह वर्ष में दो बार आता है। दुर्गावतरण की पावन कथा भी इसके साथ जुड़ी हुई है। देवत्व के संयोग से असुर निकंदिनी महाशक्ति के उद्भव का महत्व हर युग में रहा है। युग की भयावह समस्याओं से त्राण पाने के लिए युग शक्ति के उद्भव की कामना हर मन में उठती है। अधिकांश लोग व्रत, उपवास एवं अनुष्ठान करते हैं।

हृदय से जो जाओगे सबल समझूंगा तोहे

संकलित

प्रेरणा

एक बार सूरदास जी चलते-चलते मार्ग में एक गहरे गड्ढे में गिर गए और निकलने के सारे प्रयास असफल हो गये। अपने कान्हा को ही पुकारने लगे, एक भक्त अपने जीवन में विपत्ति काल में प्रभु को ही तो पुकारता है। जैसे ही सूरदास जी ने कान्हा को याद किया, प्रभु भी उसकी पुकार सुने बिना नहीं रह पाए! सच है जब एक भक्त दिल से पुकारता है तो यह टीस प्रभु के दिल में भी उठा करती है। उसी समय एक बाल गोपाल के रूप में वहाँ प्रकट हो गए, और प्रभु के पांव की नन्ही-नन्ही सी पैजनिया की छन-छन की आवाज सुनते ही सूरदास जी को समझते देर न लगी। कान्हा उनके समीप आये और बोले अरे बाबा नीचे क्या कर रहे हो, लो मेरा हाथ पकड़ो और जल्दी से ऊपर चले आओ। जैसे ही सूरदास जी ने इतनी प्यारी सी मिश्री सी घुली हुई वाणी सुनी तो जान गए की मेरा कान्हा आ गया, और बहुत प्रसन्न हो गए, और कहने लगे की अच्छा कान्हा, बाल गोपाल के रूप में आ गए, कन्हाई तुम आ ही गए न? बाल गोपाल कहने लगे अरे कौन कान्हा ? किसका नाम लेते जा रहे हो, जल्दी से हाथ पकड़ो और ऊपर आ जाओ, ज्यादा बातें न बनाओ। सूरदास जी मुस्कुरा पड़े और कहने लगे: सच में कान्हा तेरी बांसुरी के भीतर भी वो मधुरता नहीं, माना कि तेरी बांसुरी सारे संसार को नचा दिया करती है लेकिन तेरे बातों का दुःख तुझे नचा देता है। क्यों कान्हा सच है न? तभी तो तू दौड़ा चला आया। जैसे ही उन्होंने इतना कहा सूरदास जी ने झट से कान्हा का हाथ पकड़ लिया और उस मंगलमय ब्रह्मसंस्पर्श से वे रोमांचित हो उठे।

ऊंट की सवारी

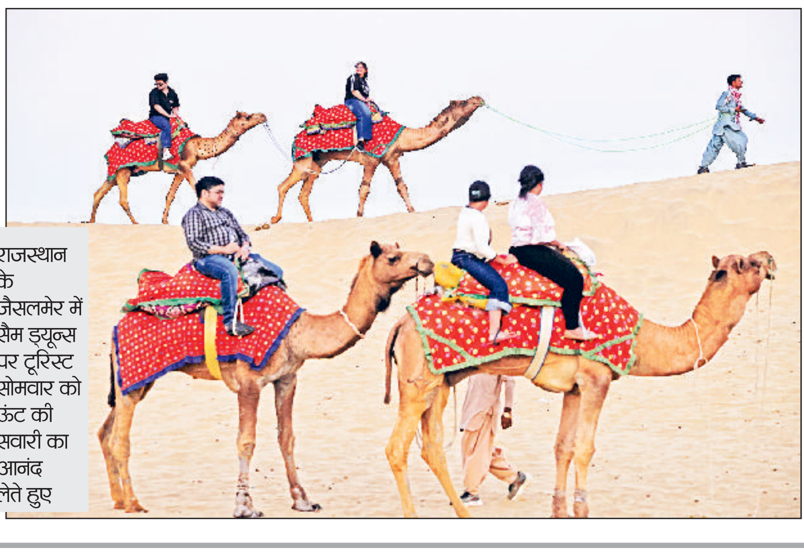

राजस्थान के जैसलमेर में सैम ड्यून्स पर टूरिस्ट सोमवार को ऊंट की सवारी का आनंद लेते हुए

आज की पाती

बच्चों को न दें मोबाइल और वाहन

सातवीं कक्षा की एक छात्रा स्कूटी पर अपने छोटे भाई को स्कूल छोड़कर आ रही थी। वापसी में एक वाहन से टकराने से गहरी चोट के कारण उसकी मौत हो गई। यह छात्रा रोज स्कूटी पर ही जाती थी। क्या इसे कभी किसी ने रास्ते में चैक नहीं किया। माता-पिता भी दोषी हैं, जो बच्चों को वाहन-फोन देकर उन्हें रोगों व मौत के मुंह में धकेल रहे हैं। मोटर वाहन अधिनियम के अनुसार नाबालिग के वाहन चलाने पर अभिभावकों को तीन साल की कैद व 25 हजार रुपए जुर्माना हो सकता है। सुप्रीम कोर्ट की सड़क सुरक्षा समिति ने भी ऐसे मामलों में सख्ती बरतने के निर्देश दिए हैं। बच्चों के लिए न तो मोबाइल ठीक है, और न ही वाहन। कई अन्य शहरों में भी इस तरह के हादसे हो रहे हैं। इन पर रोक लगाने के लिए बच्चों को मोबाइल और वाहन नहीं दिए जाने चाहिए। - प्रभुनाथ सिंह, रायपुर

ट्रेंड

हमेशा याद किए जाएंगे रॉय

पूर्व केंद्रीय मंत्री मुकुल रॉय के निधन से दुःख हुआ। उन्हें अपने राजनीतिक अनुभव और समाज की सेवा के प्रयासों के लिए हमेशा याद किया जाएगा। वे बंगाल के बहुत अनुभवी नेता थे। उनके परिवारजनों और समर्थकों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। ओम शांति। -नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

इंडी का नेतृत्व छोड़ें राहुल

ममता दीदी के बिना, इंडिया गठबंधन का 'आई', 'एन', 'डी', 'आई', 'ए' खत्म हो जाएगा, क्योंकि वे इस गठबंधन की लीडर हैं। उनके साथ, दो-चार और लोग हैं जो यह जगह पा सकते हैं। मुझे लगता है कि राहुल गांधी को गठबंधन का नेतृत्व करने की बजाय छोटी पार्टियों को मौका देना चाहिए। -मणिशंकर अय्यर, कांग्रेस नेता

इंडिया ब्लॉक के अंदर ही चर्चा हो

कोई यह नहीं कह सकता कि मणिशंकर अय्यर को अपनी राय देने का हक नहीं है। लेकिन, जब फैसला होगा, तो वह इंडिया ब्लॉक लेगा। लीडरशिप के मुद्दे पर पहले इंडिया ब्लॉक के अंदर ही चर्चा होनी चाहिए। राहुल ने भाजपा व सरकार से लड़ने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। -उमर अब्दुल्ला, मुख्यमंत्री, जम्मू कश्मीर

एआई से पेशेवरों की मांग बढ़ेगी

एआई नौकरियों में कमी नहीं लाएगा, बल्कि पेशेवरों के काम को रचनात्मक एवं बेहतर बनाएगा। इससे कुशल पेशेवरों की मांग बढ़ेगी और उनके वेतन में सुधार होगा। हमें हमेशा खुद से पूछना चाहिए कि हमारा लक्ष्य क्या है। हमारा सबसे बड़ा लक्ष्य लोगों को स्मार्ट बनाना है। -ब्रैड स्मिथ, अध्यक्ष, माइक्रोसॉफ्ट कॉर्पोरेशन

करंट अफेयर

नासा का चंद्र रॉकेट फिर हैंगर लौटेगा, उड़ान टली

नासा अपने विशाल चंद्र रॉकेट को अंतरिक्ष यात्रियों के सवार होने से पहले और मरम्मत के लिए इस सप्ताह फिर से हैंगर में वापस लाएगा। अंतरिक्ष एजेंसी के अनुसार, कम से कम अप्रैल तक उड़ान स्थगित रहेगी। मौसम अनुकूल रहने पर मंगलवार को कैनेडी स्पेस सेंटर के परिसर में रॉकेट को वापस ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। नासा ने बृहस्पतिवार को खतरनाक हाइड्रोजन ईंधन रिसाव को बंद करने के लिए दोबारा जांच की थी। इसी दौरान रॉकेट की हीलियम प्रणाली में खराबी आ गई, जिससे आधी सदी से अधिक समय बाद अंतरिक्ष यात्रियों की पहली चंद्र यात्रा और टल गई। इंजीनियरों ने हाइड्रोजन रिसाव पर काबू पा लिया था और प्रक्षेपण के लिए छह मार्च की तिथि तय की। प्रक्षेपण में एक माह का विलंब पहले ही हो चुका है। अचानक हीलियम प्रणाली में बाधा उत्पन्न हो गई जिससे रॉकेट के ऊपरी चरण तक हीलियम का प्रवाह बाधित हुआ। इंजनों को शुद्ध करने और ईंधन टैंकों में दबाव बनाए रखने के लिए हीलियम आवश्यक होती है। नासा ने एक बयान में कहा, समस्या के कारण का पता लगाने और उसे ठीक करने के लिए रॉकेट को कैनेडी के 'व्हीकल असेंबली बिल्डिंग' में वापस ले जाना आवश्यक है।

ऑफ बीट

रात में पसीना आने के कई कारण हो सकते हैं

पसीना आना शरीर की शीतलन प्रणाली का एक सामान्य हिस्सा है, जो गर्मी छोड़ने और शरीर के इष्टतम तापमान को बनाए रखने में मदद करता है। लेकिन नियमित रूप से रात में जागना, अत्यधिक पसीने से भीगना सही नहीं है। मस्तिष्क में स्थित हाइपोथैलेमस, अंतःस्रावी तंत्र का हिस्सा है और शरीर के लिए तापमान नियंत्रण केंद्र है। इसमें तापमान सेंसर होते हैं जो केंद्रीय रूप से (अंगों में) और परिधीय रूप से त्वचा में स्थित तंत्रिका कोशिकाओं (थर्मोरिसेप्टर्स) से जानकारी प्राप्त करते हैं। थर्मोरिसेप्टर्स शरीर के तापमान में बदलाव का पता लगाते हैं, हाइपोथैलेमस को उचित संकेत भेजते हैं। ये संकेत या तो शरीर को ठंडा करने के लिए पसीने को सक्रिय करेंगे या शरीर को गर्म करने के लिए कंपकंपी को सक्रिय करेंगे। उम्र या लिंग कोई भी हो, किसी को भी रात में पसीना आने का अनुभव हो सकता है। लेकिन पुरुषों की तुलना में महिलाओं को रात में पसीना अधिक आता है, इसका मुख्य कारण रजोनिवृत्ति और संबंधित बदलते हार्मोन स्तर हैं। ऐसा माना जाता है कि एस्ट्रोजन के स्तर में बदलाव से नॉरएपिनेफ्रीन और सेरोटोनिन के स्तर पर प्रभाव पड़ता है, ये दो न्यूरोट्रांसमीटर हैं, जो हाइपोथैलेमस में तापमान विनियमन को प्रभावित करते हैं।

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से hbcgpati@gmail.com पर भेज सकते हैं।

एआई समिट में विरोध पर अकादमिक जगत की कड़ी प्रतिक्रिया

160 शिक्षाविदों ने जताई आपत्ति, कहा- घटना खेदजनक, गलत सोच पर आधारित

शिक्षाविदों ने एक संयुक्त बयान में कहा कि इंडियन यूथ कांग्रेस द्वारा किया गया यह विरोध इस बात को दर्शाता है कि विपक्ष लोकतांत्रिक असहमति और वैश्विक मंच पर राष्ट्रीय प्रतिष्ठा की रक्षा के बीच अंतर करने में विफल रहा है

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

एआई इंपैक्ट समिट के दौरान हुए 20 फरवरी को हुए विरोध प्रदर्शन को लेकर देश के 160 प्रमुख शिक्षाविदों ने कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने इस घटना को 'गंभीर रूप से खेदजनक और गलत सोच पर आधारित' बताया है। शिक्षाविदों ने एक बयान में कहा कि इंडियन यूथ कांग्रेस द्वारा किया गया यह विरोध इस बात को दर्शाता है कि विपक्ष लोकतांत्रिक असहमति और वैश्विक मंच पर राष्ट्रीय प्रतिष्ठा की रक्षा के बीच अंतर करने में विफल रहा है। उन्होंने कहा कि यह विरोध, जो राहुल गांधी से जुड़ा बताया गया, ऐसे समय हुआ जब दुनिया भर के निवेशक और तकनीकी क्षेत्र के नेता भारत को एआई और उन्नत तकनीकों में एक भरोसेमंद भागीदार के रूप में देख रहे थे।

राहुल देश की अंतरराष्ट्रीय स्थिति को कमजोर कर रहे

मंच को राजनीति प्रदर्शन का माध्यम बनाना बेहद गंभीर

नेता प्रतिपक्ष ने संवैधानिक जिम्मेदारी नहीं निभाई

समिट के दौरान युवा कांग्रेसियों का प्रदर्शन फाइल फोटो

बयान में कहा गया कि एक सांसद के रूप में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की यह संवैधानिक जिम्मेदारी होती है कि वह रचनात्मक आलोचना और ऐसे कदमों के बीच अंतर करे, जो अनजाने में देश की अंतरराष्ट्रीय स्थिति को कमजोर कर सकते हैं। बयान पर हस्ताक्षर करने वालों में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय की कुलपति संतिश्री धुलिपुडी पंडित, आईआईटी रुड़की, आईआईटी धारवाड़ और आईआईटी जोधपुर के निदेशक समेत कई विश्वविद्यालयों के कुलपति और प्रोफेसर शामिल हैं।

भारत की छवि को नुकसान पहुंचाया

शिक्षाविदों ने कहा कि एआई इंपैक्ट समिट भारत के लिए एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय और सभ्यतागत क्षण था, जहां देश ने खुद को चौथी औद्योगिक क्रांति के दौर में एक सक्षम और संप्रभु तकनीकी शक्ति के रूप में प्रस्तुत किया। ऐसे मंच को राजनीतिक प्रदर्शन का माध्यम बनाना गंभीर निर्णयहीनता को दर्शाता है।

इस तरह के प्रदर्शन में कांग्रेस का साथ नहीं: अखिलेश

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि वे इस तरह के प्रदर्शनों के पक्ष में नहीं हैं जो विदेशी प्रतिनिधियों के सामने और विदेश में देश की छवि को नुकसान पहुंचाएं। वहीं आरजेडी के मनोज झा ने कहा कि वो एआई समिट में प्रदर्शन को अच्छा विकल्प नहीं मानते हैं। प्रदर्शन के सही जगह का चुनाव जरूरी होता है।

भाजपा ने राहुल से माफी की मांग की, प्रदर्शन से देश चिंतित

भाजपा ने इस विरोध प्रदर्शन को लेकर राहुल गांधी से माफी की मांग की और कहा कि न केवल कांग्रेस के सहयोगी, बल्कि उनकी अपनी पार्टी के नेताओं ने भी इसकी आलोचना शुरू कर दी है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि युवा कांग्रेस की नग्न प्रदर्शन को लेकर पूरा देश चिंतित है।

वैश्विक तकनीक विकसित कर रहा भारत

बयान में कहा गया कि भारत की एआई क्षेत्र में प्रगति वैज्ञानिकों, इंजीनियरों, उद्यमियों और संस्थानों के सामूहिक प्रयास का परिणाम है। तीन स्वदेशी बड़े भाषा मॉडल का अनावरण इस बात का संकेत है कि भारत अब केवल वैश्विक तकनीक का उपभोक्ता नहीं, बल्कि उसे विकसित करने वाला देश बन रहा है।

केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री ने 'एडवांटेज हेल्थ केयर-इंडिया 2026' को वर्चुअल माध्यम से किया संबोधित

भारत वैश्विक स्तर पर सशक्त स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को दे रहा बढ़ावा, मेडिकल वैल्यू ट्रैवल मजबूत कर रहे: नड्डा

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने सोमवार को नई दिल्ली में फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) द्वारा आयोजित 'एडवांटेज हेल्थ केयर-इंडिया 2026' को वर्चुअल माध्यम से संबोधित किया। यह 'एडवांटेज हेल्थ केयर-इंडिया' का आठवां आयोजन है। उन्होंने कहा कि मेडिकल वैल्यू ट्रैवल इकोसिस्टम को मजबूत करने के लिए अंतर-मंत्रालयी और नियामक समन्वय को बढ़ा रही है। सभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि भारत ने एक लचीली, उच्च गुणवत्ता वाली और विश्व स्तर पर समन्वय वाली स्वास्थ्य सेवा प्रणाली बनाने के लिए व्यापक सुधार किए हैं। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों की मजबूत भागीदारी भारत की स्वास्थ्य सेवा क्षमताओं की बढ़ती वैश्विक मान्यता और विश्वसनीयता को दर्शाती है।

भारत में कुशल चिकित्सा पेशेवर हैं

मेडिकल वैल्यू ट्रैवल के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि यह दुनिया के साथ भारत के स्वास्थ्य सेवा के जुड़ाव के एक महत्वपूर्ण आयाम का प्रतिनिधित्व करता है। उन्होंने कहा कि यह भारत की नैदानिक उत्कृष्टता, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेंचमार्क मानकों, पारदर्शी शासन संरचना और रोगी-केंद्रित देखभाल के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि भारत के अत्यधिक कुशल चिकित्सा पेशेवर और आधुनिक स्वास्थ्य देखभाल संबंधी इंफ्रास्ट्रक्चर कार्डियोलॉजी, ऑन्कोलॉजी, अंग प्रत्यारोपण, आर्थोपेडिक्स और तंत्रिका विज्ञान सहित विशिष्टताओं की एक विस्तृत श्रृंखला में उन्नत उपचार प्रदान करते हैं।

लोक सभा अध्यक्ष ने 60 से अधिक देशों के साथ संसदीय मैत्री समूहों का गठन किया

लोक सभा अध्यक्ष बिरला ने विभिन्न दलों के वरिष्ठ नेताओं को मैत्री समूहों की जिम्मेदारी सौंपी

नई दिल्ली (हरिभूमि ब्यूरो)। दुनिया के देशों के साथ भारत के संसदीय संबंधों को और मजबूत करने के उद्देश्य से लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने 60 से अधिक देशों के साथ संसदीय मैत्री समूहों का गठन किया है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य सांसदों को अपने विदेशी समकक्षों से सीधे बात करने का अवसर देना है। वे अपने अनुभव साझा करेंगे, एक-दूसरे से सीख सकेंगे और नियमित संपर्क के जरिए आपसी विश्वास बढ़ाएंगे। इससे द्विपक्षीय संबंधों को मजबूती मिलेगी और आपसी समझ बेहतर होगी। इन समूहों के माध्यम से व्यापार, तकनीक, सामाजिक नीतियों, संस्कृति और आज की वैश्विक चुनौतियों जैसे विषयों पर भी चर्चा होगी।

इन मैत्री समूहों में सभी प्रमुख राजनीतिक दलों के सांसद शामिल हैं। वरिष्ठ नेताओं में रवि शंकर प्रसाद, डॉ. एम. थंबीदुरई, पी. चिदंबरम, प्रो. राम गोपाल यादव, टी.आर. बालू, डॉ. काकोली घोष दस्तीदार, गौरव गोगोई, कनिमोझी करुणानिधि, मनीष तिवारी, डेरेक ओ ब्रायन, अभिषेक बनर्जी, असादुद्दीन ओवैसी, अखिलेश यादव, के.सी. वेणुगोपाल, राजीव प्रताप रूडी, सुप्रिया सुले, संजय सिंह, बैजयंत पांडा, डॉ. शशि थरूर,डॉ. निशिकांत दुबे, अनुराग सिंह ठाकुर, भर्तृहरि महताब, डॉ. (सुश्री) डी. पुरंदेश्वरी, संजय कुमार झा, हेमा मालिनी, बिप्लब कुमार देब, डॉ. सुधांशु त्रिवेदी, जगदंबिका पाल, डॉ. संबित पात्रा, अपराजिता सारंगी, श्रीकांत एकनाथ शिंदे, पी.वी. मिथुन रेड्डी और प्रफुल्ल पटेल सहित कई अन्य नेता शामिल हैं। जिन देशों के साथ ये मैत्री समूह बनाए गए हैं, उनमें श्रीलंका, जर्मनी, न्यूज़ीलैंड, स्विट्ज़रलैंड, दक्षिण अफ्रीका, भूटान, सऊदी अरब, इज़राइल, मालदीव, अमेरिका, रूस, यूरोपीय संसद, दक्षिण कोरिया, नेपाल, यूनाइटेड किंगडम, फ्रांस, जापान, इटली, ओमान, ऑस्ट्रेलिया, ग्रीस, सिंगापुर, ब्राज़ील, वियतनाम, मेक्सिको, ईरान और संयुक्त अरब अमीरात शामिल हैं।

युवा कांग्रेस नेताओं को हिरासत में लिए जाने की निंदा की

विरोध प्रदर्शन लोकतंत्र की आत्मा है, अपराध नहीं: वेणुगोपाल

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

कांग्रेस ने एआई सम्मेलन के दौरान शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने पर कई यूथ कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिए जाने की निंदा की है। पार्टी का कहना है कि कार्यकर्ताओं ने पूरी तरह लोकतांत्रिक तरीके से विरोध दर्ज कराया था, जैसा कि दुनिया के अन्य लोकतांत्रिक देशों में भी किया जाता है। कांग्रेस कार्यालय में पत्रकार वार्ता करते हुए पार्टी सांसद शशिकांत सेंथिल, हरीश चंद्र मीना, कैप्टन विरियाटो फर्नांडिस, वरुण चौधरी, श्रेयस एम पटेल, अनिल यादव ने प्रदर्शन करने वाले यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं के समर्थन में मोदी सरकार को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि एआई समिट के दौरान यूथ कांग्रेस का शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन कोई व्यवधान नहीं, बल्कि देश के करोड़ों बेरोजगार युवाओं की आवाज थी। साथ ही यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर पुलिस की कार्रवाई को युवाओं की आवाज दबाने की सुनियोजित साजिश करार दिया।

सांसदों ने कहा कि यूथ कांग्रेस के सदस्यों ने बेरोजगारी और अन्य लंबित संकटों से जूझ रहे करोड़ों युवाओं की आवाज उठाई है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में युवाओं की समस्याओं पर गंभीर चर्चा के लिए कोई मंच उपलब्ध नहीं कराया गया। संसद में महत्वपूर्ण मुद्दों पर बहस की मांग पर मोदी सरकार ने चुप्पी और टालमटोल का रवैया अपनाया।

युवाओं को सच्चाई दिखाई दे रही

कांग्रेस सांसदों ने कहा कि युवाओं को अब सच्चाई दिखाई दे रही है। उन्होंने दावा किया कि एक समझौता कर चुके प्रधानमंत्री के नेतृत्व में युवाओं का भविष्य सुरक्षित नहीं है। सांसद शशिकांत सेंथिल ने कहा कि इस प्रदर्शन को लेकर चार युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया गया है, जिनमें आपराधिक साजिश जैसी गैर-जमानती धारा भी शामिल है। यह कार्रवाई केवल दिल्ली तक सीमित नहीं, बल्कि मध्य प्रदेश में चार और उत्तर प्रदेश में तीन कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया है। यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब को भी पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया। सेंथिल के मुताबिक, दिल्ली में यूथ कांग्रेस कार्यालय के बाहर 200-300 पुलिसकर्मी तैनात किए गए और हिमाचल सदन सहित कई स्थानों पर छापेमारी की गई। दिल्ली पुलिस ने तमाम सोशल मीडिया अकाउंट्स की जांच की, पोस्टर जब्त किए और प्रिंटिंग प्रेस पर छापे मारे, सिर्फ इसलिए क्योंकि 'प्रधानमंत्री कॉम्प्रोमाइज्ड हैं' नारे से सरकार डर गई है और यह छानबीन करने की कोशिश की जा रही है कि इस नारे वाली टी-शर्ट्स कहां बनीं। उन्होंने कहा कि जिला स्तर के युवा कांग्रेस अध्यक्षों को भी इसी नारे के कारण हिरासत में लिया गया है और कुछ कार्यकर्ताओं के माता-पिता तक को तलब किया रहा है। उन्होंने पूछा क्या दिल्ली पुलिस के पास टी-शर्ट और पोस्टरों की जांच से ज्यादा गंभीर काम नहीं है? साथ ही सवाल उठाया कि मोदी सरकार को इस नारे से इतना डर क्यों है?

कांग्रेस मजबूती के साथ खड़ी

सेंथिल ने कहा कि कांग्रेस मजबूती से अपने कार्यकर्ताओं के साथ खड़ी है। कांग्रेस सांसदों ने मांग रखी कि किसी संगठन या कार्यकर्ताओं के परिवारों को निशाना बनाना बंद हो। हिरासत में लिए गए यूथ कांग्रेस के लोगों की गिरफ्तारी का आधार और एफआईआर का पूरा विवरण सार्वजनिक किया जाए। सरकार सीसीटीवी फुटेज जारी करे।

प्रदर्शन शांतिपूर्ण तरीके से किया गया

वहीं कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने दिल्ली पुलिस द्वारा यूथ कांग्रेस अध्यक्ष और कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेने की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि सरकार भूल गई है कि विरोध प्रदर्शन लोकतंत्र की आत्मा है, अपराध नहीं। यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने साहसपूर्वक यह उजागर किया कि प्रधानमंत्री ने किस तरह समझौता किया हुआ है। यह प्रदर्शन शांतिपूर्ण तरीके से किया गया, बिना किसी प्रकार की हिंसा भड़काए। उन्होंने हिरासत को पूरी तरह से अवैध बताते हुए मांग की कि उन्हें तुरंत रिहा किया जाए और सभी आरोप हटाए जाएं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का चार दिवसीय दौरा आज से महाराष्ट्र झारखंड और राजस्थान में विभिन्न कार्यक्रमों में लेंगी भाग

24-25 महाराष्ट्र, 26 झारखंड और 27 फरवरी को राजस्थान में होंगी

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 24 से 27 फरवरी तक महाराष्ट्र, झारखंड और राजस्थान के दौरे पर रहेंगी। इस दौरान वे स्वास्थ्य, शिक्षा, आध्यात्मिक एवं रक्षा क्षेत्र से जुड़े कई महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगी। आधिकारिक जानकारी के अनुसार राष्ट्रपति 24 फरवरी को मुंबई में 'सेविंग लाइव्स एंड बिल्डिंग ए हेल्दीयर भारत' अभियान का उद्घाटन करेंगी।

यह कार्यक्रम स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने और जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। 25 फरवरी को राष्ट्रपति महाराष्ट्र के बुलढाना जिले के शेगांव में आयोजित राष्ट्रीय आरोग्य मेले में शामिल होंगी। इसके बाद वे नागपुर में 'गोल्डन एरा ऑफ महाराष्ट्र थ्रू यूनिटी एंड ट्रस्ट' कार्यक्रम में भाग लेंगी। इस आयोजन में सामाजिक एकता और विश्वास पर जोर दिया जाएगा। 26 फरवरी को राष्ट्रपति झारखंड के जमशेदपुर पहुंचेंगी, जहां वे श्री जगन्नाथ मंदिर के भूमि पूजन समारोह में हिस्सा लेंगी। साथ ही वे मणिपाल टाटा मेडिकल कॉलेज का दौरा कर विद्यार्थियों से संवाद भी करेंगी। इस अवसर पर वे युवाओं को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी का संदेश देंगी।

'एक्स वायुशक्ति' में होंगी शामिल

दौरे के अंतिम दिन 27 फरवरी को राष्ट्रपति राजस्थान के पोखरण में आयोजित 'एक्स वायुशक्ति' कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगी। इस कार्यक्रम में भारतीय वायुसेना अपनी सामरिक क्षमता और आधुनिक तकनीक का प्रदर्शन करेगी। राष्ट्रपति का यह दौरा स्वास्थ्य, शिक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों को बल देने की दिशा में अहम माना जा रहा है। विभिन्न राज्यों में उनके कार्यक्रमों को लेकर प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

मुख्यमंत्री ने हरियाणा विधानसभा में कहा, मामला भ्रष्टाचार विरोधी ब्यूरो को सौंपा

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के धोखाधड़ी मामले में पैसा सुरक्षित, दोषियों पर होगा एक्शन: सैनी

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सोमवार को कहा कि आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के 590 करोड़ रुपये के धोखाधड़ी मामले में फंसा पैसा निश्चित रूप से वापस आएगा और दोषियों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी। हरियाणा विधानसभा में मुख्यमंत्री सैनी ने 590 करोड़ रुपये के आईडीएफसी फर्स्ट बैंक धोखाधड़ी मामले में पैसे की पूरी सुरक्षा का आश्वासन दिया है और कहा है कि मामला भ्रष्टाचार विरोधी ब्यूरो को सौंप दिया गया है। सरकार ने बैंक को सरकारी कामकाज से हटा दिया है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का वादा किया है।

बैंक की गलती तो उस पर भी कार्रवाई

उन्होंने कहा कि गड़बड़ी पाए जाने के बाद सरकार ने सारा पैसा एक अधिकृत बैंक में स्थानांतरित कर दिया। उन्होंने आगे कहा कि मामला भ्रष्टाचार विरोधी ब्यूरो और सतर्कता विभाग को सौंप दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने इस धोखाधड़ी को रोकने के लिए सक्रिय कदम उठाए हैं। जब कुछ गड़बड़ी पाई गई, तो हमने बयान मांगे, और वे भी मेल नहीं खाए। इसलिए, सरकार ने ब्याज सहित सारा पैसा एक अधिकृत बैंक में स्थानांतरित करने का फैसला किया। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने अपने बचाव में सेबी को पत्र लिखकर कहा कि एक कर्मचारी दोषी था। उन्होंने आगे कहा कि हमने यह मामला भ्रष्टाचार विरोधी ब्यूरो और सतर्कता विभाग को सौंप दिया है। जांच जारी है। पैसा पूरी तरह सुरक्षित है और निश्चित रूप से वापस आ जाएगा। दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी, और अगर बैंक की भी गलती पाई जाती है तो उसके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

दो बैंक सरकारी कामकाज से हटाए

सैनी ने कहा कि सरकार इस मामले को गंभीरता से ले रही है। हमने मामले की जमीनी स्तर तक जांच की है। मैं सदन को आश्वस्त करता हूं कि सारा पैसा वापस कर दिया जाएगा। मैं जांच पूरी होने के बाद ही कोई बयान दे सकता हूं। इस बीच, हरियाणा के वित्त विभाग (संस्थागत वित्त एवं ऋण नियंत्रण) ने आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक को सरकारी कामकाज से तत्काल प्रभाव से हटा दिया है। विभाग ने सभी सरकारी विभागों, बोर्डों, निगमों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को निर्देश दिया है कि वे इन बैंकों से धनराशि अन्य अधिकृत बैंकों में स्थानांतरित करें और अगले आदेश तक इन खातों को तत्काल बंद कर दें।

आधुनिक पर्यटन और प्राचीन आध्यात्मिक परंपरा एक साथ आगे बढ़ सकती हैं

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान की सहभागिता से गोवा महोत्सव से युवाओं के लिए संदेश

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

गोवा की आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक मंच देने के उद्देश्य से गोवा स्पिरिच्युअल फेस्टिवल 2026 का आयोजन 19 से 24 फरवरी तक किया जा रहा है। यह महोत्सव सतगुरु फाउंडेशन के तत्वावधान में पद्मश्री सद्गुरु ब्रह्मेशानंद आचार्य स्वामीजी की प्रेरणा से, मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत के नेतृत्व में तथा केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान की उपस्थिति में आयोजित हो रहा है आयोजन के अंतर्गत समुद्र महाआरती, योग, संत सम्मेलन एवं गौ सेवा जैसे कार्यक्रम हो रहे हैं।

गोवा में आयोजित गोवा आध्यात्मिक महोत्सव 2026 इस बार केवल पर्यटन उत्सव न रहकर आध्यात्मिक चेतना का व्यापक मंच बनकर उभरा कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान की उपस्थिति ने इस आयोजन को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाई। उन्होंने कहा कि गोवा को अब केवल "सूर्य, रेती और समुद्र" के रूप में नहीं, बल्कि उसकी समृद्ध सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत के लिए भी जाना जाना चाहिए। गोवा आध्यात्मिक महोत्सव 2026 का मुख्य उद्देश्य गोवा की छवि को केवल समुद्र तटों और मनोरंजन तक सीमित दृष्टिकोण से बाहर निकालना है। यह महोत्सव गोवा की आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान को विश्व पटल पर स्थापित करने का प्रयास है।

आध्यात्मिक पर्यटन को बल मिलेगा

कार्यक्रम में योग, ध्यान, समुद्र आरती और विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि आधुनिक पर्यटन और प्राचीन आध्यात्मिक परंपरा एक साथ आगे बढ़ सकती हैं। इससे न केवल सांस्कृतिक चेतना मजबूत होगी, बल्कि आध्यात्मिक पर्यटन को भी नया बल मिलेगा। सांस्कृतिक विरासत भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने जोर देकर कहा कि वर्तमान पीढ़ी की जिम्मेदारी है कि वह इस विरासत को संरक्षित करे और आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाए। उन्होंने यह भी कहा कि इस तरह के आयोजन गोवा की पहचान को और मजबूत करेंगे तथा आध्यात्मिक पर्यटन को बढ़ावा देंगे। इससे स्थानीय संस्कृति के साथ-साथ रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे और सामाजिक समरसता को नई दिशा मिलेगी।

भव्य समुद्र आरती का आयोजन

महोत्सव के दौरान कळंगुट समुद्र तट पर भव्य समुद्र आरती का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और पर्यटकों ने भाग लिया शोभायात्रा, ढोल-ताशों की गूंज, जयघोष और हरिनाम संकीर्तन से वातावरण भक्तिमय हो उठा। योग और ध्यान सत्रों में युवाओं, स्थानीय नागरिकों और विदेशी पर्यटकों की भी उल्लेखनीय भागीदारी रही। संत-महंतों और आध्यात्मिक गुरुओं के प्रवचनों ने लोगों को शांति, सद्भाव और नैतिक मूल्यों को अपनाने का संदेश दिया।

भाईचारे को बढ़ावा मिलता है

महोत्सव में सद्गुरु ब्रह्मेशानंद स्वामी सहित अनेक संत-महंतों ने लोगों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिकता केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं, बल्कि जीवनशैली का हिस्सा होनी चाहिए। उनके अनुसार योग और ध्यान के माध्यम से व्यक्ति न केवल शारीरिक रूप से स्वस्थ रहता है, बल्कि मानसिक संतुलन भी प्राप्त करता है। इस प्रकार के आयोजनों से समाज में सकारात्मक सोच और आपसी भाईचारे को बढ़ावा मिलता है।

क्यों है यह आयोजन महत्वपूर्ण

केंद्रीय मंत्री जैसे युवा नेतृत्व की उपस्थिति से इस महोत्सव को राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिली है। यह आयोजन गोवा की संस्कृति और धर्म परंपरा को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करने का प्रयास है। इस महोत्सव का उद्देश्य "गोवा की आध्यात्मिक विरासत से वैश्विक शांति का संदेश" देना है। अलग-अलग स्थानों पर आयोजित कार्यक्रमों में देश-विदेश से आए श्रद्धालु और साधक भाग ले रहे हैं।

उत्तर रेलवे

शुद्धिपत्र

संदर्भ i) निविदा सूचना क्रमांक 88/2025–2026 दिनांक 19.02.2026.
ii) निविदा संख्या 08255668 दिनांक 19.03.2026 को देय है।
1. उपरोक्त निविदा के संदर्भ में एक नई शर्त जोड़ी गई है।
अन्य सभी नियम और शर्तें अपरिवर्तित हैं। शुद्धिपत्र वेबसाइट www.ireps.gov.in पर प्रकाशित किया गया है।
619/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 सीआरपीसी / 84 बीएनएसएस देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **राहुल कुमार** पुत्रः **रघुविन्दर झा** पताः **मकान नं. जी–11/54, सेक्टर 15, रोहिणी, दिल्ली** ने case **FIR No. 635/2020 U/s 379/411 IPC, थानाः नॉर्थ रोहिणी, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **राहुल कुमार** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **राहुल कुमार** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है।)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि case **FIR No. 635/2020 U/s 379/411 IPC, थानाः नॉर्थ रोहिणी, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **राहुल कुमार** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद/मुकद्मा का उत्तर देने के लिए **दिनांक 17.04.2026** को या उससे पूर्व हाज़िर हो।

आदेशानुसार
सुश्री ईब्बानी अग्रवाल
न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी–03
उत्तर पश्चिम जिला, रूम नं. 107
रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/2225/RD/2026 (Court Matter)

खबर संक्षेप

आरबीआई ने ओडिशा में बनाया उच्च सुरक्षा वाला डेटा सेंटर

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने देश की महत्वपूर्ण वित्तीय बुनियादी ढांचे की सुरक्षा और मुख्य प्रणालियों की निरंतरता बनाए रखने के उद्देश्य से ओडिशा में एक उच्च सुरक्षा वाला डेटा सेंटर बनाया है। यह केंद्र संभावित सीमापार खतरों और भूकंप जोखिम वाले क्षेत्रों से दूर रणनीतिक रूप से स्थित है।

महागुन के खिलाफ दिवाला कार्यवाही होगी वापस

MAHAGUN
A NAME THAT PERFORMS

नई दिल्ली। अपीलीय न्यायाधि-करण एनसीएलएटी ने रियल एस्टेट क्षेत्र की कंपनी महागुन के खिलाफ दिवाला कार्यवाही को वापस लेने का निर्देश दिया है। यह निर्देश कंपनी और उसके वित्तीय ऋणदाता के बीच समझौता होने के बाद आया है। महागुन और आईडीबीआई ट्रस्टीशिप के बीच 12 फरवरी, 2026 को हुए समझौते को रिकॉर्ड पर लिया।

रुपया सात पैसे बढ़कर 90.87 प्रति डॉलर पर

मुंबई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में सोमवार को डॉलर के मुकाबले रुपया सात पैसे बढ़कर 90.87 (अस्थायी) पर बंद हुआ। नई अनिश्चितताओं के बीच कमजोर डॉलर की वजह से रुपये में तेजी आई। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि विदेशी कोषों की निकासी और भू-राजनीतिक चिंताओं ने रुपये की तेजी को सीमित कर दिया।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

आरबीआई के केंद्रीय निदेशक मंडल को किया संबोधित

बैंक गलत तरीके से बीमा उत्पाद बेचना बंद करें अपने मुख्य कारोबार पर ध्यान दें: सीतारमण

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बैंकों द्वारा बीमा सहित वित्तीय उत्पादों की गलत तरीके से बिक्री पर कड़ा रुख अपनाते हुए सोमवार को कहा कि उन्हें (बैंकों को) अपने मुख्य कारोबार पर ध्यान देना चाहिए। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के केंद्रीय निदेशक मंडल को बजट के बाद संबोधित करने के उपरांत पत्रकारों से बातचीत में सीतारमण ने कहा, बैंकों को अपने मुख्य कारोबार पर ध्यान देना चाहिए।

वित्त मंत्री ने कहा, मैंने हमेशा से इस बात पर आपत्ति जतायी है कि आप उस बीमा को बेचने में अधिक समय लगा रहे हैं जिसकी आवश्यकता ही नहीं है और यह मामला आरबीआई और बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) के बीच फंसा रहा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने ग्राहक को भ्रामक जानकारी देकर उत्पाद की बिक्री पर दिशानिर्देशों का मसौदा 11 फरवरी को जारी किया था।

चार मार्च तक सार्वजनिक टिप्पणियां मांगी गई

मसौदे में कहा गया है कि यदि किसी ग्राहक को गलत तरीके से उत्पाद या सेवा दी जाती है, तो बैंक को ग्राहक द्वारा चुकाई गई पूरी राशि लौटानी होगी और स्वीकृत नीति के अनुसार हुए नुकसान की भरपाई भी करनी होगी। इस पर चार मार्च तक सार्वजनिक टिप्पणियां मांगी गई हैं। आरबीआई ने कहा कि गलत तरीके से बिक्री पर कड़े नियम एक जुलाई से लागू होंगे।

आरबीआई स्पष्ट निर्देश दे रहा

सीतारमण ने कहा, ''मुझे खुशी है कि आरबीआई यह स्पष्ट मार्गदर्शन दे रहा है कि गलत तरीके से बिक्री क्यों बर्दाश्त नहीं की जाएगी। संदेश, बैंकों तक जाना चाहिए कि आप गलत बिक्री नहीं कर सकते। यह शब्द 'गलत बिक्री', किसी को ठेस पहुंचाने के बजाय, शब्दकोश में एक और शब्द बनकर रह गया है। उन्होंने कहा कि कई मामलों में बैंक ग्राहकों को बीमा उत्पाद खरीदने के लिए कहते हैं जबकि उनके पास पहले से आवश्यक बीमा होता है।

- वित्त मंत्री ने कहा, मैंने हमेशा इस बात पर आपत्ति जताई
- बैंक बीमा को बेचने में अधिक समय लगा रही जिसकी जरूरत नहीं
- आरबीआई ने बिक्री पर दिशा निर्देश 11 फरवरी को जारी किया था

अतिरिक्त बीमा लेने क्यों कहा जाता है

आरबीआई यह सोचकर ऐसे मामलों की निगरानी नहीं कर रहा था कि यह बीमा नियामक के दायरे में आता है। इरडा का मानना था कि बैंक उसके प्रत्यक्ष नियमन में नहीं आते। इस नियामकीय अंतर के कारण ग्राहकों को नुकसान उठाना पड़ा। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि जब कोई व्यक्ति अपनी संपत्ति गिरवी रखकर गृह ऋण लेता है, तो उससे अतिरिक्त बीमा लेने को क्यों कहा जाता है जबकि जोखिम पहले से 'कवर' होता है।

बैंक कारोबारी चक्र को समझने पर ध्यान दे

सीतारमण ने दोहराया कि बैंकों को अपने ग्राहकों की जरूरतों, उनकी वित्तीय स्थिति एवं कारोबारी चक्र को समझने पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि बैंकों का मुख्य कार्य जमा जुटाना एवं ऋण देना है। गैर-बैंकिंग उत्पाद बेचने के बजाय उन्हें कम लागत वाली जमा या कासा (चालू खाता बचत खाता) आधार को मजबूत करने पर ध्यान देना चाहिए।

जमा वृद्धि दर 12.5 प्रतिशत

आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि बैंकिंग प्रणाली में जमा वृद्धि लगभग 12.5 प्रतिशत है जबकि ऋण वृद्धि दर 14.5 प्रतिशत के आसपास है। मल्होत्रा ने कहा कि मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) आगे की नीतिगत दरों में कटौती पर निर्णय वृद्धि और मुद्रास्फीति की स्थिति को देखते हुए करेगी।

सोने के आयात पर कड़ी नजर, चिंता की कोई बात नहीं

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि वैश्विक स्तर पर केंद्रीय बैंकों की भारी खरीदारी के कारण सोने की कीमतों में तेजी आई है। उन्होंने कहा कि सरकार एवं भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) सोने के आयात पर कड़ी नजर रखे हुए हैं, हालांकि स्थिति अभी ''चिंताजनक स्तर'' पर नहीं पहुंची है। भारत का सोना आयात अप्रैल-दिसंबर, 2025 के दौरान मूल्य के लिहाज से लगभग एक अरब डॉलर बढ़कर 50 अरब डॉलर हो गया। वहीं जनवरी में सोने के आयात के मूल्य और मात्रा, दोनों में अचानक वृद्धि देखी गई है जिसकी समीक्षा केंद्रीय बैंक कर रहा है।

खाद्य उत्पादों में मिलावट पर रोक लगाने की मांग

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

- राज्य मिलावट पर सख्त कार्रवाई करे
- राज्य खाद्य आयुक्तों से निगराना बढ़ाने कहा गया

होली त्योहार से पहले खाद्य नियामक एफएसएसएआई ने राज्य खाद्य आयुक्तों से निगरानी बढ़ाने और दूध उत्पादों और खाद्य तेल में मिलावट के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने को कहा है। राज्य खाद्य आयुक्तों को लिखे पत्र में भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण ने कहा कि आगामी होली त्योहार के दौरान मिठाई, नमकीन, खाद्य तेल और दूध एवं दुग्ध उत्पादों (जैसे घी, खोआ, पनीर, आदि) और अन्य खाद्य पदार्थों की मांग में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। इसमें कहा गया है कि मांग में इस वृद्धि से मिलावट की संभावना बढ़ती है। मिलावटी और असुरक्षित खाद्य उत्पादों, अर्थात - दूध और दुग्ध उत्पाद, मिठाइयां, नमकीन और पापड़, खाद्य तेल एवं घी, अनाज एवं अनाज उत्पाद आदि'' के प्रसार को रोकने के लिए निगरानी और प्रवर्तन कार्यों को बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया।

त्योहारी अवधि में हॉट स्पाट चिन्हित करे

एफएसएसएआई ने राज्य खाद्य आयुक्तों को त्योहारी अवधि के दौरान ''होली-मिलावट विरोधी अभियान - 2026'' के हिस्से के रूप में अपने प्रवर्तन अधिकारियों को अपने संबंधित क्षेत्रों में निरीक्षण और नमूने लेने का निर्देश देने के लिए कहा। इन अभियानों को चिन्हित हॉट स्पॉट और संवेदनशील स्थानों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

चांदी 11,000 रुपये चढ़ी और सोना 1000 रुपये मजबूत

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

- सुरक्षित निवेश की मांग के कारण सराफा में तेजी
- चांदी 2 .64 लाख रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई

डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के शुल्क के खिलाफ अमेरिकी उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद बढ़ती वैश्विक व्यापार अनिश्चितताओं के बीच मजबूत सुरक्षित-निवेश की मांग के कारण सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में तीन प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। इस दौरान चांदी 2.64 लाख रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई जबकि सोना 1.61 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम रहा। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, चांदी शुक्रवार के 2,51,000 रुपये प्रति किलोग्राम के बंद स्तर से 11,000 रुपये या 3.03 प्रतिशत चढ़कर 2,64,000 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना भी 1000 रुपये या 2.06 प्रतिशत बढ़कर 1,61,000 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) हो गया। पिछले बाजार सत्र में यह 1,60,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी और सोने में सोमवार को तेजी की गति बनी रही। दोनों धातुएं तीन सप्ताह के उच्चतम स्तर पर कारोबार कर रही थीं, जिसे नए सिरे से सुरक्षित निवेश की मांग बढ़ने का समर्थन मिला।

नीतिगत बदलाव ने वैश्विक अनिश्चितता बढ़ाई : गांधी ने कहा कि अचानक नीतिगत बदलाव ने वैश्विक अनिश्चितता को बढ़ा दिया है, दुनिया भर में कई सरकारें सावधानीपूर्वक प्रतिक्रिया दे रही हैं - कुछ व्यापार समझौतों की पुष्टि कर रही हैं, जबकि अन्य अमेरिका के अगले कदम की प्रतीक्षा कर रही हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में, हाजिर चांदी 1.79 या 2.2 प्रतिशत बढ़कर 86.50 डॉलर प्रति औंस हो गई, जबकि सोना लगभग एक प्रतिशत बढ़कर 5,151 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था।

शुल्क पर अमेरिकी अदालत के फैसले से शेयर बाजार उत्साहित, सेंसेक्स 480 अंक चढ़ा

मुंबई (भाषा)। अमेरिका में व्यापक शुल्क आदेश रद्द होने से उपजी सकारात्मक धारणा के बीच सोमवार को सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों, वाहन और वित्तीय शेयरों में लिवाली से घरेलू शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद हुए। सेंसेक्स 480 अंक चढ़ गया, जबकि निफ्टी में 142 अंक की तेजी दर्ज की गई। विश्लेषकों ने कहा कि अमेरिकी उच्चतम न्यायालय की तरफ से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पिछले साल जारी व्यापक शुल्क आदेशों को अवैध घोषित कर दिए जाने के बाद निवेशक धारणा में सुधार देखा गया। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 479.95 अंक यानी 0.58 प्रतिशत चढ़कर 83,294.66 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 671.44 अंक चढ़कर 83,486.15 अंक तक पहुंच गया था। वहीं, एनएसई का 50 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक निफ्टी भी 141.75 अंक यानी 0.55 प्रतिशत बढ़कर 25,713 अंक पर बंद हुआ। दिन में एक समय यह 200.2 अंक चढ़कर 25,771.45 अंक तक चला गया था। सेंसेक्स की कंपनियों में अदाणी पोर्ट्स में सर्वाधिक 2.98 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई। इसके अलावा कोटक महिंद्रा बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, पावरग्रिड, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एचडीएफसी बैंक, एक्सिस बैंक, भारती एयरटेल, भारतीय स्टेट बैंक, टाइटन, महिंद्रा एंड महिंद्रा और लार्सन एंड टुब्रो में भी बढ़त रही।

आदित्य झा एसडीएम नरेला बनने पर पाग दुपट्टा द्वारा बधाई व शुभकामना दी

नई दिल्ली (एजेंसी)। मिथिला के सपूत एसडीएम नरेला आदित्य झा को जनहित पूर्वांचल सोसाइटी रजी0 नरेला दिल्ली 40 द्वारा उनके कार्यालय में जाकर उन्हें एसडीएम नरेला बनने पर बधाई व शुभकामना मिथिलांचल के परिधान पाग दुपट्टा द्वारा किया गया था नरेला क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने करवाने के लिए आकांक्षा आशा व्यक्त किया गया इस मौके पर जनहित पूर्वांचल सोसाइटी रजी0 के महासचिव विनीत कुमार उपाध्यक्ष रौशन झा सचिव संतोष यादव मिथिला प्रॉपर्टी के प्रो अमित मिश्रा व बबलू यादव ने स्वागत कर बधाई दिए।

निर्यात सहायता योजना में शुल्क लाभ की दरों में 50 प्रतिशत तक की कटौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार ने सोमवार को निर्यात सहायता योजना 'आरओडीटीईपी' के तहत दिए जाने वाले शुल्क लाभ की दरों में 50 प्रतिशत की कटौती कर दी, जिसके बाद निर्यातक समुदाय ने इस निर्णय पर पुनर्विचार की मांग की है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) की एक अधिसूचना के मुताबिक, निर्यातित उत्पादों पर शुल्क व करों की वापसी (आरओडीटीईपी) योजना के तहत लागू दरें और मूल्य-सीमा तत्काल प्रभाव से मौजूदा दरों के 50 प्रतिशत तक सीमित रहेंगी। इस योजना के तहत अब तक 0.3 प्रतिशत से लेकर 3.9 प्रतिशत तक कर एवं शुल्क की वापसी दी जाती थी।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **बलदेव राज, पुत्रः स्व0 किशन लाल, निवासीः बीएस–105सी, शालीमार बाग, दिल्ली** ने **FIR No. 308/2018, U/s: 498A/406/34 IPC**, **पुलिस थाना मौर्य एनक्लेव, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **बलदेव राज** मिल नही रहा है। और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **बलदेव राज** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **पुलिस थाना मौर्य एनक्लेव, दिल्ली** के अभियुक्त **बलदेव राज** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **29.04.2026** या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार,
सुश्री नेहा गोयल
महानगर दण्डाधिकारी, महिला न्यायालय–02, उत्तर–पश्चिम
भूतल, कमरा संख्या 18,
रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/2332/NW/2026

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82(2) (ii) Cr.P.C देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **दीपक उर्फ टूटी निवासी टी-हट फेस-1, विजय विहार, रोहिणी, दिल्ली** ने केस एफआईआर नं./कोर्ट सं. **80107647/24, अंतर्गत धारा 305/331(3)/317(2)3(5) भारतीय न्याय संहिता, 2023, थाना नोर्थ रोहिणी, ज़िला रोहिणी, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **दीपक उर्फ टूटी** मिल नही रहा/रही है, और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **दीपक उर्फ टूटी** फरार हो गया/गई है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा/रही है) इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि केस एफआईआर नं./कोर्ट सं. **80107647/24, अंतर्गत धारा 305/331(3)/317(2)3(5) भारतीय न्याय संहिता, 2023, थाना नोर्थ रोहिणी, ज़िला रोहिणी, दिल्ली** के उक्त अभिुक्त **दीपक उर्फ टूटी** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **01.04.2026** को **प्रातः 10:00 बजे** या उससे पहले हाजिर हों।

आदेशानुसार
श्री ईब्बानी अग्रवाल
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-03
(उत्तर-पश्चिम) कमरा नं. 107
रोहिणी न्यायालय, दिल्ली

DP/2231/RD/2026
(Court Matter)

राशिफल

मेष — मन अशान्त रहेगा। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा। मित्रों के साथ वाद–विवाद से बचें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें।

वृष — मन परेशान रहेगा। आत्मसंयत रहें। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद–विवाद से बचें। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि होगी।

मिथुन — मन में उतार–चढ़ाव रहेंगे। परिवार का साथ मिलेगा, परन्तु परिवार में शान्ति बनाये रखने का प्रयास करें। नौकरी में मान–सम्मान की प्राप्ति होगी।

कर्क — मन अशान्त रहेगा। मन में निराशा एवं असन्तोष भी हो सकता है। कारोबार में सुधार होगा, परन्तु कुछ कठिनाइयां आ सकती है। परिश्रम अधिक रहेगा।

सिंह — आत्मसंयत रहें। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। बातचीत में सन्तुलित रहें। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में कार्यभार बढ़ सकता है।

कन्या — नौकरी में कार्यभार बढ़ सकता है। आवेश के अतिरेक से बचें। परिवार का साथ मिलेगा। नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। सहयोग मिलेगा।

तुला — आत्मविश्वास तो भरपूर रहेगा, परन्तु मन अशान्त हो सकता है। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कारोबार में परिवर्तन की सम्भावना बन रही है।

वृश्चिक — मन परेशान रहेगा। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। व्यर्थ के क्रोध से बचें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। खर्चों में वृद्धि होगी।

धनु — व्यर्थ के क्रोध से बचें। परिवार का साथ मिलेगा। विदेशी कारोबार में वृद्धि होगी। लाभ के अवसर मिलेंगे। किसी मित्र का सहयोग भी मिल सकता है।

मकर — आत्म संयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन–सहन अव्यवस्थित रहेगा। कारोबार में भागदौड़ अधिक रहेगी। खर्च बढ़ेंगे।

कुंभ — आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु मन में उतार–चढ़ाव भी रहेगा। परिवार से दूर रहना पड़ सकता है। पिता का साथ मिल सकता है।

मीन — अपनी भावनाओं को वश में रखें। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। नौकरी में तरक्की के अवसर मिलेंगे, परन्तु स्थान परिवर्तन भी हो सकता है।

दो दिवसीय डिज़ाइन 2030 कॉन्फ्रेंस का सफलतापूर्वक समापन

गुरुग्राम। के.आर. मंगलेम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड डिज़ाइन द्वारा आयोजित दो दिवसीय डिज़ाइन 2030 कॉन्फ्रेंस का सफलतापूर्वक समापन हुआ। इस बहु-विषयी सम्मेलन में आर्किटेक्चर, इंटीरियर डिज़ाइन, फ़ैशन डिज़ाइन, यूआई यूएक्स, फ़ाइन आर्ट्स तथा गेम डिज़ाइन के विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों और उद्योग विशेषज्ञों ने सक्रिय सहभागिता की। सम्मेलन का औपचारिक उद्घाटन विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. (डॉ.) रघुवीर सिंह के प्रेरक संबोधन से हुआ। उद्घाटन सत्र में डॉ. अशोक कुमार (पूर्व एच-ग्रेड वैज्ञानिक, सीएसआईआर सबीआरआई), सराना भाटिया, प्रख्यात कलाकार गोपालराम जोशी, स्पेन की समकालीन कलाकार एल्विरा मातोस तथा आइआईआईडी के चेयरपर्सन हेमंत सूद सहित अनेक विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। इस अवसर पर सोआड की छात्र प्रदर्शनी रासा का उद्घाटन भी किया गया, जिसने छात्रों की सृजनात्मक क्षमता को प्रदर्शित किया। पहले दिन उद्योग सत्रों, हैंड्स-ऑन वर्कशॉप्स और सम्वाद के अंतर्गत इंटरैक्टिव पैनल चर्चाओं का आयोजन किया गया।

आईआईसी द्वारा "इननोवेट टू एक्सेल द्वितीय संस्करण" का सफल आयोजन किया

नई दिल्ली। जेपी यूनिवर्सिटी ऑफ़ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी के इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल द्वारा 20 फरवरी 2026 को विश्वविद्यालय परिसर में "इननोवेट टू एक्सेल – द्वितीय संस्करण" का सफल आयोजन किया गया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में नवाचार आधारित सोच को प्रोत्साहित करना, उद्यमिता के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा बौद्धिक सहभागिता को सशक्त बनाना था। कार्यक्रम का शुभारंभ औपचारिक उद्घाटन सत्र से हुआ, जो माननीय कुलपति प्रो. आर.के. शर्मा के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का समन्वयन प्रो. तीर्थ राज सिंह, एसोसिएट डीन (इनोवेशन), के साथ प्रो. आशीष रोहिल्ला एवं डॉ. सौरभ श्रीवास्तव द्वारा किया गया। इस अवसर पर श्री मनु भास्कर गौर, सीईओ जेपी यूनिवर्सिटी के निरंतर सहयोग और प्रोत्साहन के लिए विशेष आभार व्यक्त किया गया, जिन्होंने नवाचार आधारित पहलों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम की प्रमुख विशेषताओं में सुश्री ऋतिका सिंह, सीईओ एवं फाउंडर कांटेन्ट फैक्टरी का कीनोट सत्र शामिल रहा, जिसमें उन्होंने डिजिटल उद्यमिता और नवाचार आधारित व्यवसाय मॉडल पर अपने विचार साझा किए।

हरियाणा सरकार — निविदा सूचना

क्र. सं.	बोर्ड/निगम/प्राधि. का नाम	कार्य सूचना निविदा का नाम	खुलने की तिथि बंद होने की तिथि (समय)	राशि/ईएमडी (लगभग) रु.में	बोर्ड/निगम/प्राधि. की वेबसाइट	नोडल अधिकारी / सम्पर्क विवरण/ ई-मेल
1	नगर निगम रोहतक	कैनाल रेस्ट हाउस चौक, एम.सी. रोहतक में एफआरपी मैटीरियल स्टेच्यु की आपूर्ति और स्थापना।	बंद होने की तिथि 26.02.2026	रु. 2.33 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9467717422 xenmcrohtak@gmail.com
2	नगर निगम रोहतक	नगर निगम रोहतक के तहत रोहतक में एक एकड़ भूमि में डॉ. मंगल सेन मैमोरियल भवन का निर्माण (सिविल कार्य, पलम्बिंग कार्य और विद्युत कार्य)।	20.02.2026 12.03.2026	रु.1326.95 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9467283967 xenmcrohtak@gmail.com

अधिक जानकारी हेतु कृपया पधारें: www.haryanaeprocurement.gov.in or www.etenders.hry.nic.in

संवाद–13/2026/60/43237/I/88/7 दि. 23.02.26

शब्द पहेली - 6148

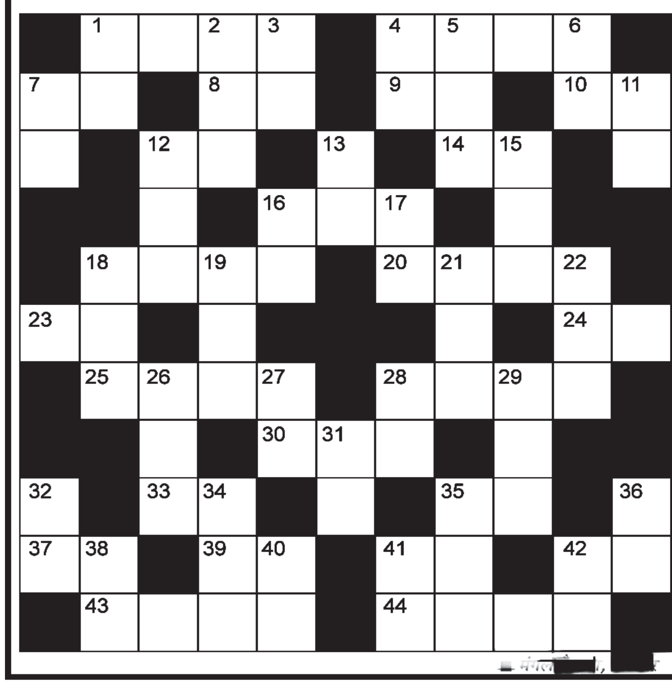

बाएँ से दाए-
1.सुरक्षित-4
4.माहुर,आलता-4
7.कार्य,काज-2
8.रांझे की प्रेमिका-2
9.स्याही,कालिख-2
10.भूमि,धरा-2
12.ठाठ-बाट-2
14.अधर,होठ-2
16.विशाल,श्रेष्ठ-3
18.आदेश,आज्ञा-4
20.कृष्ण भक्त एक मुस्लिम कवि-4
23.काका की पत्नी-2
24.कामदेव की पत्नी-2
25.जनवासा,हरम-4
28.हमसफर-4
30.कपड़े धोने वाला-3
33.आनंद,मौज-2
35.संदेह-2
37.सरूर,खुमार-2
39.मृत्यु का देवता-2
41.पुण्य का विलोम-2
42.परछाई,छाया-2
43.शिव,रुद्र,शंकर-4
44.सराबोर,सना हुआ-4

ऊपर से नीचे
1.समान,एक जैसा-2
2.बारीक-3
3.भीगा हुआ-2
4.मेरा (संस्कृत-2)
5.पाना,प्राप्त-3
6.घोड़ागाड़ी,गाड़ी-2
7. कहवा-2
11.उद्देश्य-2
12.गजल लिखनेवाला-3
13.उस जगह-2
15.बारिश,वर्षा-3
16.जी,चित-2
17.मर्द,आदमी-2
18.दरवेश-3
19.मध्य प्रदेश का एक क्षेत्र-3
21.साजन,प्रेमी-3
22.मुलायम-3
26.कायदा,कानून-3
27.महोदय (अंग्रेजी)-2
28.अधिकार-2
29.खटखटाना-3
31.जगत,दुनिया-2
32.प्राण,जीव-2
34.स्वाद-3
35.प्रतिज्ञा-3
36.शरीर,तन-2
38.संध्या,सांझ-2
40.अपशिष्ट पदार्थ-2
41.मस्तूल,नौका पर बांधा जाने वाला कपड़ा-2
42.संग,संगत-2

शब्द पहेली -6147 का हल

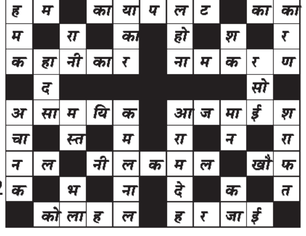

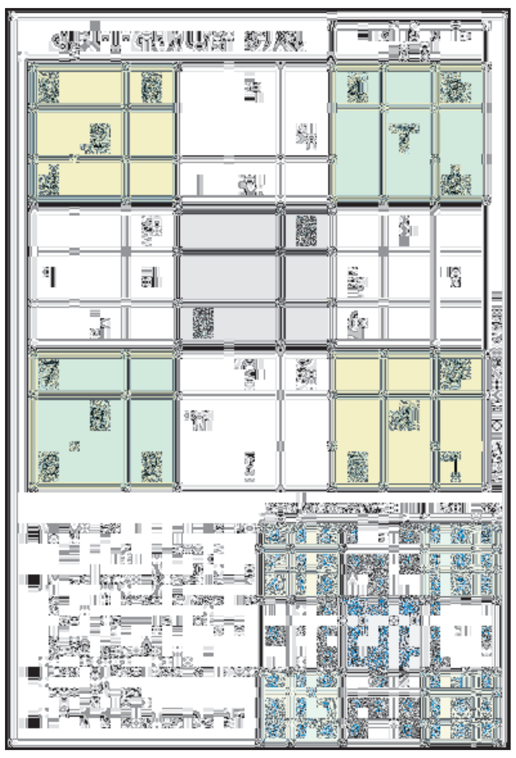

खबर संक्षेप

आईजीपीएल देगा 10 करोड़ डॉलर की फ्रेंचाइजी

नई दिल्ली। इंडियन गोल्फ प्रीमियर लीग (आईजीपीएल) ने देश भर के 10 फ्रेंचाइजी साझेदारों से 10 करोड़ डॉलर की प्रतिबद्धता की घोषणा की, जिसमें प्रत्येक निवेशक ने 10 साल की अवधि में लगभग एक करोड़ डॉलर देने का वादा किया। यह खेल को पेशेवर बनाने और इसके विस्तार के लिए लंबे समय तक चलने वाले प्रयास का संकेत है। आईजीपीएल ने पिछले साल अपना पहला पेशेवर टूर आयोजित किया था जिसमें 11 प्रतियोगिताएं आयोजित की गई, जिसमें 54 होल की मिश्रित स्पर्धाएं कट रहित प्रारुप में खेली गईं। प्रत्येक टूर्नामेंट की इनामी राशि डेढ़ करोड़ रुपए थी। इस टूर में भारत, दुबई और कोलंबो में प्रतियोगिताएं हुई थीं। आईजीपीएल ने पिछले साल जुलाई में एक शहर आधारित फ्रेंचाइजी लीग की योजना की घोषणा की थी, जो शुरू में जनवरी-फरवरी के लिए तय थी।

भारत को परिस्थितियों के अनुसार खेलना चाहिए

अहमदाबाद। दिग्गज बल्लेबाज सुनील गावस्कर का मानना है कि भारत को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले गए टी20 विश्व कप के मैच से सबक लेकर अपने अहं का त्याग करना चाहिए और अति आत्मविश्वास के साथ मैदान पर उतरकर हर गेंद को बाउंड्री लाइन के बाहर भेजने के बजाय परिस्थितियों के अनुसार खेलना चाहिए। गावस्कर ने कहा, ' भारतीय बल्लेबाजों को ब्रेविस और मिलर की साझेदारी से सीख लेकर इस तरह का दृष्टिकोण अपनाने की जरुरत थी। भारतीय बल्लेबाजों ने ऐसा नहीं किया। वे अति आत्मविश्वास के साथ उतरे, हर गेंद पर बल्ला चलाया और विकेट गंवा दिए। दक्षिण अफ्रीका खेल के हर विभाग में भारत से अव्वल साबित हुआ।'

वरुण पर दबाव बनाने के इरादे से उतरा था: मिलर

अहमदाबाद। भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप सुपर आठ मुकाबले में स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को बेअसर साबित करने वाली दक्षिण अफ्रीका टीम की रणनीति के बारे में आक्रामक बल्लेबाज डेविड मिलर ने कहा कि इसके लिए बस शांत दिमाग, सीमित मूवमेंट और मजबूत इरादे की जरुत थी। मिलर ने कहा,' मुझे लगता है कि यह पक्का करने के बारे में है कि अगर वह खराब गेंद डालता है तो हम उसे दूर खेल सकें। गेंद ज्यादा स्पिन भी नहीं हो रही थी तो यह सही रणनीति थी।' उन्होंने कहा,' एक बार फिर हमें लगा कि उस पर दबाव बनाना जरूरी है क्योंकि वह हर विरोधी टीम के लिये खतरा साबित होता है। हमने इस पर बात की थी।' अपनी पारी के बारे में मिलर ने कहा कि उन्होंने 'बेसिक्स' पर अमल किया, जिससे अब तक उन्हें सफलता मिलती आई है। उन्होंने कहा,' यह सुनिश्चित करना था कि आप सरल चीजों पर और अपनी तैयारियों के बेसिक्स पर अडिग रहें।

जर्मन ओपन में भारतीय चुनौती की अगुआई करेंगे श्रीकांत, तन्वी

मुल्हेम आन डेर रुर। अनुभवी बैडमिंटन खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत और तन्वी शर्मा मंगलवार से शुरू हो रहे जर्मन ओपन सुपर 300 टूर्नामेंट में भारत की चुनौती की अगुआई करेंगे। दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी श्रीकांत ने पिछले सत्र में मलेशिया मास्टर्स सुपर 500 और सैयद मोदी अंतरराष्ट्रीय सुपर 300 में उप विजेता रहते हुए अच्छा प्रदर्शन किया था लेकिन खिताब जीतने में नाकाम रहे। वह अपने अभियान की शुरुआत एक क्वालीफायर के खिलाफ करेंगे। महिला एकल विश्व रैंकिंग में 40वें स्थान पर काबिज 16 साल की तन्वी पहले दौर में मलेशिया की वोंग लिंग चिंग से भिड़ेंगी।

सुपर-8 में आज इंग्लैंड और पाकिस्तान का आमना-सामना, स्पिनरों पर रहेगा फोकस

एजेंसी ▶▶ पाल्लेकल

धीमे गेंदबाजों की मददगार पिच पर इंग्लैंड और पाकिस्तान की टीमें टी20 विश्व कप के सुपर आठ मुकाबले में मंगलवार को जब आमने सामने होंगी तो फोकस स्पिन गेंदबाजों पर रहेगा।

इंग्लैंड की टीम अभी तक अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर सकी है लेकिन दो बार की चैंपियन टीम जीत की राह पर लौटी है। सुपर आठ चरण के पहले मैच में श्रीलंका को 51 रन से हराया, जिससे उसका नेट रनरेट भी बेहतर हुआ है और वह तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई है। श्रीलंका के खिलाफ कम स्कोर का बचाव करते हुए इंग्लैंड के खिलाड़ियों ने हालात के अनुरुप खेला। उसके स्पिनरों ने अपने काम को बखूबी अंजाम दिया जबकि तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर भी उपयोगी रहे।

लेग स्पिनर आदिल रशीद और बाएं हाथ के स्पिनर लियाम डॉसन को भी विकेट मिले। विल जैक्स ने अच्छी आफ स्पिन गेंदबाजी के अलावा जरुरत पड़ने पर उपयोगी पारियां भी खेली है और कई बार इंग्लैंड को संकट से निकाला।

साल्ट फॉर्म में लौटे

सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट श्रीलंका के खिलाफ उम्दा पारी खेलकर फॉर्म में लौटे हैं। टूर्नामेंट में पहली बार उन्होंने पावरप्ले के बाद तक बल्लेबाजी की। जोस बटलर का फॉर्म चिंता का सबब बना हुआ है लेकिन उन्हें कप्तान हैरी ब्रूक का समर्थन हासिल है। इंग्लैंड ने इस महीने की शुरुआत में इस मैदान पर तीन मैचों की टी20 श्रृंखला 3-0 से जीती थी। ब्रूक ने श्रीलंका को हराने के बाद कहा,' अभी तक हम बल्लेबाजी में परफेक्ट खेल नहीं दिखा सके हैं। हमें अच्छी शुरुआत और बड़े स्कोर नहीं मिले। मुझे लगता है कि बहुत जल्दी वह होगा। जोस बटलर, जैकब बेथेल और मैं खुद बड़े स्कोर नहीं बना सके हैं लेकिन इसके बावजूद हम जीतने में कामयाब रहे।'

पाकिस्तान के लिए बल्लेबाजी चिंता का सबब

दूसरी ओर पाकिस्तान का न्यूजीलैंड के खिलाफ पहला सुपर आठ मैच बारिश में धुल गया, जिससे अब उसे दोनों मैच जीतने होंगे। उसके पास उस्मान तारिक, सईम अयूब, अबरार अहमद, शादाब खान और मोहम्मद नवाज जैसे अच्छे स्पिनर हैं। बल्लेबाजी हालांकि चिंता का सबब है, खासकर अच्छे स्पिनरों के खिलाफ वे टिक नहीं पा रहे।

टीमें इस प्रकार

इंग्लैंड : हैरी ब्रूक (कप्तान), टॉम बेंटोन, जोस बटलर, बेन डकेट, फिल साल्ट, जैकब बेथेल, सैम कुरेन, लियाम डॉसन, विल जैक्स, जैमी ओवरटन, रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, आदिल रशीद, जोश टंग, ल्यूक वुड

पाकिस्तान: सलमान अली आगा (कप्तान), अबरार अहमद, बाबर आजम, फहीम अशरफ, फखर जमां, ख्वाजा नफे, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद सलमान मिर्जा, नसीम शाह, साहिबजादा फरहान, सईम अयूब, शाहीन शाह अफरीदी, शादाब खान, उस्मान खान, उस्मान तारिक।

मैच : शाम 7 बजे से शुरू होगा।

हेटमायर-पॉवेल के अर्धशतक, गुडाकेश मोती को 4 विकेट

टी-20 वर्ल्डकप: वेस्टइंडीज की सुपर-8 में पहली जीत, जिम्बाब्वे को 107 रन से हराया

▶▶ हेटमायर ने 19 बॉल पर फिफ्टी लगाई

एजेंसी ▶▶ मुंबई

शिमरोन हेटमायर और रोवमैन पावेल के अर्धशतक के बाद गुडाकेश मोती और अकील हुसैन के फिरकी के जादू से वेस्टइंडीज ने आईसीसी टी-20 विश्व कप के सुपर आठ मैच में सोमवार को यहां जिम्बाब्वे को 107 रन से रौंद दिया। वेस्टइंडीज के 255 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए जिम्बाब्वे की टीम बाएं हाथ के स्पिनर मोती (28 रन पर चार विकेट) के करियर की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी के सामने 17.4 ओवर में 147 रन पर सिमट गई। बाएं हाथ के स्पिनर हुसैन ने 28 रन देकर तीन जबकि मैथ्यू फोर्ड ने 27 रन देकर दो विकेट चटकाए। जिम्बाब्वे की ओर से ब्रेड इवांस ने 21 गेंद में पांच छक्कों और दो चौकों से सर्वाधिक 43 रन बनाए। उनके अलावा डियोन मायर्स (28) और कप्तान सिकंदर रजा (27) ही 20 रन के आंकड़े को पार कर पाए। हेटमायर ने इससे पहले दो जीवनदान का फायदा उठाते हुए अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी के दौरान 34 गेंद में सात छक्कों और इतने ही चौकों से 85 रन की पारी खेलने के अलावा रोवमैन पावेल (59 रन, 35 गेंद, चार चौके, चार छक्के) के साथ तीसरे विकेट के लिए 52 गेंद में 122 रन की साझेदारी करके वेस्टइंडीज को छह विकेट पर 254 रन तक पहुंचाया जो टूर्नामेंट के इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है। शेरफेन रदरफोर्ड ने भी 13 गेंद में दो छक्कों और तीन चौकों से नाबाद 31 रन की तेजतर्रार पारी खेली। जिम्बाब्वे की ओर से रिचर्ड नगारवा और ब्लेसिंग मुजरबानी ने क्रमशः 47 और 42 रन देकर दो-दो विकेट चटकाए। रजा ने तीन ओवर में 52 रन लुटाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरे जिम्बाब्वे की शुरुआत खराब रही और टीम ने 20 रन के स्कोर तक तीन विकेट गंवाए। ताडिवनाशे मरुमानी (14) ने मैथ्यू फोर्ड की गेंद पर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में डीप बैकवर्ड प्वाइंट पर हेटमायर को कैच थमाया जबकि अगले ओवर में बाएं हाथ के स्पिनर अकील हुसैन ने सलामी बल्लेबाज ब्रायन बेनेट (05) को बोल्ड करने के बाद रेयान बर्ल को खाता खोले बिना पवेलियन भेजा।

वेस्टइंडीज अंकतालिका में टॉप पर पहुंची
●
टीम इंडिया का काम किया खराब

वेस्टइंडीज-254/6 (20)

खिलाड़ी	रन
ब्रेंडन का मुसेकिवा बो नगारवा	09
शाई होप का बेनेट बो इवान्स	14
शिमरोन का बेनेट बो क्रेमर	85
पावेल का मुसेकिवा बो मुजरबानी	59
शेरफेन रदरफोर्ड नाबाद	31
रोमारियो का बर्ल बो नगारवा	21
होल्डर का मुनयोंगा बो मुजरबानी	13
मैथ्यू फोर्डे नाबाद	01

अतिरिक्तः 21
कुल:20 ओवर में छह विकेट परः 254 रन
गेंदबाजीः नगारवा 4-0-47-2, मुजरबानी 4-0-42-2, इवान्स 4-0-46-1, क्रेमर 4-0-38-1, रजा 3-0-52-0, मायर्स 1-0-19-0

जिम्बाब्वे-147/10 (17.4)

खिलाड़ी	रन
मरुमानी का हेटमायर बो फोर्डे	14
ब्रायन बेनेट बो हुसैन	05
डियोन मायर्स बो मोती	28
रेयान का हेटमायर बो हुसैन	00
सिकंदर रजा बो मोती	27
टोनी का जोसेफ बो मोती	14
ताशिंगा मुसेकिवा बो मोती	00
ब्रेड इवान्स का हुसैन बो फोर्ड	43
ग्रीम क्रेमर का एवं बो होल्डर	00
ब्लेसिंग का जोसेफ बो हुसैन	00
रिचर्ड नगारवा नाबाद	07

अतिरिक्तः09
कुलः 17.4 ओवर में सभी विकेट खोकरः 147
गेंदबाजीः हुसैन 4-1-28-3, फोर्ड 3.4-0-27-2, मोती 4-1-28-4, जोसेफ 3-0-35-0, होल्डर 3-0-25-1

एलिसी खेलेंगी आखिरी वनडे सीरीज बेथ मूनी होंगी नई विकेटकीपर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलिया की कप्तान और विकेटकीपर बल्लेबाज एलिसा हीली भारतीय टीम के खिलाफ अपनी आखिरी वनडे सीरीज खेलने के लिए तैयार हैं। एलिसी हीली की जगह अब बेथ मूनी को ऑस्ट्रेलिया टीम की नई फुल- टाइम विकेटकीपर नियुक्त किया गया है।

35 वर्षीय हीली मंगलवार को ब्रिस्बेन के एलन बॉर्डर फील्ड में होने वाले पहले वनडे में टीम की कप्तानी करेंगी। यह मुकाबला उनके दो सप्ताह लंबे विदाई दौरे की शुरुआत होगा, जिसमें होबार्ट में दो और वनडे और अगले महीने पर्थ के वाका में एक टेस्ट खेला जाएगा।

सभी फॉर्मेट में किए 275 शिकार

टेस्ट के साथ हीली अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह देंगी। हीली 2014 से ऑस्ट्रेलिया की पहली पसंद की विकेटकीपर रही हैं और उन्होंने सभी फॉर्मेट में रिकॉर्ड 275 शिकार किए हैं। भारत के खिलाफ वनडे सीरीज में उनके ओपनिंग बल्लेबाज के रूप में खेलने की उम्मीद है।

मूनी पहले भी कर चुकी हैं विकेटकीपिंग

मूनी को लंबे समय से भविष्य की नियमित विकेटकीपर माना जा रहा था, लेकिन टीम प्रबंधन ने इस होम समर में ही उन्हें यह जिम्मेदारी सौंप दी। माना जा रहा है कि टी20 सीरीज में लगातार कीपिंग करने और पिछले एक साल में विकेटकीपिंग में आए सुधार ने उन्हें यह मौका दिलाया। हीली की गैरमौजूदगी में मूनी पहले भी 28 बार पर विकेटकीपिंग कर चुकी हैं। सीरीज से पहले मूनी ने कहा कि फुल-टाइम जिम्मेदारी मिलने से उनकी तैयारी बेहतर होगी। उन्होंने स्वीकार किया कि अलग-अलग फील्डिंग पोजीशन और कीपिंग के बीच संतुलन बनाना चुनौतीपूर्ण था, लेकिन अब स्पष्ट भूमिका मिलने से उन्हें फायदा होगा। ऑस्ट्रेलिया का अगला कार्यक्रम वेस्टइंडीज का मल्टी-फॉर्मेट दौरा और जून में इंग्लैंड में होने वाला टी20 वर्ल्ड कप है। ऐसे में मूनी का स्थायी विकेटकीपर बनना टीम की निरंतरता और भविष्य की योजनाओं के लिहाज से अहम कदम माना जा रहा है।

रणजी ट्रॉफी फाइनल

कर्नाटक के खिलाफ जम्मू कश्मीर को करना होगा चमत्कारिक प्रदर्शन

एजेंसी ▶▶ हुब्बली

पहली बार रणजी ट्रॉफी फाइनल में पहुंची जम्मू कश्मीर की कहानी लगन और जुझारुपन की मिसाल है लेकिन खिताब जीतने के लिए इस छिपी रुस्तम टीम को अगले पांच दिन में आठ बार की चैंपियन कर्नाटक के खिलाफ चमत्कारिक प्रदर्शन करना होगा। कर्नाटक को उसके अतीत के प्रदर्शन के कारण ही प्रबल दावेदार नहीं माना जा रहा बल्कि इस सत्र में उसने समय-समय पर प्रमुख खिलाड़ियों की चोटों से जूझने के बावजूद अलग-अलग हालात में बेहतरीन प्रदर्शन किया है।

कर्नाटक के बल्लेबाजों ने लिखी कामयाबी की कहानी

राजकोट में सौराष्ट्र के खिलाफ पहले मुकाबले में खराब शुरुआत के बाद से कर्नाटक ने अपने मैदान पर और बाहर दमदार प्रदर्शन किया है। उसके स्टार बल्लेबाजों केएल राहुल, करुण नायर, देवदत्त पडिक्कल और रविचंद्रन स्मरण ने इस कामयाबी की कहानी लिखी है। कर्नाटक के पास भी शानदार गेंदबाजी आक्रमण है, जिसकी अगुवाई भारतीय तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा करेंगे। उनका साथ देने के लिए विद्वत कावेरप्पा, विद्याधर पाटिल, विशाख विजयकुमार, शिखर शेट्टी और मोहसिन खान हैं। लेग स्पिनर श्रेयस गोपाल 46 विकेट लेने के अलावा 442 रन बना चुके हैं।

जम्मू-कश्मीर पहली बार खेलेगी फाइनल

जम्मू-कश्मीर ने 67 साल पहले रणजी ट्रॉफी में पदार्पण के बाद पहली बार फाइनल में प्रवेश किया है। नबी ने इस सत्र में 55 विकेट लिए हैं और यहां पर भी पिच से शुरुआत में तेज गेंदबाजों को मदद मिलने की उम्मीद है। बंगाल और मध्यप्रदेश जैसे दिग्गजों को हराने वाली जम्मू कश्मीर टीम के पास पारस डोगरा जैसा अनुभवी कप्तान है। मुख्य कोच अजय शर्मा और 41 वर्ष के डोगरा को खिलाड़ियों को बिना किसी दबाव के खुलकर खेलने का गुरुमंत्र देना होगा। जम्मू कश्मीर के शीर्षक्रम के बल्लेबाज शुभम खजूरिया और बाएं हाथ के स्पिनर वंशराज शर्मा को अभ्यास सत्र के दौरान चोट लगने के बाद मेडिकल सहायता लेनी पड़ी। खजूरिया को पीठ में तकलीफ थी जबकि वंशराज के टखने में चोट लगी थी। उन्हें स्ट्रेचर पर ले जाया गया।

आईएसएल : बराबरी पर खत्म हुआ बेंगलुरु और नॉर्थईस्ट यूनाइटेड का मुकाबला

बेंगलुरु। बेंगलुरु एफसी और नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी के बीच इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) मुकाबला 1-1 की बराबरी पर समाप्त हुआ। बेंगलुरु एफसी ने पहले हाफ में ब्रायन सांचेज के 18वें मिनट के गोल से बढ़त बनाई, लेकिन नॉर्थईस्ट यूनाइटेड ने दूसरे हाफ में लालरिंजुआला के 68वें मिनट के गोल से बराबरी हासिल की। नॉर्थईस्ट यूनाइटेड के शुरुआती दबाव के बावजूद पहला गोल बेंगलुरु ने किया। अशिक कुरुनियां ने ब्रायन को बाएं किनारे से पास दिया और अर्जेंटीनी खिलाड़ी ने दाएं पैर से गोल कर टीम का खाता खोला। मैच के 64वें मिनट में मैदान पर आये लालरिंजुआला ने तुरंत प्रभाव दिखाया। इस स्थानापन्न खिलाड़ी ने 68वें मिनट में अशीर से गेंद लेकर शानदार नियंत्रण बनाया और गुरप्रीत के ऊपर से गेंद को गोलपोस्ट में पहुंचाकर स्कोर 1-1 कर दिया। मैच का निर्णायक गोल नहीं होने के कारण मुकाबला रोमांचक अंदाज में बराबरी पर समाप्त हुआ।

ऑस्ट्रेलिया 8 साल बाद करेगा साउथ अफ्रीका का दौरा, शेड्यूल का ऐलान

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम 8 आठ साल बाद साउथ अफ्रीका के दौरे पर जाएगी। साल 2026 के अंत में उसका दौरा होगा। इसमें तीन वनडे और इतने ही टेस्ट खेले जाने हैं। ऑस्ट्रेलिया ने 2018 में आखिरी बार साउथ अफ्रीका का दौरा किया था। क्रिकेट साउथ अफ्रीका ने अपना 2026-27 का शेड्यूल जारी किया। इसमें बताया कि वह ऑस्ट्रेलिया की मेजबानी करेगा। इसके तहत पहले तीन वनडे खेले जाएंगे, जो डरबन, जोहानिसबर्ग और पॉचेफ्स्ट्रूम में होंगे। यह सीरीज 24 से 30 सितंबर के बीच खेली जाएगी। इसके बाद अक्टूबर में

टेस्ट सीरीज होनी है। ये मुकाबले डरबन, गबेरहा और केप टाउन में होंगे। वनडे और टेस्ट सीरीज के बीच में ऑस्ट्रेलियाई टीम एक वॉर्म अप मुकाबला भी खेलेगी।

ऑस्ट्रेलियाई टीम जिम्बाब्वे जाएगी

समझा जाता है कि ऑस्ट्रेलियाई टीम साउथ अफ्रीका जाने से पहले जिम्बाब्वे जाएगी। वहां पर वनडे मुकाबले खेलेगी। अभी यह तय नहीं है कि कितने मैच होंगे और कहां खेले जाएंगे। ऑस्ट्रेलियाई टीम अगस्त में बांग्लादेश टीम की मेजबानी करेगी। साउथ अफ्रीकी टीम साल के आखिर में बांग्लादेश और इंग्लैंड के साथ भी घर पर टेस्ट खेलेगी।

वनडे सीरीज: भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पहला मैच आज सुबह 9.20 से

ऑस्ट्रेलिया को फिर चित करने की तैयारी में भारतीय महिला टीम

एजेंसी ▶▶ ब्रिसबेन

टी20 श्रृंखला जीत चुकी मौजूदा विश्व चैंपियन भारतीय टीम तीन मैचों की वनडे श्रृंखला के पहले मैच में मंगलवार को आस्ट्रेलिया से खेलेगी तो उसे मनोवैज्ञानिक बढ़त हासिल होगी। भारत ने पिछले साल नवी मुंबई में विश्व कप सेमीफाइनल में आस्ट्रेलिया को हराया था।

यह श्रृंखला इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि आस्ट्रेलिया की महानतम खिलाड़ियों में से एक एलिसा हीली इसके बाद वनडे प्रारुप से विदा लेने जा रही हैं। भारत ने टी20 श्रृंखला 2-1 से जीती, जो पिछले एक दशक में इस प्रारुप में आस्ट्रेलिया में श्रृंखला में उसकी पहली जीत थी। स्टार लेग स्पिनर अलाना किंग भी वनडे और टेस्ट टीम में लौटी हैं।

प्रतिका वनडे टीम में शामिल

भारत के लिए काशवी गौतम, हरलीन देयोल और प्रतिका रावल टीम में अरुधति रेड्डी, भारती फुलमाली और श्रेयांका पाटिल की जगह आई हैं। टखने की चोट से उबरी प्रतिका को बाद में वनडे टीम में शामिल किया गया। स्टार सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने तीसरे टी20 में 82 रन बनाए और वह इस फॉर्म को जारी रखना चाहेंगी। मंधाना ने कहा,' आस्ट्रेलिया को आस्ट्रेलिया में हराना खास है। हम विश्व क्रिकेट में दबदबा बनाना चाहते हैं लिहाजा किसे कराते हैं और कहां हराते हैं, यह मायने नहीं रखता। हमें बस लगातार जीतना है और शीर्ष पर रहना है।' जेमिमा रौड्रिग्स भी अच्छी लय में हैं, जिन्होंने तीसरे टी20 में 59 रन बनाए थे। कप्तान हरमनप्रीत कौर को पहले टी20 में बल्लेबाजी का मौका नहीं मिला लेकिन दूसरे में उन्होंने 36 और तीसरे में नाबाद दो रन बनाए थे।

दीप्ति के फॉर्म में लौटने की उम्मीद

गेंदबाजी में रेणुका ठाकुर और श्रीचरणी ने अच्छा प्रदर्शन किया है। दीप्ति शर्मा से फॉर्म में लौटने की उम्मीद होगी। आस्ट्रेलियाई टीम में मैच जिताने वाले खिलाड़ियों की कमी नहीं है। एलिसे पैरी, एशले गार्डनर, बेथ मूनी, ताहलिया मैकग्रा, हीली और किंग से प्रेरणा लेकर वे वापसी की कोशिश करेंगे। दूसरा मैच 27 फरवरी को और तीसरा 1 मार्च को होबार्ट में खेला जाएगा।

टीमें इस प्रकार

भारत : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, रेणुका ठाकुर, श्रीचरणी, वैष्णवी शर्मा, क्रांति गौड़, स्नेह राणा, दीप्ति शर्मा, रिचा घोष, उमा छेत्री, अमनजोत कौर, जेमिमा रौड्रिग्स, काशवी गौतम , हरलीन देयोल, प्रतिका रावल।

आस्ट्रेलिया : एलिसा हीली (कप्तान), सोफी मोलिनू, डार्सी ब्राउन, निकोला कारी, एशले गार्डनर, किम गार्थ, अलाना किंग, फीबी लिचफील्ड, बेथ मूनी, ताहलिया मैकग्रा, एलिसे पैरी, अनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वोल, जॉर्जिया वेयरहैम।

मैच सुबह 9.20 से शुरू होगा।

भारतीय दूतावास ने मैक्सिको में अपने नागरिकों के लिए परामर्श जारी अतिरिक्त सतर्कता बरतने की दी सलाह

मैक्सिको के सैनिकों द्वारा दुनिया के सबसे वांछित ड्रग तस्कर 'एल मेंचो' को ढेर करने के बाद बढ़ा तनाव

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

उत्तरी-अमेरिकी महाद्वीप के सुदूर दक्षिण में बसे मैक्सिको के 59 वर्षीय भगोड़े और दुनिया के वांछित ड्रग तस्कर 'एल मेंचो' यानी नेमेसियो रुबन ओसेगुएरा सर्वेंटेस की बीते रविवार को सुरक्षाबलों द्वारा चलाए गए एक अभियान में हुई मौत के बाद जारी हिंसा, आगजनी से तेजी से बढ़ते तनाव के बीच सोमवार को मैक्सिको में भारतीय दूतावास ने अपने नागरिकों के लिए एक महत्वपूर्ण परामर्श जारी किया है। जिसमें उन्हें पहले से अधिक सतर्कता बरतते हुए अपने-अपने मौजूदा स्थानों पर रहने की सलाह दी गई है। यहां बता दें कि एल मेंचो की मौत की जानकारी मैक्सिको के स्थानीय मीडिया द्वारा प्रचारित-प्रसारित की गई है। जिसमें वो ये बता रहे हैं कि मेंचो की मौत की पुष्टि मैक्सिको के रक्षा मंत्रालय ने की है। जबकि राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम ने मामले में किसी तरह की कोई घोषणा करने से फिलहाल दूरी बनाई हुई है। उनका तर्क है कि मामले पर सुरक्षा कैबिनेट में ही तफ्सील से जानकारी दी जाएगी।

संदेशों से परिवार के संपर्क में रहें

दूतावास का ये भी कहना है कि किसी परिस्थिति में अगर देश के किसी भी व्यक्ति को बाहर निकलना भी पड़ता है। तो वो अपने फोन के जरिए फोटो, संदेशों या सोशल माध्यम से हमेशा अपने परिजनों और मित्रों के साथ अपनी लोकेशन व अन्य जानकारी साझा करते हुए संपर्क बनाए रखें और अपनी कुशल-क्षेम देते रहें।

ये है परामर्श में की गई काम की बात

सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट के जरिए भारतीय दूतावास ने कहा कि मैक्सिको में रहने वाले सभी प्रिय भारतीय नागरिक...उक्त घटनाक्रम के बीच जारी मौजूदा सुरक्षा अभियानों और उनसे सड़कों पर लगी पाबंदी और आपराधिक गतिविधियों को देखते हुए जेलिस्को राज्य और प्यूरटो वलारटो, चपाला और गुआदालजारा जैसे इलाकों, तमाउलिपास राज्य, मिचोयकेन, गुयेरियो राज्य और न्युवो लियोन जैसे राज्य में अगले नोटिस से पहले सुरक्षित जगहों पर रहें। इस संबंध में दूतावास ने जरूरी दिशानिर्देश जारी किए हैं। भारतीयों को ये भी कहा गया है कि वो कानून-व्यवस्था से जूझ रही जगहों पर न जाएं, अपने आस-पास में चल रही गतिविधियों पर पैनी नजर बनाए रखें। अपने सुरक्षित ठिकाने से कम से कम बाहर निकलें। साथ ही हर जरूरी अपडेट के लिए मैक्सिको के स्थानीय मीडिया पर नजर बनाए रखें, वहां की स्थानीय एजेंसियों के निर्देशों का पालन करें और किसी आपात स्थिति में 911 पर कॉल करें।

अमेरिका ने ली राहत की सांस

वहीं, दूसरी ओर इस कुख्यात ड्रग तस्कर का मारा जाना दुनिया के बाकी देशों के अलावा अमेरिका के लिए सबसे फायदेमंद है। क्योंकि एल मेंचो बीते काफी वक्त से बड़ी तादाद वहां नशीले ड्रग पदार्थों की तस्करी में लिप्त था। जिसकी गिरफ्तारी पर अमेरिका ने करीब 1.5 करोड़ का इनाम रखा था। साथ ही ये वहां भी मामले में वांछित था। यहां बता दें कि मेंचो की मौत बीते 22 फरवरी को मैक्सिको के जुलिस्को राज्य में एक सैन्य अभियान में घायल होने के बाद एयर एंबुलेंस से मैक्सिको शहर ले जाते वक्त हुई थी। जिसके बाद इस देश के विभिन्न शहरों में हिंसा फैल गई है। मेंचो मैक्सिको के जेलिस्को न्यू जनरेशन कार्टेल (सीजीएनजी) का प्रमुख था। बीते लगभग एक दशक में ये गिरोह मैक्सिको के सबसे शक्तिशाली ड्रग तस्करी गिरोह के रूप में उभरा। अमेरिका ने सीजीएनजी को विदेशी आतंकी संगठन भी घोषित किया हुआ है।

भारत एक आधिकारिक बयान जारी कर पाकिस्तानी हमलों की कर चुका है कड़ी निंदा

डूरंड लाइन पर अफगानिस्तान के खिलाफ जारी एयरस्ट्राइक की आग में झुलसती पाकिस्तानी 'पश्तून' आबादी

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

दशकों से लगातार सीमापार आतंकवाद के नाम पर भारत में खून की होली खेलने वाले पाकिस्तान की अफगानिस्तान से लगी सीमा पर भी बीते कुछ दिनों से बमबारी का ताबड़तोड़ सिलसिला जारी है। जिसे और कोई नहीं बल्कि खुद पड़ोसी देश की सेना अफगानी आतंकवाद (तहरीक-ए-तालिबान-पाकिस्तान, टीटीपी) के खिलाफ सैन्य अभियान के नाम पर अंजाम देने में लगी हुई है। लेकिन यहां सबसे ज्यादा गौर करने वाली बात ये है कि इसमें अब तक किसी आतंकी का तो खास पता नहीं लेकिन डूरंड लाइन (पाक-अफगान सीमा) के करीब पाकिस्तान के अपने नक्शे के अंदर रह रहे मासूम और भोलीभाले पश्तून लोगों के बड़े पैमाने पर मारे जाने की सूचना मिल रही है। सूत्रों ने बताया कि बीते साल जनवरी तक 168 से अधिक पश्तून मारे (बड़ी तादाद में महिलाएं, बच्चे शामिल) गए हैं। जिनकी तस्दीक के लिए सूत्रों ने एयरस्ट्राइक के दौरान बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हुए उनके घरों के कुछ वीडियो, मातम में परसे परिवार और अपनों को सुपुर्द-ए-खाक कर गमजदा लोगों के कुछ वीडियो और फोटो साझा किए हैं।

डराने वाला है अफगानिस्तान का आंकड़ा

वहीं, सूत्र कहते हैं कि पाक की एयरस्ट्राइक में अफगानिस्तान के अंदर के हालातों पर नजर डालें, तो वह भी बहुत अच्छे नहीं हैं। सितंबर 2025 और फरवरी 2026 में 88 पश्तून मारे गए हैं। हमले की इस प्रक्रिया में पाकिस्तानी सेना के निशाने पर केवल आम पश्तून आबादी ही नजर आती है। इलाका भी पश्तूनों का ही है। लेकिन दुश्मन देश की सेना दुनिया के सामने अपनी इस नापाक हरकत को अफगानिस्तान से प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ चलाए जा रहे सैन्य अभियानों का नाम पर ढकने की कोशिश करने में जुटी हुई है। जबकि दूसरी ओर हवाई हमलों दौरान निशाना बनाए जा रहे घरों, स्थानीय लोगों के वाहनों, गांवों और हमलों के विरोध में किए जा रहे प्रदर्शन स्थलों को साफ तौर पर मिली तस्वीरों और वीडियो में देखा जा सकता है।

भारत ने की हमलों की निंदा

गौरतलब है कि भारत ने बीते रविवार को एक आधिकारिक बयान जारी कर पाकिस्तान की इन तमाम एयरस्ट्राइक की निंदा की है। साथ ही ये भी कहा है कि इनके जरिए वह अपनी आंतरिक विफलताओं को छिपाने की कोशिश कर रहा है। भारत अफगानिस्तान की संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और स्वतंत्रता के प्रति अपने समर्थन को दोहराता है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक बयान में कहा कि रमजान के पवित्र महीने के दौरान पाकिस्तान के अफगानिस्तानी क्षेत्र पर किए गए हमलों की भारत कड़ी निंदा करता है। जिनमें महिलाओं और बच्चों के साथ ही आम लोगों की जान चली गई है।

ताजा हमलों से कुछ यूं हुआ नुकसान

पाकिस्तानी दावे के मुताबिक, बीते 20-21 फरवरी की रात में की गई उसकी एयरस्ट्राइक में अफगानिस्तान के नंगरहार प्रांत में टीटीपी के ठिकानों को निशाना बनाया गया था। जबकि अफगानी अथोरिटी और स्वतंत्र क्षेत्रीय सूत्रों ने कहा कि इस एयरस्ट्राइक में बेसुद जिले में एक आम रिहाइश को निशाना बनाया गया था। जिसमें कुल करीब 17 नागरिकों की मौत हो गई है। जिसमें 11 मासूम बच्चे भी शामिल हैं। महिलाओं के भी मारे जाने की खबर है। पिछले करीब 24 घंटे से डूरंड लाइन पर हिंसा ने सीमा पार कर ली है। पाकिस्तान के खैबर जिले में तिराह घाटी में हुए मोर्टार के एक हमले में एक वाहन नष्ट हो गया है, जिसमें दो बच्चों के साथ पांच लोगों की मौत हुई है। मामले पर जैसे ही स्थानीय लोगों ने पास की सेना की एक पोस्ट के बाहर प्रदर्शन किया तो पाक सुरक्षाबलों ने उनपर भी गोलियां चलाना शुरू कर दिया। जिसमें चार और लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और 5 लोग घायल हो गए हैं।

खबर संक्षेप

नेपाल में धार्मिक स्थल पर बवाल, कर्फ्यू

काठमांडु। नेपाल के सीमावर्ती शहर वीरगंज में रविवार देर शाम दो गुटों के बीच हुई हिंसक झड़प और

पथराव के बाद स्थिति तनावपूर्ण देखते हुए परसा जिला प्रशासन ने सोमवार सुबह 9:45 बजे से अगले आदेश तक वीरगंज महानगर क्षेत्र में अनिश्चितकालीन कर्फ्यू लागू कर दिया है। सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता करने के लिए नेपाल पुलिस के साथ-साथ नेपाल सेना और आर्म्ड पुलिस फोर्स (एपीएफ) को सड़कों पर तैनात किया गया है। धार्मिक स्थल के पास विवाद से रविवार को भड़की हिंसा में आधा दर्जन लोग घायल हो गए थे।

नाइजीरिया में सशस्त्र समूहों ने 38 की हत्या की

अबुजा (नाइजीरिया)। नाइजीरिया में पिछले सप्ताह उत्तर-पश्चिमी जमफारा राज्य में सशस्त्र

समूहों के हमले में 38 लोग मारे गए और कई अन्य लोगों का अपहरण कर लिया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। राज्य पुलिस के प्रवक्ता याज़िद अबू बकर ने बताया कि अधिकारियों को बृहस्पतिवार को हुए हमले से पहले खुफिया जानकारी मिली थी, लेकिन रास्ता ठीक नहीं रहने के कारण पुलिस समय पर घटनास्थल तक नहीं पहुंच सकी।

ऑपरेशन क्लीन स्वीप: सेना बोली- 326 दिन तक ऑपरेशन चलाया तब मिली कामयाबी

सेना ने 7 आतंकियों को किया ढेर, खूंखार आतंकी सैफुल्लाह का हुआ अंत, दहल उठा दहशतगर्दों का गढ़

एजेंसी ▶▶ जम्मू

- सुरक्षा बलों के अलग अलग ऑपरेशन में ढेर हुए आतंकी
- सिक्योरिटी फोर्सेस पर कई जानलेवा हमलों का मास्टरमाइंड था सैफुल्लाह

भारतीय सेना की व्हाइट नाइट कोर ने एक्स पर 7 आतंकियों की फोटो पोस्ट की और लिखा है कि 326 दिन के बाद किश्तवाड़ से आतंक के नेटवर्क का खात्मा कर दिया गया है। पोस्ट में कहा गया है कि इन आतंकियों में जैश का कमांडर सैफुल्लाह भी मारा गया है। सैफुल्लाह किश्तवाड़ में आतंक का सरगना था। व्हाइट नाइट कोर ने बताया कि किश्तवाड़ में उनके अलावा जम्मू कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ समेत सेना की इंटेलीजेंस एजेंसी भी शामिल रहीं। गौरतलब है कि जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में चतरू इलाके में रविवार को सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ हुई। इसमें 3 आतंकी मारे गए थे।

इससे पहले 4 फरवरी को भी चतरू में ही सुरक्षाबलों ने जैश के ही एक आतंकी को मार गिराया था। उधमपुर में भी गुफा में छिपे जैश के 2 आतंकियों को ग्रेनेड विस्फोट में मार गिराया था। सेना ने बताया कि लगातार चल रहे ऑपरेशन में मदद के लिए एफपीवी ड्रोन, सैटेलाइट इमेजरी, रिमोटली पायलटेड एयरक्राफ्ट सिस्टम और यूएवी, कम्युनिकेशन के रूप में टेक्नोलॉजी का लगातार इस्तेमाल किया गया। मेजर जनरल बल ने यह भी बताया कि काउंटर-टेरर ऑपरेशन जारी रहेंगे। हम अपने इलाके में आने वाले टेररिस्ट को न्यूट्रलाइज करते रहेंगे।

2026 में सेना ने 2 ऑपरेशन चलाए

ऑपरेशन त्राशी: यह ऑपरेशन 18 जनवरी को सिंहपोरा के पास सोनार गांव के जंगलों में शुरू किया था। पहले एनकाउंटर में 8 जवान घायल हुए थे, जिनमें से हवलदार गजेंद्र सिंह की इलाज के दौरान मौत हो गई थी। इसके बाद 22 और 24 जनवरी को अलग-अलग मुठभेड़ हुईं, जबकि 31 जनवरी को डोलगाम इलाके में फिर से गोलीबारी हुई थी। चतरू में 3 आतंकियों के खात्मे के साथ यह खत्म हो गया है। ऑपरेशन किया: 4 फरवरी को सुरक्षा बलों ने आतंकियों पर अंडर बैरल ग्रेनेड लॉन्चर का इस्तेमाल किया। जिससे गुफा के हिस्से को विस्फोट के जरिए ध्वस्त कर दिया गया।

आतंकियों का सुराग देने वाले डॉग टायसन को गोली लगी

किश्तवाड़ में चलाए गए एनकाउंटर में इंडियन आर्मी के 2 पैरा (एसएफ) के के-9 डॉग टायसन को भी गोली लगी है। मिशन के दौरान, वह सबसे पहले उस धोक तक पहुंचा जहां आतंकवादी छिपे हुए थे। गोली लगने के बावजूद, टायसन ने ऑपरेशन जारी रखा। उसे बेहतर इलाज के लिए बेस हॉस्पिटल ले जाया गया है। बताया जा रहा है कि यह वे डॉग टायसन है जो आतंकियों के छिपे होने की जानकारी देता था। सुरक्षा बलों को उनके ठिकाने तक पहुंचा देता था। आशंका है कि आतंकियों ने चिढ़कर उसे गोली मारी हो।

सेना प्रमुख ने सुरक्षा बलों को बधाई दी

आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने सेना की उत्तरी कमान के सैनिकों को इस बड़ी उपलब्धि के लिए बधाई दी है। उन्होंने सैनिकों की दक्षता, अटूट संकल्प के साथ चुनौतीपूर्ण हालात में प्रभावी समन्वय की सराहना की है। सेना प्रमुख ने कहा कि उत्तरी कमान के सैनिक कठिन हालात में भी उच्च सतर्कता, परिचालन उत्कृष्टता व बेहतरीन तालमेल का परिचय देना सराहनीय है।

जुलाई 2024 के हमले में शामिल था 5 लाख का इनामी सैफुल्लाह

सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार, मारा गया आतंकी कमांडर सैफुल्लाह बलोच जैश-ए-मोहम्मद का सक्रिय कमांडर था। उस पर 5 लाख का इनाम था। सैफुल्लाह का अपने साथियों के साथ मार गिराया जाना, जम्मू क्षेत्र में जैश-मोहम्मद के नेटवर्क के लिए बहुत बड़ा झटका लगा है। सेना, सुरक्षाबलों का मनोबल और भी मजबूत हुआ है। सिक्योरिटी एजेंसियों के शुरुआती अंदाजों से पता चलता है कि रविवार को मारे गए तीन आतंकवादियों में से एक सैफुल्लाह था, जो खुद को जैश ए मोहम्मद का कमांडर बताता था।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने स्वतः संज्ञान लिया

थाईलैंड में बंधक बने ओडिशा के श्रमिकों पर एनएचआरसी सख्त विदेश मंत्रालय से मांगी रिपोर्ट

एजेंसी ▶▶ भुवनेश्वर

ओडिशा के केंदापाड़ा जिले के छह श्रमिकों को थाईलैंड में उनके नियोक्ता द्वारा पिछले छह महीनों से बंधक बनाकर रखने के आरोपों पर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने स्वतः संज्ञान लिया है। आयोग ने मामले को गंभीर मानवाधिकार उल्लंघन बताते हुए केंद्र सरकार से तत्काल हस्तक्षेप की अपेक्षा की है। बताया जा रहा है कि 17 फरवरी को इन श्रमिकों का एक वीडियो संदेश सामने आया, जिसमें उन्होंने अपनी आपबीती सुनाई। वीडियो में श्रमिकों ने दावा किया कि उन्हें एक फैक्ट्री परिसर के भीतर बंद कर रखा गया है, शारीरिक और मानसिक प्रताड़ना दी जा रही है तथा न तो वेतन दिया जा रहा है और न ही पर्याप्त भोजन। मामले की गंभीरता को देखते हुए आयोग ने विदेश मंत्रालय से इस संबंध में विस्तृत टिप्पणी मांगी है। मंत्रालय को निर्देश दिया गया है कि वह एक सप्ताह के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करे और यह स्पष्ट करे कि पीड़ित श्रमिकों तथा उनके परिजनों को तत्काल सहायता उपलब्ध कराने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं। ये सभी श्रमिक अगस्त 2025 में एक श्रम ठेकेदार के माध्यम से थाईलैंड गए थे। ठेकेदार ने उन्हें अच्छी तनख्वाह और बेहतर रोजगार का झांसा दिया था। लेकिन वहां पहुंचने के बाद उन्हें कथित तौर पर प्लाईवुड निर्माण इकाई में प्रतिदिन करीब 12 घंटे काम करने के लिए मजबूर किया गया।

17 फरवरी को इन श्रमिकों का एक वीडियो संदेश सामने आया

एआई इमेज

न वेतन न भोजन पासपोर्ट भी जब्त किया

श्रमिकों का आरोप है कि उन्हें न तो वेतन दिया गया और न ही पर्याप्त भोजन। इतना ही नहीं, नियोक्ता ने उनके पासपोर्ट भी जब्त कर लिए, जिससे वे वापस लौटने में असमर्थ हो गए। संदेश में श्रमिकों ने भारत सरकार से हस्तक्षेप कर सुरक्षित स्वदेश वापसी सुनिश्चित कराने की गुहार लगाई है। 1993 के मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम के तहत गठित राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग एक स्वायत्त वैधानिक संस्था है, जिसे देश में मानवाधिकारों की रक्षा और संवर्धन की जिम्मेदारी सौंपी गई है। बिना औपचारिक शिकायत के भी स्वतः संज्ञान लेने का अधिकार रखता है। आयोग की इस पहल से पीड़ित श्रमिकों और उनके परिवारों में उम्मीद जगी है कि कूटनीतिक स्तर पर शीघ्र कार्रवाई कर उनकी सुरक्षा और स्वदेश वापसी का मार्ग प्रशस्त किया जाएगा।

54000 ट्रामाडोल हाइड्रोक्लोराइड की गोलियां बरामद

दिल्ली में 9 करोड़ की ड्रग्स गोलियां जब्त तस्करों के यूके तक जुड़े तार, 5 गिरफ्तार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने इंटरनेशनल ड्रग तस्करी गिरोह का पर्दाफाश किया है। टीम ने 9 करोड़ रुपये कीमत की प्रतिबंधित साइकोट्रॉपिक गोलियां भी बरामद की हैं। इस मामले में 5 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के मुताबिक गिरोह के तार यूनाइटेड किंगडम तक जुड़े हुए थे और प्रतिबंधित दवाओं को लॉजिस्टिक्स कंपनियों व कूरियर सेवाओं के जरिए विदेश भेजा जाता था। डीसीपी (क्राइम ब्रांच) विक्रम सिंह ने बताया कि इस मामले की शुरुआत पिछले साल 7 अक्टूबर को हुई थी, जब पुलिस टीम ने सरिता विहार में छापेमारी कर मोहम्मद आबिद (50) को गिरफ्तार किया। उसके पास से 54000 ट्रामाडोल हाइड्रोक्लोराइड की गोलियां बरामद हुई थीं। इसके बाद प्रकरण दर्ज कर जांच आगे बढ़ाई गई। पूछताछ में आबिद ने खुलासा किया कि वह गोलियां अपने रिश्तेदार जावेद खान से लेता था। जावेद को 30 अक्टूबर को गिरफ्तार किया गया। उसने सप्लाई चेन में शामिल सुनील कुमार का नाम बताया, जो समालखा स्थित प्रह्लाद लॉजिस्टिक्स का मालिक है। 2 नवंबर को सुनील कुमार और उसी दिन विष्णु दत्त शर्मा को गिरफ्तार किया गया। आगे की जांच में विकास सिंह उर्फ ईश्वर सिंह को भी पकड़ा गया, जबकि एक अन्य आरोपी नौशाद उर्फ बबलू को भगोड़ा घोषित करने की प्रक्रिया चल रही है।

भारत ने जारी की देश की पहली नेशनल एंटी-टेरर पॉलिसी

आतंकवाद पर फाइनल स्ट्राइक: जल, थल और नभ... अब हर मोर्चे पर होगा 'प्रहार' ड्रोन से लेकर डार्क वेब तक, चक्रव्यूह में फंसेगा आतंक

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सोमवार को देश की पहली व्यापक राष्ट्रीय आतंकवाद-रोधी नीति 'प्रहार' जारी की है। यह नीति बदलते वैश्विक और घरेलू सुरक्षा खतरों को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई है। इसमें पारंपरिक सीमा पार आतंकवाद के साथ-साथ साइबर हमले, ड्रोन के जरिए तस्करी, क्रिप्टो फंडिंग, ऑनलाइन कट्टरपंथ और उभरती तकनीकों के दुरुपयोग जैसे नए खतरों को शामिल किया गया है।

सरकार ने "जीरो टॉलरेंस" की नीति को दोहराते हुए स्पष्ट किया है कि आतंकवाद के खिलाफ अब और अधिक समन्वित, तकनीकी और सख्त कार्रवाई की जाएगी। स्लीपर सेल और सोशल मीडिया प्रचार के जरिए इनकी गतिविधियां बढ़ रही हैं।

एआई इमेज

नीति लाने की मूल वजह

प्रहार नीति का मुख्य उद्देश्य देश को हर प्रकार के आतंकवादी खतरों से सुरक्षित करना है। इसमें रोकथाम, त्वरित कार्रवाई, कड़ी कानूनी प्रक्रिया और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को एक साथ जोड़ा गया है। यह नीति एक समग्र दृष्टिकोण अपनाती है, जिससे सुरक्षा एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल सुनिश्चित हो सके। नीति में स्पष्ट किया गया है कि भारत को जल, थल और वायु तीनों मोर्चों पर खतरा है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109